शुभ लाभ DAILY
खबरें जो सोच बदल दे
हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

राज्य के सरकारी प्राइमरी स्कूलों में विज्ञान और गणित के शिक्षकों की कमी @ नम्मा बेंगलूरु

Postal Regd.No. HQ/SD/523/2023-25 । बुधवार, 18 दिसंबर, 2024 । हैदराबाद और नई दिल्ली से प्रकाशित । epaper.shubhlabhdaily.com । संपादक : गोपाल अग्रवाल । पृष्ठ : 14 । मूल्य-6 रु.। वर्ष-6 । अंक-348

आईएसआई और आतंकी संगठनों ने की बिहारी मुसलमानों की भर्ती

बांग्लादेश में हिंदुओं को मार रहे बिहारी मुसलमान

शुभ-लाभ सरोकार

पाकिस्तान की इंटर-सर्विसेज इंटेलिजेंस (आईएसआई) ने एक बार फिर बांग्लादेश में फैले बिहारी मुसलमानों के जरिए अराजकता फैलाने का कुचक्र तेज कर दिया है। आपराधिक और आतंकी गतिविधियों में लिप्त रहने के लिए कुख्यात बिहारी मुसलमानों के शिविर हिंदू विरोधी और भारत विरोधी आतंकवाद के लिए प्रजनन स्थल हैं। इन समुदायों के भीतर हिंदुओं के प्रति गहरी घृणा और कट्टरपंथी वहशीपन का लाभ उठाते हुए पाकिस्तानी खुफिया एजेंसी आईएसआई ने बांग्लादेश को अस्थिर करने और क्षेत्रीय अशांति को भड़काने के इरादे से भयावह अभियान चलाया है। जैसे-जैसे यह अभियान आगे बढ़ेगा इसका असर पूरे दक्षिण एशिया में दिखेगा। इस पर भारत समेत पूरी दुनिया को तत्काल ध्यान देने और कार्रवाई करने की जरूरत है।

25 मार्च 1971 की सुबह कुख्यात ऑपरेशन सर्चलाइट के दौरान पाकिस्तानी सेना ने बंगालियों पर आतंक का राज चलाया। ढाका के मोहम्मदपुर और मीरपुर इलाकों में हजारों बिहारी अत्याचारों में

शामिल हुए, जिसमें बंगालियों की लिंचिंग, लूटपाट और बलात्कार शामिल थे। बांग्लादेश के मुक्ति संग्राम के दौरान बिहारी मुसलमान समुदाय की नृशंस हरकतों ने बर्बर कट्टरपंथी ताकतों के सहयोगी के रूप में बिहारी मुसलमानों की शिनाख्त दर्ज कराई।

हिंदुओं को मार कर भारत सरकार को भड़काने की कोशिश

बांग्लादेशी-पाकिस्तानी-अमेरिकी ताकतें साजिश में शामिल

बांग्लादेश की आजादी का प्रबल विरोध करने वाले पाकिस्तान परस्त और कट्टर बिहारी मुसलमान पाकिस्तान वापस जाने की मांग कर रहे थे। उस समय इन्हें विभिन्न शिविरों में रख दिया गया था। वही बिहारी मुसलमान आज बांग्लादेश में उत्पात मचाए हुए हैं, जो खुद को बांग्लादेश में फंसे हुए पाकिस्तानी कहते हैं। बांग्लादेश की राजधानी ढाका समेत 13 अन्य जिलों में फैले बिहारी मुसलमानों के शिविर अवैध धंधों और आतंकी गतिविधियों के लिए कुख्यात हैं। ▶10पर

लोकसभा में एक देश एक चुनाव विधेयक स्वीकार

स्वीकृत विधेयक विस्तृत चर्चा के लिए जेपीसी भेजा गया

नई दिल्ली, 17 दिसंबर (एजेंसियां)।
लोकसभा और विधानसभा चुनाव एक साथ कराने संबंधी संविधान संशोधन विधेयक मंगलवार को लोकसभा में स्वीकार कर लिया गया। संविधान (129वां संशोधन) विधेयक, 2024 जिसे एक राष्ट्र-एक चुनाव विधेयक के रूप में जाना जाता है, इसे केंद्रीय कानून मंत्री अर्जुनराम मेघवाल ने पेश किया। इसके लिए मतदान हुआ, जिसमें 269 वोट विधेयक के पक्ष में पड़े और 198 सांसदों ने विधेयक का विरोध किया। विधेयक को विस्तृत चर्चा के लिए संयुक्त संसदीय समिति (जेपीसी) के पास भेजा गया है। मतदान के बाद सदन की कार्यवाही दोपहर तीन बजे तक स्थगित कर दी गई। नए संसद भवन में पहली बार किसी विधेयक पर मत विभाजन हुआ। जब इलेक्ट्रॉनिक मशीन से मतदान हुआ तो 369 सदस्यों ने वोट डाला। इस विधेयक के पक्ष में 220 और विपक्ष में 149 मत

विधेयक के समर्थन में मिले 269 वोट, विरोध में मिले 198

बिल पास होने के लिए लोस में 362 और रास में 164 वोट जरूरी

पड़े। इसके बाद जब पर्ची से वोटिंग हुई तो विधेयक के पक्ष में 269 वोट पड़े और विरोध में 198 वोट पड़े।

केंद्रीय कानून मंत्री अर्जुन राम मेघवाल ने एक देश एक चुनाव विधेयक पेश करते हुए कहा कि यह विधेयक संवैधानिक मानकों पर खरा उतरता है और संविधान के किसी प्रावधान का उल्लंघन नहीं करता। कानून मंत्री ने कहा कि इस विधेयक से न संसद में और न ही विधानसभा के किसी नियम का उल्लंघन हो रहा है। टीडीपी के सांसद चंद्रशेखर पम्मसानी ने विधेयक के समर्थन में बोलते हुए लोकसभा में कहा कि उनकी पार्टी के नेता राष्ट्र निर्माण के समर्थक रहे हैं। हमारी पार्टी का मानना है कि आज तकनीक और मीडिया के युग में चुनाव अभियान क्षेत्रीय नहीं रह गया है और अब इसका असर पूरे देश पर होता है। इसलिए पूरे देश में एक साथ चुनाव कराने का फैसला सही है और हमारी पार्टी इसका समर्थन करती है। जनता दल (यूनाइटेड) ने एक देश, एक चुनाव विधेयक को देश हित में करार दिया और कहा कि लोकसभा में इसे पेश किए जाने के दौरान ▶10पर

राष्ट्रपति दिसानायके और पीएम मोदी की बीच हुई अंतरंग वार्ता

अब बीजिंग नहीं, नई दिल्ली से रहेगा कोलंबो का रिश्ता

श्रीलंका ने भारत से रिश्ते और प्रगाढ़ करने का संकल्प लिया

नई दिल्ली, 17 दिसंबर (एजेंसियां)।
श्रीलंका के युवा राष्ट्रपति अनुरा कुमार दिसानायके अपने पहले विदेश दौरे पर भारत आकर अत्यंत प्रसन्न दिखे। उन्होंने न सिर्फ प्रधानमंत्री मोदी से अलग से वार्ता की, बल्कि प्रतिनिधिमंडल के स्तर पर भी सकारात्मकता के साथ आगे बढ़ने को लेकर उत्साहित रहे। पीएम मोदी के नेतृत्व में हुई भारत की डिजिटल प्रगति से प्रभावित दिसानायके ने इस क्षेत्र में व्यापक साझेदारी की बात की है। श्रीलंका के राष्ट्रपति दिसानायके ने पहली विदेश यात्रा में भारत आने का फैसला लेकर दुनिया को संदेश दिया कि मुसीबत में काम आए निकटतम पड़ोसी का श्रीलंका की नजर में खास महत्व है। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की जमकर तारीफ की और अपने साझा बयान में भारत से रिश्ते और प्रगाढ़ करने का संकल्प भी लिया।

पिछले लंबे समय से राजनीतिक, आर्थिक और सामाजिक स्तर पर डगमगाता रहा श्रीलंका चीन के चाहे जितने कर्ज जाल में घिरा था, लेकिन भारत ने पड़ोसी प्रथम की अपनी नीति पर चलते हुए श्रीलंका की हरसंभव मदद की। इसके लिए राष्ट्रपति दिसानायके ने अपने संबोधन में विशेष रूप से प्रधानमंत्री मोदी का आभार व्यक्त किया। भारत-श्रीलंका संयुक्त वार्ता में दोनों ही देशों ने कड़वे अनुभव भुलाकर हर क्षेत्र में रिश्तों को और सुदृढ करने का संकल्प जताकर चीन को भी संदेश दिया है कि उसकी कोई चाल सफल नहीं होने दी जाएगी। दिसानायके का यह कहना भी विशेष रूप से भारत के प्रति उनकी नीतियों की झलक देता है कि वे अपनी जमीन का भारत विरोधी गतिविधियों के लिए इस्तेमाल नहीं होने देंगे।

श्रीलंका के राष्ट्रपति ने कहा कि भारत ने मुसीबत के समय में उनके देश की जिस प्रकार तत्परता से मदद की वह असाधारण थी। ▶10पर

घुसपैठ और तस्करी रोकने में बंगाल सरकार निष्क्रिय

खराब कर दी 18 अत्याधुनिक निगरानी नौकाएं

तटीय सुरक्षा के लिए राज्य सरकार का सहयोग जरूरी

नई दिल्ली, 17 दिसंबर (एजेंसियां)।
बांग्लादेश सीमा से घुसपैठ रोकने में बंगाल सरकार नाकाम रही है। पश्चिम बंगाल सरकार को तटीय सुरक्षा के लिए दी गई 18 अत्याधुनिक निगरानी नौकाएं खराब पड़ी हैं। बांग्लादेश की बदली हुई स्थिति में तटीय सुरक्षा के लिए राज्य सरकार का सहयोग जरूरी है। केंद्रीय गृह राज्य मंत्री नित्यानंद राय ने लोकसभा में बताया कि पश्चिम बंगाल के लिए तटीय सुरक्षा के लिए जो 18 अत्याधुनिक निगरानी नौकाएं दी गई थीं, उनमें से कोई भी काम नहीं कर रही हैं। केंद्रीय गृह राज्य मंत्री ने तटीय सुरक्षा को मजबूत करने की केंद्र की कोशिशों के बावजूद राज्यों के लचर रवैये के कारण बनी स्थिति पर निराशा जताई। उन्होंने कहा, यह दुर्भाग्य की बात है कि पश्चिम बंगाल को दी गई सभी 18 नौकाएं खराब पड़ी हुई हैं। उनमें से कोई भी काम नहीं कर रही है। तटीय सुरक्षा एक साझा जिम्मेदारी है और राज्यों को केंद्र से मदद लेकर अपनी ओर से भी प्रयास करने चाहिए, ताकि समुद्र तट पर अच्छे से पुलिसिंग हो सके। उन्होंने कहा कि इन सबके बावजूद तस्करों और अवैध गतिविधियों पर लगातार कार्रवाई की जा रही है। ▶10पर

संसद में बोले कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान

किसानों की आमदनी तेजी से बढ़ रही

नई दिल्ली, 17 दिसंबर (एजेंसियां)।
केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने मंगलवार को संसद में कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सरकार किसानों की आय दोगुनी करने के लिए अनेक प्रयास कर रही है और वह इस काम में कोई कोर-कसर नहीं छोड़ेगी। किसानों को खाद पर मिलने वाली सब्सिडी में कोई कमी नहीं आने दी जाएगी और उन्हें कम ब्याज पर कर्ज मिलेगा।

कृषि मंत्री ने शिवराज सिंह चौहान ने लोकसभा में समाजवादी पार्टी (सपा) के सांसद आनंद भदौरिया के पूरक प्रश्न का उत्तर देते हुए कहा कि एनएसएस रिपोर्ट के अनुसार 2002-03 में किसानों की आय 2,015 रुपए प्रति माह थी जो 2018-19 में बढ़कर 10,218 रुपए प्रति माह हो गई। ▶10पर

बांग्लादेश कोर्ट हमले में घायल वकील इलाज के लिए भारत आए

वापस जाकर फिर लड़ेंगे हिंदुओं के न्याय की लड़ाई : रवींद्र घोष

कोलकाता, 17 दिसंबर (एजेंसियां)।
बांग्लादेश की अदालत में हुए हमले में जख्मी हुए वकील रवींद्र घोष इलाज के लिए भारत आए हैं। रवींद्र घोष का इलाज कोलकाता के नजदीक बैरकपुर के अस्पताल में हो रहा है। रवींद्र घोष के बेटे बैरकपुर में ही रहते हैं। बांग्लादेश में गिरफ्तार किए गए इस्कॉन के संत चिन्मय कृष्ण दास की जमानत के लिए उनके वकील के बतौर हाजिर हुए रवींद्र घोष पर कोर्ट में ही कातिलाना हमला हुआ था, जिसमें वे गंभीर रूप से जख्मी हो गए थे। उन्हें लगातार मौत की धमकी दी जा रही है। वे इलाज के लिए 15

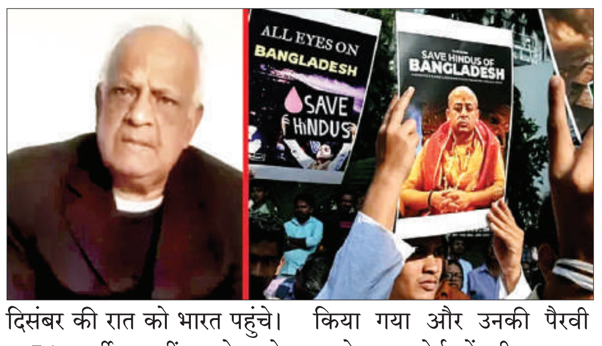

दिसंबर की रात को भारत पहुंचे।

74 वर्षीय रवींद्र घोष ने बताया कि उनके पास अल्पसंख्यकों पर हमलों के एक हजार से अधिक मामले आ चुके हैं, और वो सभी पीड़ितों के लिए कानूनी लड़ाई लड़ेंगे। उन्होंने कहा कि चिन्मय कृष्ण दास पर झूठे आरोप लगाकर उन्हें गिरफ्तार किया गया और उनकी पैरवी करने पर कोर्ट में ही उन पर हमला किया गया। बांग्लादेश के सम्मिलित सनातनी जागरण जोते के प्रवक्ता इस्कॉन संत चिन्मोय कृष्ण दास को नवंबर 2024 में ढाका एयरपोर्ट से गिरफ्तार किया गया था। उनके खिलाफ देशद्रोह और अन्य झूठे आरोप लगाए गए हैं। बांग्लादेश की अंतरिम सरकार और कट्टरपंथियों ने उन्हें इसलिए निशाना बनाया, क्योंकि वह हिंदू समुदाय को संगठित कर रहे थे और अल्पसंख्यकों के खिलाफ हो रहे अत्याचारों पर आवाज उठा रहे थे। रवींद्र घोष ने दावा किया कि उन्हें दास का केस लड़ने के बाद से जान से मारने की धमकियां मिल रही हैं। उन्होंने कहा, मौत तो एक दिन आनी ही है, लेकिन मैं अन्याय के खिलाफ लड़ाई जारी रखूंगा। रवींद्र घोष बांग्लादेश सुप्रीम कोर्ट के वरिष्ठ वकील हैं और बांग्लादेश माइनॉरिटी वॉच के संस्थापक अध्यक्ष भी हैं। ▶10पर

सर्राफ़ा बाज़ार

(24 कैरेट गोल्ड)

सोना : 78,740/- (प्रति 10 ग्राम)

चाँदी : 91,450/- (प्रति किलोग्राम)

मौसम बेंगलूरु

अधिकतम : 30^0

न्यूनतम : 22^0

भारत के युवकों को नौकरी और सम्मान दे रहा हैं इज़राइल

आभार के बजाय फिलिस्तीन का बैग टांगे घूम रही प्रियंका

सीएम योगी बोले : कांग्रेस को अच्छा काम बर्दाश्त नहीं होता

लखनऊ, 17 दिसंबर (एजेंसियां)।
उत्तर प्रदेश विधानमंडल सत्र के दूसरे दिन सीएम योगी आदित्यनाथ ने कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी पर निशाना साधा। योगी ने कहा कि कांग्रेस की नेता संसद में फलीस्तीन का बैग लेकर घूम रही हैं। जबकि, हम यूपी के युवाओं को इज़राइल में नौकरी दे रहे हैं। प्रदेश के 5600 से अधिक युवा इज़राइल गए हैं। जहां उन्हें डेढ़ लाख रुपए की माहवार सैलरी मिल रही हैं। रहना-खाना अलग से मिल रहा है। इज़राइल के प्रति आभार

व्यक्त करने के बजाय फिलिस्तीन के समर्थन वाला बैग लेकर प्रियंका के संसद जाने पर सीएम योगी ने कहा, कांग्रेस को अच्छा काम बर्दाश्त ही नहीं होता। अच्छे कामों पर वह हमेशा रायता फैलाने का काम करती है।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि इज़राइली राजदूत रियुविन अज़ार ने उनसे मुलाकात की और कहा कि वो यूपी से और अधिक युवाओं को इज़राइल लाना चाहते हैं क्योंकि वे अच्छा काम कर रहे हैं। सीएम ने कहा कि हमें इन युवाओं को बधाई देनी चाहिए क्योंकि वे देश और राज्य के विकास में महत्वपूर्ण योगदान दे रहे हैं। ऐसे नीतिगत मसलों के बीच कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी फिलिस्तीन का बैग लेकर उसे प्रदर्शित करती हुई लोकसभा पहुंचीं, यह दुखद और आश्चर्यजनक है। 7 अक्टूबर 2023 को इज़राइल पर हुए हमास के आतंकवादी हमलों की भारत सरकार ने आधिकारिक तौर पर कड़ी निंदा की थी। यह भी उल्लेखनीय है कि फिलिस्तीनी दूतावास के प्रमुख आबिद अलरजाक अबू जाजर ने पिछले हफ्ते प्रियंका गांधी से मुलाकात कर उन्हें वायनाड की चुनावी जीत पर बधाई दी थी। प्रियंका जिस फिलिस्तीनी बैग को लेकर संसद पहुंची थी, उस बैग पर फिलिस्तीन लिखा होने के साथ ही एक तरबूज भी बना है जो फिलिस्तीन के साथ एकजुटता का प्रतीक है। प्रियंका फिलिस्तीन के पक्ष में लगातार बोल रही हैं, लेकिन इज़राइल पर हुए आतंकी हमले और इज़राइली नागरिकों की बर्बर हत्या या उनके अपहरण को लेकर चुप्पी साधे रहीं। यह चुप्पी कांग्रेस की असलियत और मुस्लिम तुष्टिकरण की नीति का परिणाम है।

सीएम योगी ने कहा, विपक्ष का मतलब सिर्फ बुराई करना नहीं होता। अच्छे को अच्छा भी कहिए। ▶10पर

कार्टून कॉर्नर

ओसवाल कप बैडमिंटन प्रतियोगिता के खिलाड़ियों की नीलामी सम्पन्न

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। श्री काँठा प्रांत जैन ट्रस्ट बेंगलूरु द्वारा जनवरी में वसंतनगर स्थित कर्नाटक बैडमिंटन एसोसिएशन में आयोजित होने वाले काँठा प्रांत प्रीमियर लीग ओसवाल कप बैडमिंटन प्रतियोगिता के खिलाड़ियों की नीलामी संपन्न हुई। शांतिनगर स्थित एक होटल में आयोजित खिलाड़ी नीलामी कार्यक्रम में केपीबीएल के प्रायोजकों, टीम मालिकों, खिलाड़ियों, ट्रस्टियों, खेल समिति सदस्यों, ट्रस्ट के सहयोगी समिति सदस्यों के साथ काँठा समाज के गणमान्यों ने भाग लिया। आयोजन की शुरुआत मंगलाचरण से हुई। ट्रस्ट के अध्यक्ष उत्तमचंद कोठारी ने सभी का स्वागत करते हुए मुख्य प्रायोजक श्रीपाल खिवेंसरा, फूड प्रायोजक नवीन कोटरिया, पारितोषिक प्रायोजक शांतिलाल सुराणा, नीलामी प्रायोजक उत्तमचंद कोठारी, स्थल प्रायोजक पारसमल बोहरा एवं जर्सी प्रायोजक मीठालाल पटवा को सहयोग के लिये साधुवाद दिया। खिलाड़ियों की नीलामी के दौरान टीम मालिक भागचंद गुगलिया, प्यारेलाल टपरावत, रेशमा सुमित्रा गांधी, गणेशमल गुगलिया, चेतन खिवेंसरा, कालुराम कटारिया, मुकेश गांधी, ज्ञानचंद कटारिया, जयंतीलाल सेहलोत, माणकचंद गुगलिया एवं मेघराज डुंगरवाल का सम्मान किया गया। प्रतियोगिता के मुख्य प्रायोजक श्रीपाल खिवेंसरा ने कहा कि खेल आयोजनों से न केवल काँठा समाज के युवाओं की खेल कौशल में निखार आता है, बल्कि युवाओं की आपसी नेटवर्किंग में मजबूती आती है। इस अवसर पर गौ सेवक महेंद्र मुणोत ने कहा कि एक में एक जोड़ने से दो होना गणित है, एक में एक जोड़ने से ग्यारह होना संगठन है व एक में एक जोड़ने से एक ही होना प्रेम है और काँठा ट्रस्ट समाज में प्रेम-जुड़ाव का कार्य कर रहा है। अयोध्या के राम मंदिर में राम नवमी का सूर्य तिलक की तकनीक प्रदान करने वाले राजेंद्र कोटरिया ने काँठा ट्रस्ट द्वारा संचालित विभिन्न योजनाओं की सराहना की। ट्रस्ट के महामंत्री सिद्धार्थ बोहरा के अनुसार कार्यक्रम के दौरान ट्रस्ट के 2025 के कार्यों में कर्नाटक काँठा प्रांतीय स्मारिका, अंतर्राष्ट्रीय स्मारिका, कर्नाटक टेलीफोन डायरी, धार्मिक जानकारी सहित 2025 का कैलेंडर, काँठा प्रांतीय भंडारी धार्मिक यात्रा, अंतर्राष्ट्रीय प्रोफेशनल फोरम, काँठा समाज के नवीनीकृत स्टिकर, मोतीलाल मुणोत कप क्रिकेट प्रतियोगिता एवं काँठा प्रान्त पब्लिक स्पीकिंग जैसी विभिन्न योजनाओ का अनावरण किया गया। बैडमिंटन प्रतियोगिता के संयोजक रमेश जी. गुगलिया एवं सह संयोजक विमल गांधी ने बताया कि इस प्रतियोगिता के 12 जनवरी को महिला व पुरुष वर्ग की विभिन्न श्रेणियों के 304 मुकाबलों से ओसवाल कप के विजेता का निर्धारण होगा।

मदारिया ओसवाल साजनान मैसूरु क्षेत्र की आम सभा आयोजित

मैसूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। श्री जैन ओसवाल साजनान संघ मदारिया मैसूरु क्षेत्र की आमसभा का आयोजन समता भवन में हुआ। कार्यक्रम का शुभारम्भ मंगलाचरण से हुआ। सत्र 2022 -24 के अध्यक्ष सुरेशकुमार दक ने सभा का स्वागत किया। मंत्री प्रमोद श्रीमाल ने प्रतिवेदन रिपोर्ट सदन के समक्ष रखी। इस दौरान पिछले दो वर्ष के कार्यकाल की आय-व्यय की प्रस्तुति सदन के समक्ष रखी गई, जिसको सर्वसम्मति से पारित किया गया। सभा के पश्चात आगामी कार्यकाल हेतु चुनाव के लिए प्यारचंद पितलिया व रामलाल कोठारी ने चुनाव अधिकारी की भूमिका निभाई। सर्वसम्मति से श्री जैन ओसवाल साजनान संघ मदारिया मैसूरु क्षेत्र के अध्यक्ष हेतु विमलकुमार पितलिया का नाम प्रस्तुत किया गया।

अध्यक्ष नियुक्ति के पश्चात सभी ने प्रसन्नता व्यक्त करते हुए उन्हे बधाई व शुभकामनाएं दी तथा माल्यार्पण द्वारा अभिनन्दन किया। नवनिर्वाचित अध्यक्ष विमलकुमार पितलिया ने बताया कि जो जिम्मेदारी मुझे सौंपी गई है जो विश्वास सभी ने मुझ पर जताया है उसका पूर्ण रूप से निर्वाहन करते हुए सभी को साथ लेकर संघ के हित में कार्य करने का मुख्य उद्देश्य रहेगा। युवा पीढ़ी को समाज के इतिहास से अवगत कराना चाहिए एवं उन्हें समाज की गतिविधियों से जोड़ना चाहिए। आज का युवा भविष्य के समाज का कर्णधार है, उन्हें समाज के कार्यों में जोड़ने से सम्माज का भविष्य अच्छा बनेगा। समस्त क्षेत्र में प्रवासित परिवारों का स्नेह मिलन व नई कार्यकारणी का शपथ ग्रहण समारोह 5 जनवरी को जलमहल रिसॉर्ट मैसूरु में करने का निर्णय लिया गया।

कार्यक्रम का सुंदर संचालन महावीर देरासरिया व सुरेशचंद पितलिया ने किया।

संगठनों की मांग पर सदन में रखेंगे प्रस्ताव: विजयेंद्र

बेलगावी/शुभ लाभ ब्यूरो। भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष और विधायक बी.वाई.विजयेंद्र ने कहा कि उन्हें यहां संघर्ष कर रहे संगठनों की मांगों के संबंध में याचिकाएं मिली हैं और वे उन्हें सदन में प्रस्तावित करने का प्रयास करेंगे।

बेलगावी में मंगलवार को मीडिया से बात करते हुए उन्होंने कहा कि हडपा में स्वामीजी और अप्पन्ना समाज के नेता आये हैं। उन्होंने उनका अनुरोध स्वीकार कर लिया है। 20-30 वर्षों की सेवा के बावजूद अतिथि व्याख्याताओं को कोई सुरक्षा नहीं मिल रही है। उन्होंने बताया कि उनकी यह भी मांग है कि उन्हें कम से कम 25,000 से 30,000 रुपये का मानदेय मिले। मुझे कुडु ओक्कालिगा समुदाय की मांगों के संबंध में एक याचिका भी मिली है।

मैंने भी समाज की अपील स्वीकार कर ली है। डोड्डबल्लापुर निर्वाचन क्षेत्र के विधायक धीरज मुनिराजू, विधायक हरीश पूंजा, शैलेन्द्र बेलदेले एक साथ आए हैं। उन्होंने कहा कि वह उन सभी की आवाज बनकर सदन में अपनी बात रखने का प्रयास करेंगे। एक सवाल के जवाब में उन्होंने कहा कि अनवर मणिपाडी के संबंध में उन्होंने मुख्यमंत्री को चुनौती दी है।

सीएम ने मणिपाडी को लेकर मेरे ऊपर जो आरोप लगाएं हैं, जो भी भ्रष्टाचार में शामिल है, उसकी गहन जांच होनी चाहिए। कांग्रेस नेताओं ने वक्फ को लूटा। उन्होंने कहा कि हमने इस सबकी व्यापक जांच सीबीआई से कराने पर भी जोर दिया है।

श्री मेवाड़ जैन बीसा ओसवाल युवा संगठन की आमसभा आयोजित

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। श्री मेवाड़ जैन बीसा ओसवाल संघ कर्नाटक बेंगलूरु की युवा शाखा श्री मेवाड़ जैन बीसा ओसवाल युवा संगठन की आमसभा सोमवार को राजाजीनगर स्थित एक होटल में आयोजित की गई। सभा की शुरुआत मंगलाचरण से की गई। युवा अध्यक्ष राकेश संचेती ने सभी का स्वागत किया एवं अपने कार्यकाल में संगठन द्वारा किए गए कार्यों के बारे में बताया।

मंत्री प्रकाश बाबेल ने मंत्री प्रतिवेदन प्रस्तुत किया। कोषाध्यक्ष राजेश बाफना ने आय-व्यय का ब्योरा पेश किया, जिसे सर्वसम्मति से पास किया गया। पूर्व अध्यक्ष मुकेश रांका, पुखराज आंचलिया, विनोद बाफना एवं निवर्तमान अध्यक्ष कमलेश भरसरिया ने विचार रखते हुए संगठन के उत्कृष्ट कार्यकाल की सराहना करते हुए आगे भी ऐसे ही कार्य करते रहने की प्रेरणा दी। संगठन मंत्री मनीष टुकलिया ने कार्यक्रम का कुशल एवं सुंदर संचालन किया। उपाध्यक्ष गौतम खाब्या, सह मंत्री प्रवीण कक्कड़, राहुल कावड़िया उपस्थित थे। मानव सेवा प्रभारी महावीर ओस्तवाल, खेल प्रभारी संदीप चौधरी, प्रचार प्रसार प्रभारी नरेश कोठारी, सांस्कृतिक प्रभारी प्रशांत बाफना ने भी अपने विचार व्यक्त किए। पर्यवेक्षक मुकेश रांका ने अगले 2 साल 2024-2026 के कार्यकाल के लिए प्रकाश बाबेल को अध्यक्ष पद पर मनोनीत किया। सभी ने बधाई एवं शुभकामनाएं दी। संगठन मंत्री मनीष टुकलिया ने धन्यवाद ज्ञापित किया।

कैलेंडर का हुआ विमोचन

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। माली (सैनी) समाज कर्नाटक बेंगलूरु द्वारा नववर्ष-2025 के कैलेंडर का विमोचन हुलिमाउ स्थित माली समाज भवन में किया गया। इस अवसर पर समाज के अध्यक्ष सज्जनराज सांखला, उपाध्यक्ष उदयराम परमार, सचिव प्रकाश तंवर, कोषाध्यक्ष कालूराम बागड़ी, सह कोषाध्यक्ष थानाराम भाटी, माली (सैनी) युवा संगठन के अध्यक्ष पवन भाटी सहित समाज के कार्यकारिणी सदस्य और वरिष्ठ समाज बन्धु उपस्थित रहे।

निशुल्क नेत्र शिविर में 27 मरीजों का हुआ ऑपरेशन

मैसूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। बन्नूर स्थित रोटरी स्कूल में गवरीदेवी स्व. कानसिंह सिया की ओर से गत शनिवार को आयोजित निशुल्क नेत्र जांच शिविर में कोयम्बत्तूर के अरविंद नेत्र चिकित्सालय के चिकित्सकों डॉ. अपर्णा होसूर, डॉ.निजी, डॉ.विजय कुमार ने आंखों की जांच की थी। समाजसेवी महेंद्र सिंह राजपुरोहित ने बताया कि 27 लोगों के आँख का ऑपरेशन कोयम्बत्तूर स्थित अरविंद नेत्र चिकित्सालय में किया गया। उन्होंने बताया कि आँखों के ऑपरेशन के बाद सभी पुनः बस के माध्यम से बन्नूर पहुंचे।

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। श्री कली कन्नड़िगर गेलेयारा बलगा द्वारा चामराजपेट में मां अन्नमा देवी का वार्षिकोत्सव मनाया गया। विशिष्ट अतिथि महेंद्र मुणोत ने देवी मां के दर्शन कर आशीर्वाद लिया एवं मेधावी विद्यार्थियों को पुरस्कृत किया। आयोजकों ने मुणोत को सम्मानित किया।

खतरनाक तरीके से वाहन चलाने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी: पुलिस आयुक्त

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। शहर के पुलिस आयुक्त बी दयानंद ने कहा कि खतरनाक तरीके से वाहन चलाने और तेज गति से वाहन चलाने वाले दोपहिया चालकों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। यहां पत्रकारों से बातचीत में उन्होंने कहा कि नए साल के दौरान किसी भी तरह की दुर्घटना और अप्रिय घटना को रोकने के लिए पुलिस विभाग पूरी तरह तैयार है। दोपहिया वाहन चलाने, शराब पीकर वाहन चलाने, तेज गति से वाहन चलाने और लापरवाही से वाहन चलाने के कारण युवा सड़कों पर अपनी जान गंवा रहे हैं। इसलिए पुलिस सख्त कार्रवाई करेगी और अभिभावकों को चेतावनी दी है कि वे अपने किशोर बच्चों को बाइक न दें। पिछले दस दिनों में शहर के यातायात पुलिस थानों में चलाए गए विशेष अभियान के दौरान वाहन चलाने वाले 56 चालकों को गिरफ्तार किया गया और 75 दोपहिया वाहन जब्त किए गए। 45 चालकों के पंजीकरण प्रमाण पत्र (आरसी) और 23 चालकों के ड्राइविंग लाइसेंस (डीएल) जब्त कर निलंबन के लिए परिवहन विभाग को भेजे गए हैं। उन्होंने कहा कि यातायात नियमों का उल्लंघन करने वाले 10 नाबालिगों के अभिभावकों के खिलाफ जेजे एक्ट के तहत मामला दर्ज किया गया है। बुधवार को शहर की यातायात पुलिस द्वारा चलाए गए विशेष अभियान के दौरान यातायात नियमों का उल्लंघन करने वाले सवारों/चालकों के खिलाफ 1,413 मामले दर्ज किए गए और 6.88 लाख रुपये का जुर्माना वसूला गया। कुल 1,413 मामले दर्ज किए गए, जिनमें ट्रिपल राइडिंग (25), प्रवेश प्रतिबंध (65), बिना हेलमेट पहने दोपहिया वाहन चलाना (1,273) और अन्य यातायात नियम उल्लंघन (50) शामिल हैं। इसी तरह, सार्वजनिक सड़कों पर दोपहिया वाहन पर खतरनाक तरीके से पहिया चलाने के आरोप में पांच मामले दर्ज किए गए और चार सवारों को गिरफ्तार किया गया। दुर्घटनाओं को नियंत्रित करने के लिए यातायात नियमों का अनुपालन महत्वपूर्ण है। यह विशेष अभियान आने वाले दिनों में भी जारी रहेगा।

पूनम मेला का आयोजन

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। दक्षिण नाकोड़ा तीर्थ श्री संकट मोचन पार्श्व भैरव धाम अरसीकेरे में मार्गशीर्ष पूनम मेला का आयोजन किया गया। मेले का संपूर्ण लाभ बेंगलूरु निवासी महेंद्र कुमार, हेमंत कुमार संचेती परिवार ने लिया और यात्रा संघ का आयोजन कर तीर्थ पहुंचे। तीर्थ आगमन पर बैंड बाजे के साथ यात्रियों का भव्य स्वागत किया गया।

कार्यक्रम में विजयगुरुजी ने पार्श्व भैरव महापूजन पढ़ाई। बेंगलूरु के जैन संगीतकार सुर सम्राट दिलखुश बाफणा के साथ प्रकाश राठौड़, तनसुख ललवानी, प्रेमलता एवं स्थानीय गायिका हेमा कोठारी ने श्रद्धालुओं को अपने मधुर स्वर अंदाज में नाचने पर मजबूर कर संभव संगीत मंडल के साथ परिसर को संगीतमय बना दिया।

मेले में परंपरागत भैरवदेव को छप्पनभोग, 108 श्रीफल, पुष्प अर्पण एवं तेल चढाना लाभार्थी परिवारों द्वारा किया गया। इस अवसर पर बेंगलूरु से राष्ट्रीय भैरव भक्त परिवार के तत्वावधान में संघ यात्रा का आयोजक राकेश सालेचा ने किया। बेंगलूरु, मुंबई, चेन्नई, हैदराबाद, शिवमोग्गा, हासन, टिपटूर, तुमकुरु, चिकमंगलूरु, राणीबेन्नूर, कडुर, होलेनरसीपुर, चन्नरायपट्टना, मैसूरु आदी क्षेत्रों से बड़ी संख्या में भक्तों का जनसैलाब उमड़ा। मेला लाभार्थी परिवार का स्वागत बहुमान ट्रस्ट अध्यक्ष अशोक कुमार सुराना, ट्रस्टी पारसमल वेद मुथा, मांगीलाल मेहता, रमेश कटारिया, मनोहरलाल सुराना, ज्ञानेश मेहता ने किया। कमरे के लाभार्थी कडुर निवासी संपतराज पोरवाल की अनुमोदना करते हुए मैनेजिंग ट्रस्टी डॉ. विजय कुमार सुराना ने आगामी पोष दशम मेला एवं 31 दिसंबर पर तीर्थ परिसर में आयोजित कार्यक्रमों की जानकारी दी।

महिला कांस्टेबलों ने इंस्पेक्टर पर लगाया यौन उत्पीड़न का आरोप

हुब्बल्ली/शुभ लाभ ब्यूरो। पुराने हुब्बल्ली पुलिस स्टेशन के इंस्पेक्टर सुरेश येल्लूर पर अपने अधीन कार्यरत महिला कांस्टेबलों का यौन उत्पीड़न करने का आरोप लगा है। आरोपों के अनुसार, येल्लूर ने देर रात महिला कर्मचारियों को अनुचित वीडियो कॉल किए, अश्लील भाषा का इस्तेमाल किया और उनके रूप-रंग को लेकर अपमानजनक टिप्पणी की। महिला कांस्टेबलों ने अधिकारियों को तीन पन्नों की विस्तृत शिकायत सौंपी है, जिसमें येल्लूर पर लगातार उत्पीड़न का आरोप लगाया गया है। उनका दावा है कि वह न केवल रात में वीडियो कॉल के दौरान उन्हें परेशान करता है, बल्कि जब वे छुट्टी के लिए उसके पास जाती हैं, तो उनकी सुंदरता को लेकर अनुचित टिप्पणी भी करता है। शिकायत को मुख्यमंत्री सिद्धरामैया, गृह मंत्री डॉ. जी परमेश्वर, पुलिस महानिदेशक और महानिरीक्षक (डीजी और आईजीपी) और कर्नाटक राज्य महिला आयोग सहित कई अधिकारियों तक पहुंचाया गया है। पत्र में यह भी बताया गया है कि कैसे इंस्पेक्टर के व्यवहार ने पीड़ितों के परिवारों के भीतर तनाव पैदा किया है।

हुब्बल्ली पुलिस आयुक्त एन शशिकुमार ने आरोपों को स्वीकार करते हुए कहा कि वरिष्ठ अधिकारी मामले की गहन जांच करेंगे। उन्होंने कहा मुझे अभी तक कोई औपचारिक पत्र नहीं मिला है, लेकिन यह मुद्दा मेरे ध्यान में लाया गया है। हम आरोपों की जांच करेंगे और उचित कार्रवाई करेंगे। शिकायत में पुलिस विभाग के भीतर कार्यस्थल उत्पीड़न के बारे में गंभीर चिंता जताई गई है, जिसमें तत्काल हस्तक्षेप और निष्पक्ष जांच की मांग की गई है।

पहली बार निर्वाचित विधायकों को विशेष अनुदान देने की अपील

बेलगावी/शुभ लाभ ब्यूरो। उडुपी निर्वाचन क्षेत्र के विधायक यशपाल ए. सुवर्णा के नेतृत्व में एक प्रतिनिधिमंडल ने सीएम सिद्धरामैया से मुलाकात कर पहली बार निर्वाचित विधायकों के निर्वाचन क्षेत्रों को विशेष अनुदान देने के संबंध में एक ज्ञापन सौंपा। याचिका में कहा गया कि मुझे पहली बार विधायक चुने हुए 1 साल 7 महीने हो गए हैं और मैं 5वें सत्र में भाग ले रहा हूं। हमारे सभी नवनिर्वाचित विधायकों से क्षेत्र की जनता को काफी उम्मीदें हैं। अपील में ध्यान आकृष्ट कराया गया है कि क्षेत्र के विकास कार्यों एवं रख-रखाव कार्यों के लिए हमें प्रतिदिन लोगों से अनुरोध प्राप्त हो रहे हैं। जब से हम विधायक बने हैं तब से हमें कोई महत्वपूर्ण अनुदान नहीं मिला है। इसके कारण लोगों की प्राथमिकता वाली मांगों, जरूरी जरूरतों और बुनियादी सुविधाओं के रख-रखाव और विकास कार्यों पर ध्यान नहीं दिया जा रहा है। इसलिए पहली बार निर्वाचित विधायकों के निर्वाचन क्षेत्रों को विशेष अनुदान दिया जाए।

सरकारी आंकड़ों में हुआ खुलासा

राज्य के सरकारी प्राइमरी स्कूलों में विज्ञान और गणित के शिक्षकों की कमी

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
कर्नाटक के सरकारी प्राइमरी स्कूलों में विज्ञान और गणित के शिक्षकों की भारी कमी है। कर्नाटक विशेषकर इसकी राजधानी बेंगलूरु विज्ञान और प्रौद्योगिकी के लिए प्रसिद्ध है। लेकिन उसी राज्य में सरकारी प्राथमिक विद्यालयों में कक्षा 1 से 5 तक के लगभग 22 लाख छात्रों के लिए केवल 8,895 विज्ञान और गणित शिक्षक हैं। सरकारी आंकड़ों के अनुसार, राज्य में इन कक्षाओं के छात्रों के लिए 81,979 कन्नड़ शिक्षकों की तुलना में केवल 5,732 अंग्रेजी शिक्षक हैं। जबकि अधिकारियों का कहना है कि इस कमी को पूरा करने के लिए अतिथि शिक्षकों को काम पर रखा गया है, शिक्षा विशेषज्ञों का तर्क है कि यह दीर्घकालिक समाधान नहीं है। अगर यही स्थिति जारी रही तो ग्रामीण इलाकों के कई स्कूलों को बंद होना पड़ेगा। हर साल कुछ जिलों या स्कूलों में इसका असर एसएसएलसी नतीजों पर पड़ता है। प्राथमिक स्तर पर शिक्षकों की कमी इसका अप्रत्यक्ष कारण है। यदि वे बच्चों में सीखने के प्रति रुचि पैदा करने में विफल रहते हैं तो यह शिक्षकों और सरकार की गलती है। विफलता न केवल शहरी-ग्रामीण विभाजन को

बढ़ाती है बल्कि भाषाई विभाजन को भी बढ़ाती है। कन्नड़ में पढ़ाने से बच्चों को सीखने की अवधारणाओं को तेजी से समझने में मदद मिलती है। हालाँकि, विषय शिक्षकों की भारी कमी के कारण उनकी शिक्षा अवरुद्ध हो गई है, वर्तमान आँकड़े आश्चर्यजनक रूप से कम हैं और छात्रों की क्षमता को कमजोर करने में एक प्रणालीगत विफलता को प्रकट करते हैं। सरकारी आंकड़ों के अनुसार, सरकारी प्राथमिक विद्यालयों में 81,979 कन्नड़ शिक्षक हैं, जबकि अंग्रेजी शिक्षक केवल 5,732 हैं। अधिकारियों का कहना है कि इस कमी को दूर करने के लिए अतिथि शिक्षकों की नियुक्ति की गई है। हालाँकि, शिक्षाविदों की राय है कि यह कोई दीर्घकालिक समाधान नहीं है। रिपोर्ट में इस बात का भी जिक्र है कि विशेषज्ञों ने चेतावनी दी है कि अगर यही स्थिति जारी रही तो ग्रामीण इलाकों में कई स्कूल बंद हो सकते हैं। विशेषज्ञों का मानना है कि हर साल कुछ जिलों या स्कूलों में एसएसएलसी परीक्षा के खराब नतीजों का एक अप्रत्यक्ष कारण शिक्षकों की कमी भी है। उन्होंने कहा कि यदि प्राथमिक विद्यालय स्तर पर बच्चों को ठीक से नहीं पढ़ाया जाता है, यदि शिक्षक उनमें सीखने की रुचि पैदा करने में विफल रहते हैं, तो यह सरकार की गलती है। कन्नड़ में पढ़ाने से बच्चों को तेजी से समझने में मदद मिलती है। हालाँकि, बाल अधिकार कार्यकर्ता वासुदेव शर्मा का मानना है कि अन्य विषयों में शिक्षकों की भारी कमी के कारण उनकी पढ़ाई बाधित हो रही है। शिक्षकों की संख्या को लेकर मौजूदा आंकड़े चौंकाने वाले हैं। उन्होंने कहा, इससे छात्रों की क्षमता को कम करने में प्रणालीगत विफलता का पता चलता है। कभी-कभी, छात्रों को 5वीं या 8वीं कक्षा पूरी करने के बाद कन्नड़ से अंग्रेजी माध्यम के स्कूलों में जाने के लिए मजबूर होना पड़ता है। ये किसी अपराध से कम नहीं है। क्योंकि ऐसा करने से बच्चों को ऐसे माहौल में धकेल दिया जाता है जहां वे सीख नहीं पाते। ऐसे में उनकी अक्षमता के कारण अपमानित होने की आशंका है, ऐसी चिंता खुद शिक्षा विशेषज्ञों ने जताई है।

एक लाख शिक्षकों की छटनी

हाल ही में सरकार द्वारा नियमों में किये गये बदलाव के कारण करीब एक लाख शिक्षकों की छटनी हो गयी। कई शिक्षकों ने सरकार के इस फैसले पर नाराजगी व्यक्त की है कि 2016 से पहले नियुक्त लोगों को केवल कक्षा 1 से 5 तक पढ़ाना चाहिए। सार्वजनिक शिक्षा विभाग के एक अधिकारी ने कहा, विभाग में 35,000 अतिथि शिक्षक हैं जो 21.8 लाख छात्रों को पढ़ा रहे हैं। हालांकि, शिक्षा विशेषज्ञों ने अतिथि शिक्षकों पर निर्भरता पर आपत्ति जताई है। साथ ही, यह एक त्रुटिपूर्ण तरीका है। हाल ही में सरकार द्वारा किए गए बदलावों से शिक्षकों की संख्या करीब एक लाख कम हो गई है। विकास शिक्षाविद् निरंजनराध्य वीपी ने कहा कि कई शिक्षक कक्षा 1 से 5 तक पढ़ाने के लिए 2016 से पहले भर्ती किए गए लोगों को केवल कक्षा 1 से 7 के छात्रों के लिए प्राथमिक विद्यालय के शिक्षकों के रूप में नियुक्त करने के सरकार के फैसले से परेशान थे।

रात 12.50 बजे तक चली विधानसभा की कार्यवाही

बेलगावी/शुभ लाभ ब्यूरो।
विधानसभा की कार्यवाही रात 12.50 बजे तक चली और एक नया रिकॉर्ड बन गया। सदन की बैठक सोमवार सुबह 10 बजे निर्धारित थी। लेकिन कार्यक्रम करीब 40 मिनट देरी से शुरू हुआ।

सोमवार को सदन की कार्यवाही सुबह 10.40 बजे से रात 12.50 बजे तक चली और करीब 14 घंटे तक विधानसभा की कार्यवाही चली। सोमवार को पिछले दस वर्षों में सदन का सबसे लंबा सत्र था। उत्तर कर्नाटक के विकास पर विशेष चर्चा के लिए प्रश्नोत्तरी सत्र को अलग रखा गया और भोजनावकाश तक वही चर्चा चलती रही। बाद में विधानमंडल सत्र में 8 विधेयकों को मंजूरी दी गई। उसके बाद, भाजपा विधायक वी. सुनील कुमार और अन्य ने नियम 69 के तहत पिछले दो वर्षों से विकास गतिविधियों के लिए अनुदान जारी नहीं करने और विधायक मुनिरत्न के खिलाफ जातिगत दुर्व्यवहार के आरोपों के मुद्दे पर चर्चा की। बाद में प्रश्न-उत्तर सत्र और ध्यानाकर्षण निर्देश के दौरान उन विधायकों को सरकार से जवाब मिला जिन्होंने अपने-अपने निर्वाचन क्षेत्रों से संबंधित मुद्दे उठाए।

पिछले सप्ताह एक दिन विधानसभा की कार्यवाही रात दस बजे तक चली थी। सोमवार रात कार्यवाही खत्म होने तक कुछ ही विधायक मौजूद थे। इनमें स्पीकर, डिप्टी स्पीकर, तीन मंत्री, 7 कांग्रेस विधायक, चार जेडीएस और एक भाजपा और एक गैर-पार्टी विधायक थे। जेडीएस विधायक करीमा ने आधी रात तक कार्यवाही में भाग लिया और अपना ध्यान आकर्षित करने के लिए सरकार से नोटिस का जवाब प्राप्त किया। दस दिवसीय सत्र में पिछले सप्ताह सदन चार दिन चला था। मांड्या में अखिल भारतीय साहित्य सम्मेलन को देखते हुए इस सप्ताह को एक दिन छोटा कर दिया गया है। इस प्रकार कार्यवाही 8 दिनों तक सीमित रहेगी। समय की कमी के कारण सरकारी कामकाज निपटाने के लिए सत्र देर रात तक चला।

बेलगावी कांग्रेस अधिवेशन कर्नाटक राज्य के लिए ऐतिहासिक सौभाग्य: डीके शिवकुमार

बेलगावी/शुभ लाभ ब्यूरो।
राज्य के उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार ने मंगलवार को कहा कि 1924 में बेलगावी में कांग्रेस सत्र की अध्यक्षता पहली बार महात्मा गांधी ने की। यहां सर्किट हाउस और पीरनवाड़ी गांधी भवन के पास पत्रकारों से बात करते हुए शिवकुमार ने कहा कि जब महात्मा गांधी कांग्रेस अध्यक्ष बने, तो केवल गंगाधर देशपांडे और जवाहरलाल नेहरू ही महासचिव थे। तब देशपांडे ने बेलगावी में एआईसीसी सत्र आयोजित करने का निमंत्रण दिया। उस सत्र में आने वाले लोगों को पीने का पानी उपलब्ध कराने के लिए एक कुआँ खोदा गया था। 100 साल बाद कर्नाटक से आने वाले मल्लिकार्जुन खड़गे एआईसीसी के अध्यक्ष हैं। इस बीच कई दिग्गज नेता उस पद पर आसीन हो चुके हैं। निजलिंगप्पा, इंदिरा गांधी, राजीव गांधी, सोनिया गांधी, राहुल गांधी भी कांग्रेस पार्टी के अध्यक्ष रहे। इस सत्र को गुजरात के साबरमती आश्रम में आयोजित करने पर चर्चा हुई। फिर मैंने एआईसीसी को इसे बेलगावी में आयोजित करने का प्रस्ताव दिया, वे सहमत हो गए। कार्यक्रम के तहत 2 अगस्त को राज्य सरकार की ओर से हमने बेंगलूरु के गांधी भवन से विधानसौधा

स्थित गांधी प्रतिमा तक मार्च निकाला। बाद में पार्टी ने गांधी सर्किल से भवन तक भारत जोड़ो मार्च निकाला। अब अगली कड़ी के रूप में पार्टी की कार्यसमिति की बैठक 26 तारीख को बेलगावी में होगी। इस कार्यक्रम में एआईसीसी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे, सोनिया गांधी, राहुल गांधी, प्रियंका गांधी और कांग्रेस पार्टी की कार्यसमिति के सभी सदस्य, सभी मुख्यमंत्री, विधायक और सांसद शामिल होंगे। अगले दिन एक विशाल सार्वजनिक बैठक आयोजित की जाएगी। उन्होंने कहा कि इस सम्मेलन में पंचायत सदस्य, समिति और निगम सदस्य, नामांकित व्यक्ति समेत पार्टी के सभी नेता और कार्यकर्ता शामिल होंगे। इस बीच, सुवर्णसौधा के पास गांधी प्रतिमा का उद्घाटन किया जा रहा है और इस कार्यक्रम में पार्टी के सभी विधायकों और परिषद नेताओं को आमंत्रित किया जाएगा। उन्होंने कहा कि यह कार्यक्रम अध्यक्ष एवं सभापति के नेतृत्व में होगा। एआईसीसी महासचिव उन स्थानों पर जाकर निरीक्षण करेंगे जहां यह कार्यक्रम होगा। अन्य कार्यक्रमों की जानकारी बाद में दी जायेगी। इंदिरा गांधी ने कहा था कि अवसर हमारी तलाश में नहीं आते, हमें खुद मौके तलाशने चाहिए। सोनिया गांधी ने इंदिरा गांधी के भाषणों पर एक किताब लिखी। उन्होंने कहा कि मैंने उस किताब का कन्नड़ में अनुवाद किया है और उसका विमोचन गांधी भारत कार्यक्रम के दौरान किया जाएगा। उन्होंने कहा कि वह कांग्रेस कार्यालय में बेलगावी जोन के सभी नेताओं के साथ बैठक करेंगे और कार्यक्रम की तैयारी पर चर्चा करेंगे। पंचमसाली आरक्षण मुद्दे पर उन्होंने कहा कि सिद्धरामैया ने हमारे समाज के साथ अन्याय नहीं किया है। सिद्धरामैया पहले ही इस मामले पर सफाई दे चुके हैं। जब उनसे विजयेंद्र के उस बयान के बारे में पूछा गया कि मणिपाडी के मामले की जांच सीबीआई द्वारा की जानी चाहिए, तो उन्होंने कहा चलिए इस मामले पर आगे चर्चा करते हैं।

रेणुकास्वामी हत्याकांड : दर्शन की साथी पवित्रा गौड़ा जमानत पर रिहा

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
कन्नड़ सुपरस्टार दर्शन की साथी और अभिनेत्री पवित्रा गौड़ा को मंगलवार को बेंगलूरु के परप्पना अग्रहारा केंद्रीय कारागार से जमानत पर रिहा कर दिया गया। गिरफ्तारी के छह महीने बाद जेल से बाहर निकलते हुए, मुख्य आरोपी पवित्रा शांत दिखीं। कर्नाटक उच्च न्यायालय ने 13 दिसंबर को अभिनेता दर्शन, पवित्रा और अन्य को जमानत दे दी थी। सूत्रों के अनुसार, तकनीकी कारणों और जमानत की शर्तों को पूरा करने के कारण पवित्रा की रिहाई में देरी हुई। जांच से पता चला कि पवित्रा ने रेणुकास्वामी की हत्या में सक्रिय रूप से भाग लिया था।

शुरू में, यह माना जाता था कि उसने केवल पीड़ित को चप्पल से पीटा था और रेणुकास्वामी की हत्या के समय वह मौजूद थी। हालांकि, आगे की जांच में पाया गया कि पवित्रा ने रेणुकास्वामी से कहा था कि जब उसने अपनी जान की भीख मांगी थी, तो उसने उससे कहा था कि वह जीने के लायक नहीं है। जांच रिपोर्ट में कहा गया है दर्शन के साथ अपराध स्थल पर आई पवित्रा को कथित तौर पर अश्लील तस्वीरें और अपमानजनक संदेश भेजने के लिए रेणुकास्वामी से निपटने के लिए कहा गया था। तब तक, रेणुकास्वामी, जिस पर दर्शन सहित 15 लोगों के एक गिरोह द्वारा क्रूरतापूर्वक हमला किया गया था और अमानवीय यातना दी गई थी, खून बह रहा था और चोटों से लथपथ था। पुलिस सूत्रों ने कहा कि पवित्रा के सैंडल और कपड़ों पर रेणुकास्वामी के खून के निशान पाए गए। फोरेंसिक साइंस लेबोरेटरी की रिपोर्ट ने पवित्रा के जब्त कपड़ों पर रेणुकास्वामी के खून की मौजूदगी की पुष्टि की। जांच में आगे पता चला कि क्रूर हत्या के बाद, अगले दिन पवित्रा एक ब्यूटी स्पा में गई थी। बाद में उसे पुलिस ने बुलाया और गिरफ्तार कर लिया। पवित्रा ने कथित तौर पर उकसाया, साजिश रची और अपराध में भाग लिया। दर्शन, पवित्रा गौड़ा और 15 अन्य को 11 जून को चित्रदुर्ग की एक प्रशंसक रेणुकास्वामी का अपहरण करने और उसकी बेरहमी से हत्या करने के आरोप में गिरफ्तार किया गया था। रेणुकास्वामी ने कथित तौर पर पवित्रा गौड़ा को अपमानजनक और अश्लील संदेश भेजे थे, क्योंकि वह इस बात से निराश था कि विवाहित होने के बावजूद दर्शन ने उसके साथ संबंध बनाए रखा। इस बीच, कर्नाटक पुलिस दर्शन को जमानत देने के उच्च न्यायालय के फैसले को चुनौती देने के लिए सर्वोच्च न्यायालय में अपील दायर करने पर विचार कर रही है। तलाकशुदा और एकल माँ पवित्रा ने तमिल और कन्नड़ फिल्मों में अभिनय किया है। वह खुद को एक फैशन डिजाइनर, मॉडल, कलाकार और एक बुटीक की प्रबंध निदेशक के रूप में पहचानती है। पवित्रा और दर्शन की पत्नी विजयलक्ष्मी के बीच सोशल मीडिया पर झगड़े हुए, जिसके कारण दर्शन के प्रशंसकों ने उनका पक्ष लिया।

पुलिस के निष्कर्षों के अनुसार, विजयलक्ष्मी का समर्थन करने वाले रेणुकास्वामी ने पवित्रा की आलोचना की, जिसके कारण अंततः उनकी क्रूर हत्या हुई।

राज्य में किसी भी नये भवन के निर्माण के लिए नया कानून किया जाना चाहिए लागू : रिजवान अरशद

बेलगावी/शुभ लाभ ब्यूरो।
कर्नाटक विधानमंडल की स्थानीय संगठनों और पंचायतराज संगठनों की समिति ने सिफारिश की है कि निकट भविष्य में, किसी भी शहर या ग्रामीण क्षेत्र में नए सरकारी या निजी विकास के निर्माण के दौरान बुनियादी ढांचे के प्रावधान के संबंध में एक नया कानून लागू किया जाना चाहिए। कर्नाटक विधानमंडल की स्थानीय निकाय और पंचायतराज निकाय समिति के अध्यक्ष रिजवान अरशद ने वर्ष 2023-24 के लिए अपनी समिति की 39वीं रिपोर्ट और वर्ष 2024-25 की 40वीं, 41वीं और 42वीं रिपोर्ट

विधानसभा में पेश की।

41वीं रिपोर्ट में सड़कों का निर्माण करते समय पानी, बिजली, ओएफसी केबल बिछाने के लिए सड़क के दोनों ओर अलग-अलग डक्ट बनाने के लिए एक नए कानून की आवश्यकता है। वर्ष 2023-24 के लिए समिति की 39वीं रिपोर्ट में बेंगलूरु की चंदापुर झील में प्रदूषित पानी के प्रवाह को रोकने के लिए एसटीपी का निर्माण आवश्यक है। एसटीपी यूनिट स्थापित करने के लिए यथाशीघ्र स्थान चिन्हित किया जाए। इसमें अदालती आदेश के गतिरोध को दूर करने और इसके तत्काल कार्यान्वयन की दिशा में काम करने की सिफारिश की गई है। संविधान द्वारा प्रदत्त कार्यों को करने के लिए विधानमंडल की स्थायी समितियों को अनिवार्य रूप से समिति की बैठकों में भाग लेना चाहिए। बैठकों से पहले पर्याप्त विभागीय प्रतिक्रिया या जानकारी प्रदान की जानी चाहिए। समिति की बैठकों में भाग लेने वाले विभागीय अधिकारी पूर्व तैयारी के साथ उपस्थित हों तथा समिति द्वारा चाही गयी जानकारी उपलब्ध कराएं। उन्होंने कहा कि बिना पूर्व अनुमति के बैठकों से अनुपस्थित रहने पर सख्ती बरती जानी चाहिए। विभागीय अधिकारियों के खिलाफ शिकायतें रोकने के लिए मुख्य सचिव सख्त कार्रवाई करें। उन्होंने कहा कि पुनरावृत्ति होने पर अनुशासनात्मक कार्रवाई की जाये।

भीड़ भरी बसों में कीमती सामान चुराने के आरोप में महिला गिरफ्तार

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
इलेक्ट्रॉनिक्स सिटी पुलिस ने एक महिला को गिरफ्तार किया है जो भीड़ भरी बसों में लोगों का ध्यान भटकाकर उनसे कीमती सामान चुरा लेती थी। पुलिस के अनुसार आरोपी 2019 से ही ऐसे मामलों में शामिल एक आदतन अपराधी है। वह आंध्र प्रदेश के कुप्पम की रहने वाली है और अपने सहयोगी के साथ मिलकर काम करती थी जो फिलहाल फरार है। उसकी गिरफ्तारी के साथ ही पुलिस ने दक्षिण-पूर्व संभाग में दर्ज ऐसे नौ मामलों का पता लगाया है और उसके पास

से 153 ग्राम सोना, 21 ग्राम चांदी के सामान, 50,000 नकद के साथ कुल 11.5 लाख की कीमत बरामद की है। रविवार को दर्ज की गई शिकायत के आधार पर, इलेक्ट्रॉनिक्स सिटी पुलिस ने सीसीटीवी फुटेज का विश्लेषण किया और आरोपी तक पहुंच बनाई।

भाजपा नेता का आरोप

बेंगलूरु में सरकारी जमीन हड़पने की कोशिश

लोकायुक्त से की शिकायत

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। कर्नाटक लोकायुक्त के समक्ष मंगलवार को एक शिकायत दर्ज कराई गई है, जिसमें कांग्रेस के एक नेता और राजस्व विभाग से जुड़े अधिकारियों द्वारा बेंगलूरु में सरकारी जमीन हड़पने के कथित प्रयास की जांच की मांग की गई है। इस संबंध में वरिष्ठ भाजपा नेता और भ्रष्टाचार विरोधी फोरम के अध्यक्ष एनआर रमेश ने शिकायत दर्ज कराई है। शिकायत लोकायुक्त एडीजीपी को सौंपी गई और राजस्व मंत्री कृष्ण बायरे गौड़ा को भी एक ज्ञापन सौंपा गया। रमेश ने आरोप लगाया कि राजनैतिक रूप से प्रभावशाली व्यक्तियों और राजस्व विभाग के अधिकारियों ने मिलकर 1,600 करोड़ रुपये से अधिक की सरकारी संपत्ति हड़प ली है। उन्होंने शिकायत के साथ संबंधित दस्तावेजों के 204 पृष्ठ भी जमा करने का दावा किया। रमेश ने कहा बेंगलूरु दक्षिण तालुक के केंगेरी होबली के केंगेरी गांव में, सर्वे नंबर 69 में कुल 183 एकड़ सरकारी जमीन शामिल है। इसमें से 37.20 एकड़ जमीन सरकार ने 1973 में 25 भूमिहीन अनुसूचित जाति (एससी) और अनुसूचित जनजाति (एसटी) व्यक्तियों को दी थी, जिनमें से प्रत्येक को 1.20 एकड़ जमीन मिली थी। इनमें से कई मूल आवंटियों का तब से निधन हो चुका है। उत्तरहल्ली-केंगेरी रोड पर

बीजीएस अस्पताल से सटी यह कीमती जमीन कई राजनीतिक और वित्तीय प्रभावशाली लोगों की साजिश का निशाना बन गई। भ्रष्ट राजस्व विभाग के अधिकारियों की सहायता से उन्होंने फर्जी दस्तावेज तैयार किए और कानून का घोर उल्लंघन करते हुए जमीन पर अवैध रूप से कब्जा करने में सफल रहे। रमेश ने दावा किया कि सर्वे नंबर 69 की 37.20 एकड़ (16,33,500 वर्ग फीट) का वर्तमान बाजार मूल्य 1,600 करोड़ रुपये से अधिक होने का अनुमान है, जिसका न्यूनतम बाजार मूल्य 10,000 रुपये प्रति वर्ग फीट है। सुरेंद्र ने भ्रष्ट राजस्व अधिकारियों के साथ मिलकर इस बहुमूल्य भूमि को अवैध रूप से हासिल करने की योजना बनाई। विजयनगर सर्विस रोड पर स्थित भूमि विकास फर्म केएनएस रेजीडेंसी के मालिक केएन सुरेंद्र ने मगदी से कांग्रेस विधायक एच.सी. बालकृष्ण सहित प्रभावशाली राजनेताओं के समर्थन से इस योजना को अंजाम दिया। उन्होंने आगे आरोप लगाया यह भूमि, जिसे सरकारी पथरीली भूमि के रूप में वर्गीकृत किया गया है, कानूनी तौर पर निजी व्यक्तियों को नहीं बेची जा सकती। इसके बावजूद, बेंगलूरु साउथ तालुक के तहसीलदार दिनेश और राम लक्ष्मण, विशेष तहसीलदार गुरुराज और अन्य अधिकारियों ने इस घोटाले में सहयोग किया, फर्जी दस्तावेज तैयार किए और 15 दिनों के भीतर अनुरोधों पर कार्रवाई की, जो आम जनता द्वारा सामना की जाने वाली देरी के बिल्कुल विपरीत है। भ्रष्टाचार, जालसाजी, साजिश, धोखाधड़ी और सत्ता के दुरुपयोग के लिए बीएनएस 2023 के तहत लोकायुक्त के पास शिकायत दर्ज की गई है। रमेश ने आगे मांग की कि इस मामले की उच्च स्तरीय न्यायिक या सीआईडी जांच की जाए। उन्होंने आग्रह किया अंत में, भूमि की सुरक्षा के लिए तत्काल कदम उठाने का अनुरोध किया जाता है, जिसमें सुरक्षा बाड़ लगाना भी शामिल है, ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि इस सरकारी संपत्ति का एक इंच भी भूमि हड़पने वालों के हाथों में न जाए।

मालवाहक वाहन में लगी आग, बड़ा हादसा टला

उडुपी/शुभ लाभ ब्यूरो। जिले के हुडे में नारियल ले जा रहे एक मालवाहक वाहन में सोमवार देर रात आग लग गई, जिससे वाहन को काफी नुकसान पहुंचा। स्थानीय लोगों के अनुसार, आग बिजली के तार के संपर्क में आने से शॉर्ट सर्किट के कारण लगी। सौभाग्य से, फायर ब्रिगेड ने तुरंत प्रतिक्रिया दी और आग बुझाने में कामयाब रही, जिससे संभावित आपदा टल गई। घटना आवासीय क्षेत्रों, एक होटल और एक कैफे के पास हुई, जहां आग फैल सकती थी, जिससे गंभीर खतरा पैदा हो सकता था। अग्निशमन विभाग की त्वरित कार्रवाई के कारण आगे कोई दुर्घटना नहीं हुई। पुलिस घटना का निरीक्षण करने के लिए घटनास्थल पर पहुंची और आग के कारणों की जांच कर रही है।

राज्य सरकार मेडिकल माफिया की चपेट में: अशोक

बेलगावी/शुभ लाभ ब्यूरो। विपक्ष के नेता आर. अशोक ने विधानसभा में आरोप लगाया कि राज्य सरकार मेडिकल माफिया की चपेट में है। प्रारंभिक नोटिस का प्रस्ताव करते हुए उन्होंने कहा कि सरकारी अस्पतालों में खराब गुणवत्ता वाली दवाएं रखी जा रही हैं। वहां पर न तो शौचालय है न ही पर्याप्त डॉक्टर हैं। सरकार ड्रग माफिया के नियंत्रण में है। एक्सपायर्ड दवा का उपयोग करने की स्थिति लाई जा रही है। सैकड़ों लोग मर रहे हैं। बल्लारी और बेलगावी में मातृ मृत्यु हो रही हैं। मातृ मृत्यु से बचने की गारंटी दें। कई बच्चों की मौत भी हो गई। क्या हमें मातृ मृत्यु के लिए न्याय नहीं चाहिए? उन्होंने स्पीकर यूटी

खादर से अपील की कि वे इस मुद्दे पर चर्चा का मौका दें क्योंकि यह बहुत महत्वपूर्ण मुद्दा है। राज्य के सरकारी अस्पतालों में आपूर्ति की जाने वाली दवाएं घटिया गुणवत्ता की हैं। मेडिकल सप्लाई कॉरपोरेशन में दवाओं की गुणवत्ता जांचने की कार्यप्रणाली पर सवाल खड़ा हो गया है। गरीबों और जनता को बेहतर इलाज के लिए निजी अस्पतालों पर निर्भर रहना मजबूरी है। ऐसी स्थिति है कि बेंगलूरु के जयनगर विधानसभा क्षेत्र के कैंसर मरीज खुद ही दवाएं और इंजेक्शन लेते हैं। उन्होंने इस पर विस्तृत चर्चा की अनुमति देने का अनुरोध किया। इस पर प्रतिक्रिया देते हुए भाजपा विधायक सीएन अश्वथ नारायण ने कहा कि सरकार ने स्वास्थ्य सेवाओं की अनदेखी की है। उन्होंने मांग की कि लोगों को स्वास्थ्य गारंटी की भी जरूरत है। स्पीकर यूटी खादर ने कहा कि स्थायी आदेश के बदले नियम 69 पर आधे घंटे तक चर्चा की अनुमति दी जाएगी। अब उत्तरी कर्नाटक के विकास की चर्चा शुरू करते हैं। उन्होंने इस मुद्दे पर चर्चा की शुरुआत की।

नए विधायकों को भी नहीं मिली फंडिंग: बीवाई विजयेंद्र

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। विधायक बी.वाई विजयेंद्र, जो भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष भी हैं, ने बेलगावी के सुवर्ण सौधा में शीतकालीन सत्र के दौरान उत्तर कर्नाटक की समस्याओं के बारे में बोलते हुए आरोप लगाया कि पहली बार चुने गए विधायकों को विकास निधि नहीं मिल रही है। सभी विधायक, चाहे वे किसी भी दल से जुड़े हों, शिकायत कर रहे हैं कि उन्हें फंडिंग नहीं मिल रही है। उन्होंने मुख्यमंत्री से कम से कम अब जागने और पहली बार चुने गये विधायकों को पैसा देने का आग्रह किया। उत्तरी कर्नाटक में सिंचाई परियोजनाओं का स्थायी समाधान, गन्ना एवं गन्ना

उत्पादकों की समस्याओं का समाधान, युवा बेरोजगारी की समस्या, राज्य सरकार को शिक्षा, स्वास्थ्य एवं पेयजल की समस्या के समाधान पर अधिक ध्यान देना चाहिए। राज्य सरकार कैबिनेट की बैठक 17 सितंबर को हुई थी, जिसमें 11 हजार करोड़ रुपये की कार्ययोजना की घोषणा की गई है। लेकिन अभी तक पैसा जारी नहीं किया गया है और न ही किसी घोषणा पर अमल किया गया है। कृष्णा परियोजना के लिए किसान लगातार संघर्ष कर रहे हैं। कांग्रेस नेताओं ने चुनाव के दौरान हर साल 40 हजार करोड़ रुपये देकर योजना को पूरा करने का वादा किया था, जो पूरा नहीं हुआ।

उन्होंने आरोप लगाया कि अब तक बाढ़ग्रस्त इलाके के लिए कोई उचित पुनर्वास योजना नहीं बनायी गयी है। तोगारी कलबुर्गी क्षेत्र में छह हजार एकड़ में उगाई जाती है। फसल बर्बाद हुआ और मुआवजा नहीं मिला। फसल का सर्वे तक नहीं कराया गया। अथानी में बीज की अच्छी बुआई नहीं होने से किसानों को नुकसान हो रहा है। भद्रा जलाशय का 19वां क्रस्ट गेट टूटने से काफी पानी बह गया। किसान चिंतित थे। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार को कम से कम अब जागना चाहिए और शेष क्रस्ट गेटों को अच्छी स्थिति में बनाए रखना चाहिए। प्रदेश की कांग्रेस सरकार द्वारा जलजीवन मिशन परियोजना की अनदेखी की जा रही है। भाजपा सरकार के दौरान तीसरे नंबर पर रहने वाला कर्नाटक अब 26वें नंबर पर आ गया है। परियोजना में तेजी लाने के लिए कार्रवाई की जानी चाहिए। ग्रामीण परिवहन सुविधा के लिए अधिक बसें उपलब्ध कराई जाएं। उन्होंने मांग की कि बेलगावी में शीतकालीन सत्र साल में तीन सप्ताह के लिए आयोजित किया जाना चाहिए।

दक्षिण कन्नड़ उडुपी में सर्दी बढ़ी

मेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। दक्षिण कन्नड़ और उडुपी के तटीय जिलों में सोमवार सुबह सर्दी में उल्लेखनीय वृद्धि देखी गई, जिसके बाद दिन में तापमान में वृद्धि हुई।

10 दिनों के अंतराल के बाद क्षेत्र में ठंड का मौसम तेज हो गया, साथ ही कुछ ग्रामीण इलाकों में सुबह के समय कोहरा भी छाया रहा। सोमवार को मेंगलूरु में अधिकतम तापमान 32.4 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जबकि न्यूनतम तापमान 21.1 डिग्री सेल्सियस तक गिर गया। भारतीय मौसम विज्ञान विभाग ने फिलहाल शुष्क मौसम का अनुमान लगाया है, बारिश की कोई उम्मीद नहीं है।

आईएमडी ने बंगाल की खाड़ी में कम दबाव वाले क्षेत्र के विकास की भी सूचना दी। हालांकि इसके चक्रवात में बदलने की संभावना कम है, लेकिन इस सिस्टम के कारण तमिलनाडु में काफी बारिश होने की उम्मीद है।

ड्रग रैकेट चलाने के आरोप में एक विदेशी नागरिक गिरफ्तार

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। पुलिस ने मंगलवार को बताया कि शहर में कथित तौर पर ड्रग रैकेट चलाने के आरोप में एक विदेशी नागरिक को बेंगलूरु में गिरफ्तार किया गया है। केंद्रीय अपराध शाखा (सीसीबी) ने उसके कब्जे से 12 किलोग्राम प्रतिबंधित एमडीएमए क्रिस्टल जब्त किए हैं, जिसकी अनुमानित कीमत 24 करोड़ रुपये है। सीसीबी नारकोटिक्स कंट्रोल स्क्वॉड ने बताया कि आरोपी केआर पुरम पुलिस स्टेशन के अधिकार क्षेत्र के तहत टीसी पाल्या में रह रही थी। वह विदेशी नागरिकों के लिए एक दुकान चला रही थी। हालांकि, उस पर

उत्पाद बेचने की आड़ में नशीले पदार्थों की तस्करी में शामिल होने का आरोप था। सीसीबी टीम ने आगे बताया कि उन्होंने एक विश्वसनीय सूचना के आधार पर उस स्थान पर छापा मारा और उसे हिरासत में लिया। बेंगलूरु के पुलिस आयुक्त बी दयानंद ने कहा कि यह बेंगलूरु और कर्नाटक में सबसे बड़ी बरामदगी में से एक है। दयानंद ने कहा सीसीबी की नारकोटिक्स कंट्रोल विंग ने एमडीएमए क्रिस्टल ड्रग नेटवर्क का सफलतापूर्वक भंडाफोड़ किया है। यह एक अंतरराष्ट्रीय नेटवर्क है। उन्होंने 12 किलोग्राम शुद्ध सफेद और पीले रंग का एमडीएमए बरामद किया है। इसकी कुल कीमत लगभग 24 करोड़ रुपये है। यह बेंगलूरु और कर्नाटक में सबसे बड़ी बरामदगी में से एक है। सीसीबी की नारकोटिक्स कंट्रोल विंग को सूचना मिली थी कि एक विदेशी नागरिक अपनी दुकान के साथ-साथ अवैध गतिविधियों में भी शामिल है। दयानंद ने कहा इसके साथ ही वह अवैध ड्रग्स भी बेच रही थी। सीसीबी नारकोटिक्स टीम ने उसे गिरफ्तार करने के बाद उससे पूछताछ की, जानकारी हासिल की और 12 किलोग्राम ड्रग्स जब्त की। हम सप्लायर की तलाश कर रहे हैं।

मुडा घोटाले और आंतरिक आरक्षण को लेकर भाजपा और कांग्रेस में टकराव

बेलगावी/शुभ लाभ ब्यूरो। कर्नाटक में आंतरिक आरक्षण और कथित भूमि आवंटन घोटाले के मुद्दों पर कांग्रेस और भाजपा नेताओं के बीच तनाव बढ़ गया है। कांग्रेस नेता बीके हरिप्रसाद ने भाजपा अध्यक्ष बीवाई विजयेंद्र की मुडा घोटाले पर मांगों पर तीखी प्रतिक्रिया व्यक्त की, उनके रुख को चुनौती दी। उन्होंने कहा विजयेंद्र को आरएसएस और संघ परिवार को आवंटित भूमि की जांच के लिए पूछना चाहिए। उन्होंने यह जमीन किस कीमत पर ली है? भूमि आवंटन की ओर ध्यान केंद्रित करते हुए, उन्होंने कहा जांच की आवश्यकता है। विजयेंद्र ने पहले भूमि अनियमितताओं के बारे में सवाल उठाते हुए कथित मुडा घोटाले पर कार्रवाई की मांग की थी। हालांकि, हरिप्रसाद ने भाजपा के दक्षिणपंथी समूहों के साथ संबंधों पर ध्यान केंद्रित करना चुना और उनके भूमि सौदों की अधिक जांच की मांग की। जब हरिप्रसाद ने सुप्रीम कोर्ट के फैसले का भी संदर्भ दिया, तो बहस आंतरिक आरक्षण के मुद्दे पर आ गई। उन्होंने कहा सुप्रीम कोर्ट ने आंतरिक आरक्षण के लिए निर्देश दिया है। कोई भी इससे बच नहीं सकता। इसे लागू किया जाना चाहिए। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि यह निर्णय राज्य के लिए कानूनी रूप से बाध्यकारी है। इससे पहले, भाजपा नेता सीटी रवि ने चल रहे विवाद पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा सुप्रीम कोर्ट ने आंतरिक आरक्षण पर फैसला सुनाया है कि राज्य सरकारों को इस पर फैसला लेना है। हमने मधुस्वामी रिपोर्ट को लागू किया जिसके तहत हमने हर समुदाय को न्याय दिया। उन्होंने आगे आयोगों की मांग को कमतर आंकते हुए कहा लोग न्यायमूर्ति सदाशिव आयोग नहीं चाहते। हमारी एक ही मांग है कि आंतरिक सरकार आरक्षण दे और मधुस्वामी रिपोर्ट का समर्थन करें।

कोर्ट ने विजयेंद्र के खिलाफ धन शोधन मामले में दर्ज प्राथमिकी को किया खारिज

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। कर्नाटक उच्च न्यायालय ने मंगलवार को तत्कालीन उपाध्यक्ष और वर्तमान भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष बी वाई विजयेंद्र के खिलाफ दर्ज प्राथमिकी को खारिज कर दिया, जिन पर चुनावी बॉन्ड की आड़ में कथित तौर पर धन उगाही करने का आरोप था। केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण इस मामले में अन्य लोगों के साथ सह-आरोपी हैं। न्यायालय ने 30 सितंबर को इस मामले से संबंधित केंद्रीय वित्त मंत्री के खिलाफ जांच पर रोक लगा दी थी।

बेंगलूरु के आसपास उपयुक्त स्थान पर दूसरे अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे का होगा निर्माण: एमबी पाटिल

बेलगावी/शुभ लाभ ब्यूरो। बड़े और मध्यम उद्योग मंत्री एमबी पाटिल ने विधान परिषद में कहा कि सरकार जनता और उद्योगपतियों के हित को ध्यान में रखते हुए राजधानी बेंगलूरु के आसपास उपयुक्त स्थान पर एक अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा बनाएगी। जेडीएस के जावराई गौड़ा के एक सवाल का जवाब देते हुए उन्होंने कहा हमने बेंगलूरु में दूसरे अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे के निर्माण के लिए 3 से 4 स्थलों की पहचान की है। 4 बैठकें हो चुकी हैं।

उन्होंने कहा कि नये हवाईअड्डे का निर्माण बढ़ते बेंगलूरु को ध्यान में रखते हुए जनता और व्यापारियों के हित को ध्यान में रखकर किया जायेगा। आईडीईसी को दूसरे अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे के निर्माण पर अध्ययन करने और रिपोर्ट देने का निर्देश दिया गया है। उन्होंने कहा कि यह संस्था अगले एक

सप्ताह में काम की रिपोर्ट देगी। सरकार इस रिपोर्ट को स्वीकार कर एयरपोर्ट अथॉरिटी ऑफ इंडिया को भेजेगी। फिर वहां के अधिकारी वहां का दौरा करेंगे और उन जगहों की जांच करेंगे जिन्हें हमने चिन्हित किया है। उन्होंने स्पष्ट किया कि यदि कोई निश्चित स्थान चिन्हित किया जाता है तो सरकार उस पर कैबिनेट बैठक में चर्चा कर अंतिम निर्णय लेगी। यदि हमें एक अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा बनाना है, तो हमें तकनीकी व्यवहार्यता, हवाई अड्डे से जुड़ने वाली सड़कें, पहाड़ी क्षेत्र, कनेक्टिंग रोड, रेल, मेट्रो रेल कनेक्शन, उपयोगकर्ताओं के लिए स्टेशन तक पहुंचने का स्थान और समय को ध्यान में रखना होगा। भूमि अधिग्रहण अचानक नहीं किया जा सकता। स्थान फाइनल होते ही हम एक अधिसूचना जारी करेंगे। 2033 तक देवनहल्ली के केम्पेगौड़ा अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे पर जनसंख्या घनत्व बढ़ जाएगा। मंत्री ने इस बात पर जोर दिया कि विकल्प के तौर पर दूसरे अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे का निर्माण किया जाना चाहिए।

शक्ति योजना के तहत 1,800 करोड़ रुपये की प्रतिपूर्ति लंबित

31 दिसंबर से अनिश्चितकालीन हड़ताल की योजना

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। कर्नाटक सरकार पर महिलाओं की मुफ्त बस यात्रा योजना, शक्ति के लिए अपने चार सड़क परिवहन निगमों (आरटीसी) का लगभग 1,800 करोड़ रुपये बकाया है। बकाया राशि में 2023-24 के लिए 1,180.62 करोड़ रुपये और नवंबर तक चालू वित्त वर्ष के लिए 579.19 करोड़ रुपये शामिल हैं। 11 जून, 2023 को शुरू की गई यह योजना रविवार को 350 करोड़ लाभार्थियों के नए मील के पत्थर तक पहुँचते हुए एक धमाकेदार सफलता रही है। प्रमुख गारंटी के लिए प्रतिपूर्ति में देरी, साथ ही बस किराए में वृद्धि न करने को आरटीसी की अनिश्चित वित्तीय स्थिति के लिए जिम्मेदार ठहराया गया है। आरटीसी कर्मचारियों ने वेतन वृद्धि और 38 महीने के बकाया की मांग करते हुए 31 दिसंबर से अनिश्चितकालीन हड़ताल की घोषणा की है। योजना के तहत पूर्ण भुगतान में दो अड़चनें लग रही हैं। सरकार बजटीय आवंटन के आधार पर धनराशि जारी करती है, लेकिन वह उम्मीद करती है कि आरटीसी केवल वृद्धिशील व्यय के अनुसार

प्रतिपूर्ति का दावा करेगी। एक उच्च पदस्थ सरकारी अधिकारी ने कहा कि योजना की लोकप्रियता ने आरटीसी की औसत दैनिक सवारियों की संख्या 85 लाख से बढ़ाकर 1.16 करोड़ कर दी है। आरटीसी अधिक यात्राएं कर रहे हैं और डीजल और अन्य ओवरहेड्स पर अतिरिक्त लागत उठाए बिना अधिक यात्रियों को ले जा रहे हैं। इसके परिणामस्वरूप, सरकार ने उन्हें केवल वृद्धिशील व्यय का दावा करने के लिए कहा है, जिसके लिए एक सूत्र तैयार किया जाना है। दूसरा, सरकार आरटीसी को नए वाहनों के लिए कर में छूट देती है। इसने 2023-24 में 580 करोड़ रुपये खर्च किए और इस वित्तीय वर्ष में 500-600 करोड़ रुपये का भुगतान करेगी। अधिकारी ने कहा कि इन कर छूटों को भी योजना की लागत का हिस्सा माना जाना चाहिए। एक अधिकारी ने नाम न छापने की शर्त पर कहा कि बहुत अधिक बकाया नहीं है। अधिकारी ने बताया हमने इस साल के बजट में 5,800 करोड़ रुपये आवंटित किए हैं और मासिक भुगतान जारी कर रहे हैं। आरटीसी को सूचित किया गया है कि उन्हें बजट के अनुसार प्रतिपूर्ति की जाएगी। कुछ मतभेद हो सकते हैं, जिन्हें सुलझाना होगा। लाभार्थियों के लिए स्मार्ट कार्ड शुरू करने से लीकेज दूर होने और व्यय पर स्पष्टता आने की उम्मीद है। सरकार तीन स्रोतों से शक्ति योजना को वित्तपोषित करती है, सामान्य निधि (वित्तीय सहायता), अनुसूचित जाति उप योजना और अनुसूचित जनजाति उप योजना। एक सूत्र ने कहा कि वर्तमान बजटीय आवंटन शक्ति योजना व्यय को पूरी तरह से कवर करने के लिए अपर्याप्त है। हमने सरकार से अधिक धनराशि का अनुरोध किया, लेकिन हमें अगले बजट तक इंतजार करने के लिए कहा गया है। आरटीसी का यह भी तर्क है कि वाहन कर में छूट को शक्ति योजना के साथ नहीं जोड़ा जाना चाहिए, क्योंकि बस किराए में कई वर्षों से बढ़ोतरी नहीं की गई है।

राज्यसभा में जेपी नड्डा ने कांग्रेस पर किया जोरदार प्रहार

आपातकाल देश बचाने के लिए नहीं बल्कि कुर्सी बचाने के लिए था

नई दिल्ली, 17 दिसंबर (एजेंसियां)। राज्यसभा में मंगलवार को संविधान पर बहस हुई। इस दौरान केंद्रीय मंत्री जेपी नड्डा ने कांग्रेस पर आपातकाल समेत कई मुद्दों को लेकर जमकर हमला बोला। साथ ही कहा कि भारत न केवल सबसे बड़ा लोकतंत्र है, बल्कि यह लोकतंत्र की जननी भी है।

नड्डा ने कहा, हम जो त्यौहार मनाते हैं, वह एक प्रकार से संविधान के प्रति हमारे समर्पण, संविधान के प्रति हमारी प्रतिबद्धता को मजबूत करता है। मुझे विश्वास है कि हम इस अवसर का सदुपयोग कर राष्ट्रीय लक्ष्य को पूरा करेंगे। हम सभी जानते हैं कि भारत सबसे बड़ा लोकतंत्र है, लेकिन जैसा कि हमारे प्रधानमंत्री ने कहा कि यह न केवल सबसे बड़ा लोकतंत्र है, बल्कि यह लोकतंत्र की जननी भी है। उन्होंने कहा, जब हम संस्कृति की बात करते हैं तो कई बार लोग यह महसूस करते हैं कि हम प्रगतिशील नहीं हैं। मैं उनका ध्यान इस ओर दिलाना चाहता हूं कि संविधान की मूल प्रति में अजंता और एलोरा की गुफाओं की भी छाप थी। हम उस पर कमल की छाप भी देखते हैं। कमल इस बात को दर्शाता है कि कीचड़ और दलदल से बाहर आने और आजादी के लिए लड़ने के बाद, हम एक नई सुबह और नए संविधान के साथ खड़े होने के लिए तैयार हैं। इसलिए हमारा संविधान भी कमल से हमें यह प्रेरणा देता है कि तमाम परेशानियों के बावजूद हम लोकतंत्र को मजबूत करने में कोई कसर नहीं छोड़ेंगे।

उन्होंने कहा, तत्कालीन गृह मंत्री सरदार पटेल को देश को एकजुट करने का काम दिया गया था और मुझे बहुत खुशी हुई कि लंबे समय के बाद मैंने कांग्रेस की तरफ से भी सरदार वल्लभभाई पटेल का नाम सुना। उन्होंने 562 रियासतों का विलय किया और जम्मू-कश्मीर को तत्कालीन प्रधानमंत्री के सुपुर्द कर दिया। आपातकाल लगाए जाने के अगले साल 50 साल हो जाएंगे। हम लोकतंत्र विरोधी दिवस मनाएंगे। भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस को इसमें शामिल होना चाहिए और लोगों से अपील करनी चाहिए कि आपातकाल के दौरान 50 वर्षों तक लोकतंत्र का गला घोंटने का कुटिल प्रयास किया गया था। अगर आपके दिल में उनके लिए कहीं भी दया है, अगर आपके दिल में कहीं भी पछतावा है, तो मैं आपसे अपील करता हूं कि आप 25 जून 2025 को लोकतंत्र विरोधी दिवस में जरूर शामिल हों।

उन्होंने यह भी कहा, आपातकाल क्यों लगाया गया? क्या देश खतरे में था? नहीं, देश खतरे में नहीं था। कुर्सी खतरे में थी। यह केवल कुर्सी के बारे में था। इसके चलते पूरा देश अंधेरे में डूब गया। उन्होंने कहा, अनुच्छेद 370 में, 35ए को 1954 में राष्ट्रपति के आदेश के माध्यम से लाया गया था और 35ए को राष्ट्रपति का दर्जा दिया गया था, वह भी संसद में बहस के बिना। आजकल लोकतंत्र के बारे में बहुत चर्चा होती है, लेकिन आप राष्ट्रपति के आदेश के माध्यम से अनुच्छेद 370 में 35ए लाते हैं और आप इस पर बहस भी नहीं करते हैं। अनुच्छेद 35ए में यह परिभाषित किया गया है कि जम्मू और कश्मीर का नागरिक कौन होगा। केवल उन लोगों को नागरिक माना जाएगा जो 1944 से पहले रहते थे। उन्होंने कहा, एक काम प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू को दिया गया था और हम सभी ने इसे पिछले दरवाजे से अनुच्छेद 370 और 35ए के रूप में देखा था। पीओके से आए शरणार्थी इसके नागरिक नहीं बन सके। अनुच्छेद 370 के प्रभाव पर कभी चर्चा नहीं की गई। भारतीय संसद द्वारा पारित 106 कानून जम्मू-कश्मीर में लागू नहीं होते थे, जिसमें अत्याचार निवारण अधिनियम, मानवाधिकार अधिनियम शामिल हैं। आपको जानकर हैरानी होगी कि पॉक्सो को जम्मू-कश्मीर में लागू नहीं किया गया था।

श्रीलंका के राष्ट्रपति दिसानायके पहुंचे बोधगया

दिसानायके ने महाबोधि मंदिर में की पूजा-अर्चना

बोधगया, 17 दिसंबर (एजेंसियां)। तीन-दिवसीय भारत दौरे पर आएंगे श्रीलंका के राष्ट्रपति अनुरा कुमारा दिसानायके मंगलवार को परिभ्रमण के लिए बोधगया पहुंचे। महाबोधि सोसायटी के सदस्यों ने उनका जोरदार स्वागत किया। इस दौरान गया के डीएम और एसएसपी समेत कई आलाधिकारी मौजूद थे।

स्वागत के बाद राष्ट्रपति महाबोधि मंदिर पहुंचे और भगवान बुद्ध की दर्शन कर विशेष पूजा अर्चना की। इस दौरान सुरक्षा की कड़ी व्यवस्था की गई थी।

श्रीलंका के राष्ट्रपति दिसानायके के आगमन को लेकर जिला

पुलिस अलर्ट थी। एयरपोर्ट से लेकर महाबोधि मंदिर तक चप्पे-चप्पे पर अतिरिक्त पुलिस बल तैनात की गई थी। उनके आगमन से पहले ही एयरपोर्ट से लेकर बोधगया सड़क मार्ग को आम लोगों के लिए बंद कर दिया गया था। श्रीलंका के राष्ट्रपति अनुरा कुमारा दिसानायके भारत की तीन दिनों की अधिकारिक यात्रा पर हैं। सितंबर माह में पदभार संभालने के बाद उनकी पहली विदेश यात्रा है। बोधगया आने से पहले दिल्ली में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू, पीएम नरेंद्र मोदी समेत कई दिग्गज नेताओं से मुलाकात कर चुके हैं।

अमृतसर के इस्लामाबाद थाने में बम धमाका

आतंकी संगठन बब्बर खालसा ने ली जिम्मेदारी

अमृतसर, 17 दिसंबर (एजेंसियां)। पंजाब में अमृतसर के इस्लामाबाद पुलिस थाने में मंगलवार तड़के बम धमाका हुआ। पुलिस और सेना ने फौरन ही पूरे इलाके को सील कर दिया और छानबीन शुरू कर दी। यहां पहले भी धमाका हो चुका है। पंजाब पुलिस इस घटना पर आधिकारिक रूप से कुछ नहीं बोल रही है। आतंकी संगठन बब्बर खालसा ने जीवन फौजी के नाम से सोशल मीडिया पर पोस्ट डालकर धमाके की जिम्मेदारी ली है। धमाके की जिम्मेदारी लेने वाला जीवन फौजी खालिस्तानी आतंकी हैप्पी पासियां का साथी है। यह धमाका सुबह करीब सवा तीन बजे हुआ।

धमाका उस स्थान पर किया गया जहां जब्त की गई गाड़ियां खड़ी थीं। धमाके की आवाज इतनी तेज थी कि आसपास के घरों की खिड़कियों के शीशे टूट गए। इससे घबराकर नींद से जागे लोग बाहर निकल आए। चारों तरफ अफरा तफरी मच गई। पुलिस ने आला अधिकारियों को सूचित किया। सीमावर्ती क्षेत्र होने के कारण सेना के अधिकारी भी पहुंच गए। पुलिस ने पूरे क्षेत्र को सील कर कर थाने के दरवाजे बंद कर दिए गए। अमृतसर के पुलिस आयुक्त गुरप्रीत सिंह भुल्लर, बम निरोधक दस्ता और एफएसएल टीम ने भी घटनास्थल का दौरा किया। करीब छह घंटे बाद थाने के दरवाजे खोले गए। भुल्लर ने कहा कि प्राथमिक जांच में पता चला है कि अपनी पकड़ दिखाने के चक्कर में ये ब्लास्ट करवाए जा रहे हैं। जांच में अहम सुराग हाथ लगा है। जल्द ही आरोपितों को गिरफ्तार कर लिया जाएगा। थाने को कोई नुकसान नहीं हुआ है।

वर्ष 2024 कश्मीर का सबसे अधिक सूखे वाला साल रहा

जम्मू, 17 दिसंबर (ब्यूरो)। कश्मीर में 2024 सबसे शुष्क वर्षों में दर्ज होने वाला है। इसमें वार्षिक वर्षा की कमी 45 प्रतिशत से अधिक हो गई है। इसकी तुलना में, पिछले वर्ष, इस क्षेत्र में 21.60 प्रतिशत की कमी हुई थी। श्रीनगर में मौसम विभाग द्वारा मुहैया करवाए गए आंकड़ों के अनुसार, कश्मीर वादी में लगातार शुष्क मौसम का अनुभव हो रहा है, खासकर वर्ष के उत्तरार्ध में। एक अक्टूबर से 12 दिसंबर तक, इस क्षेत्र में बारिश और बर्फबारी में 86.34 प्रतिशत की महत्वपूर्ण कमी आई है। जनवरी और फरवरी 2024 के आंकड़े बताते हैं कि 48.04 प्रतिशत वर्षा की कमी हुई है। इन्हीं आंकड़ों से वता चलता है कि 1 जून से 30 सितंबर तक, क्षेत्र में 45.11 प्रतिशत कम वर्षा हुई। हालांकि पिछले साल इसी अवधि में, कमी केवल 12.25 प्रतिशत थी। हालांकि, जून से दिसंबर तक स्थिति नाटकीय रूप से खराब हो गई, इस अवधि के दौरान बेहद कम वर्षा दर्ज की गई। आंकड़ों के अनुसार, 2024 के लिए कुल वर्षा की कमी 45.05 प्रतिशत है, जबकि पिछले साल यह केवल 14.77 प्रतिशत थी। श्रीनगर में मौसम विभाग के वैज्ञानिक अधिकारी फारूक अहमद ने कम वर्षा के लिए विभिन्न कारकों को जिम्मेदार ठहराया, जिसमें भूमध्य सागर और काला सागर से हवा के पैटर्न में बदलाव शामिल हैं, जो कश्मीर में बारिश और बर्फबारी लाने वाले पश्चिमी विक्षोभ के लिए महत्वपूर्ण स्रोत हैं। वे कहते थे कि दोनों समुद्र (भूमध्य सागर और काला सागर) वे स्थान हैं जहां पश्चिमी विक्षोभ उत्पन्न होते हैं। तेज हवा के पैटर्न और उचित नमी की अनुपस्थिति में, पश्चिमी विक्षोभ कमजोर हो जाते हैं। समुद्र से, पश्चिमी विक्षोभ ईरान, अफगानिस्तान, पाकिस्तान की यात्रा करते हैं और फिर कश्मीर में प्रवेश करते हैं। इस सवाल पर कि क्या कश्मीर में रिकार्ड पर सबसे सूखा मौसम (अक्टूबर से दिसंबर) होगा, अहमद ने पुष्टि की कि बारिश और बर्फबारी में काफी कमी को देखते हुए, इस मौसम को शायद अब तक के सबसे सूखे मौसम के रूप में याद किया जाएगा। हालांकि, उन्होंने कहा कि अब सभी की नजरें सर्दियों पर हैं। मौजूदा मौसम पूर्वानुमान के अनुसार 20 दिसंबर तक कश्मीर में कोई खास बारिश नहीं होगी, 21 और 22 दिसंबर को अलग-अलग जगहों पर हल्की बर्फबारी की उम्मीद है। जबकि स्वतंत्र मौसम पूर्वानुमानकर्ता फैजान आरिफ, जो अपनी सटीक भविष्यवाणियों के लिए जाने जाते हैं, ने कहा कि पश्चिमी विक्षोभ एक महत्वपूर्ण कारक है, लेकिन जलवायु परिवर्तन भी लंबे समय तक सूखे के लिए जिम्मेदार है।

उत्तराखंड सरकार सांसत में, कोई जवाब नहीं दे रहा

देवभूमिक में दो हजार से 5183 कैसे हो गई वक्फ सम्पत्ति?

देहरादून, 17 दिसंबर (एजेंसियां)। क्या कांग्रेस सरकार के शासनकाल में उत्तराखंड की डेमोग्राफी बदलने की पूरी योजना बनाई गई? क्या इसकी स्क्रिप्ट देवबंद और जमीयत दिल्ली मुख्यालय में लिखी गई? ऐसे कई सवाल उत्तराखंड में हो रहे जनसंख्या असंतुलन के साथ जुड़े हैं। प्रदेश में वक्फ सम्पत्तियां 2 हजार से बढ़कर 5183 हो गईं। सरकारी जमीनों पर मस्जिद, मजार बनाकर उसे वक्फ बोर्ड में रजिस्टर करवा दिया गया।

2015 के हरीश रावत सरकार के समय यहां मलिन बस्तियों को रेगुलाइज करने की तैयारी शुरू हुई थी 2016 में इसके लिए अध्यादेश लाया गया, इसी दौरान कांग्रेस सरकार चली गई और भाजपा सरकार ने इसके नियमितीकरण पर रोक लगा दी। रोक लगाने के पीछे कारण कोई भी बताए गए हो। लेकिन सबसे बड़ा कारण यहां मलिन बस्तियों में राजनीतिक संरक्षण में बसाए गए बाहरी प्रदेशों के मुस्लिम वोटर थे जिनसे कांग्रेस को नहीं भाजपा को हमेशा से खतरा रहा, क्योंकि ये वोट भाजपा को नहीं पड़ते है। ये तो थी मलिन मस्तियों के वोट बैंक की बात।

अब वक्फ बोर्ड की सम्पत्तियों को लेकर बहस छिड़ी हुई है, कि आखिर राज्य बनने के दौरान से लेकर अब तक इनमें ढाई गुना की वृद्धि कैसे हो गई ? वक्फ का मतलब दान में दी गई सम्पत्ति से होता है, तो क्या वक्फ बोर्ड को ये सम्पत्तियां दान में मिली? मिली तो किसने दी? कैसे दी? किन हालात में दी? इस सवाल का जवाब कोई नहीं दे रहा। संभवतः इस सवाल का जवाब शासन स्तर से वक्फ बोर्ड से पूछा ही नहीं गया होगा।

हाल ही में नैनीताल की मस्जिद को लेकर विवाद उठा जिसमें वक्फ बोर्ड से जानकारी दी गई ये सम्पत्ति वक्फ बोर्ड में दर्ज है? लेकिन, इसके क्षेत्रफल की जानकारी उसके पास नहीं है। अब संदेह यहीं से पैदा होता है कि वक्फ बोर्ड के पास पंजीकरण तो है, पंजीकरण से पूर्व इसके भू-संबंधी दस्तावेज किसी नाम थे? किसने दान में दी? ये

जानकारी सार्वजनिक नहीं की जा रही है। इन सवालों का जवाब आर टी आई एक्टिविस्ट एडवोकेट नितिन कार्की भी मांग रहे हैं। मुस्लिम वोट बैंक के खेल में देवभूमि में संवेदनशील स्थानों पर रातों रात अवैध मजारें बना दी गई। मस्जिदें और मदरसे खड़े कर दिए गए। अब पुष्कर सिंह धामी सरकार ने अवैध मजारों, मस्जिदों और मदरसों पर शिकंजा कसा तो पता चला कि विशुद्ध रूप से सनातनियों के देवों की भूमि उत्तराखंड में 5000 से ज्यादा वक्फ बोर्ड की सम्पत्तियां घोषित कर दी गई।

यह सारा खेल हरीश रावत की कांग्रेस सरकार के समय हुआ इसलिए अब देवभूमि उत्तराखंड में डेमोग्राफी चेंज हो रही है, मुस्लिम आबादी के साथ वक्फ बोर्ड की सम्पत्तियों में भी अप्रत्याशित वृद्धि हो रही है। जो इस बात का सबूत है कि राज्य में बढ़ती मुस्लिम आबादी भविष्य में राजनीतिक, सामाजिक और धार्मिक समस्या पैदा करने जा रही है। वक्फ बोर्ड के आंकड़े बताते हैं कि उसके रिकार्ड में 5000 से ज्यादा वक्फ सम्पत्तियां दर्ज हैं। इनके अलावा भी सैकड़ों सम्पत्तियां ऐसी है जो रेलवे, वन विभाग, सिंचाई विभाग और राजस्व विभाग की जमीनों पर अवैध कब्जा कर बनाई हुई है लेकिन उनका उल्लेख वक्फ बोर्ड के रिकार्ड में अभी दर्ज नहीं हैं। लेकिन भविष्य में इन्हें भी वक्फ सम्पत्ति घोषित किया जा सकता है। इनमें मस्जिदें, मदरसे और मजारें शामिल है। उत्तराखंड में भाजपा सरकार के रहते भले ही वक्फ बोर्ड इन्हें रिकार्ड में दर्ज नहीं कर पा रहा हो, लेकिन जिस दिन कांग्रेस की सरकार उत्तराखंड में होगी उस वक्त वक्फ सम्पत्तियों में किस तेजी से वृद्धि होगी इसकी कल्पना 5000 वक्फ सम्पत्तियों के रिकार्ड को समझ कर की जा सकती है।

देवभूमि उत्तराखंड के वक्फ बोर्ड ने केंद्रीय वक्फ बोर्ड के सामने राज्य में 5183 सम्पत्तियों का ब्यौरा प्रस्तुत किया है, इसके अलावा 205 सम्पत्तियों के मामले स्थानीय न्यायालयों में विचाराधीन होने की बात कही जा रही है। यानी 21 वर्षों में वक्फ बोर्ड की सुंपत्तियां दोगुनी हो गई हैं क्योंकि जब 2003 में जब उत्तराखंड में नारायण दत्त तिवारी के नेतृत्व वाली कांग्रेस थी तब पहली बार उत्तराखंड वक्फ बोर्ड का गठन हुआ था। उस समय वक्फ बोर्ड के पास 2078 सम्पत्तियां थी। ये सम्पत्तियां भी यूपी वक्फ बोर्ड से उत्तराखंड वक्फ बोर्ड को विरासत में मिली थी। इनमें से 450 फाइल यूपी से उत्तराखंड पहुंची ही नहीं थी। उत्तराखंड वक्फ बोर्ड की सम्पत्ति सूची में मस्जिद से अधिक कब्रिस्तानों की संख्या है। पहाड़ी जिलों में चमोली में 1, रुद्रप्रयाग में 1 टिहरी में 4, पौड़ी में 10, उत्तरकाशी में 1 बागेश्वर में 3, चंपावत में 6, अल्मोड़ा में 6 पिथौरागढ़ में 3 मस्जिदें और इनसे ज्यादा कब्रिस्तान होने की जानकारी सामने आई है।

नैनीताल जिले में 48 मस्जिदें, ऊधमसिंह नगर में 144, हरिद्वार जिले में सबसे अधिक 322, देहरादून जिले में 155 मस्जिदें हैं, जो कि उत्तराखंड वक्फ बोर्ड में पंजीकृत की गई हैं। सुदूर पहाड़ी जिलों में भी वक्फ बोर्ड की औकाफ (दान में दी गई) सम्पत्तियों की जानकारी सामने आ रही है। उत्तराखंड में 2105 औकाफ सम्पत्तियां हैं, जिनमें अल्मोड़ा जिले में 46, पिथौरागढ़ जिले में 11, पौड़ी में 26, सबसे अधिक हरिद्वार में 865, ऊधमसिंह नगर में 499 और देहरादून में 435 सम्पत्तियों पर वक्फ बोर्ड का अपना दावा है। पूरे उत्तराखंड में 773 स्थानों पर कब्रिस्तान बना दिए गए हैं, जबकि 704 मस्जिदों को वक्फ बोर्ड के अधीन बताया गया है। उत्तराखंड में वक्फ बोर्ड की सूची से बाहर अभी इतनी ही और मस्जिदों के और होने की सूचनाएं सरकार के पास हैं।

उत्तराखंड वक्फ बोर्ड के रिकार्ड में 100 मदरसे भी देवभूमि में चल रहे हैं। जबकि, मदरसा बोर्ड की सूची में चार सौ से ज्यादा मदरसे दर्ज हैं। राज्य के भीतर 201 से अधिक मजारें वक्फ बोर्ड में सूचीबद्ध है। बताया जाता है कि अब मजारों में नमाज भी पढ़ाई जा रही है। जिन्हें धीरे-धीरे मस्जिद और फिर मदरसे का रूप ले लिया है। वक्फ बोर्ड की सम्पत्तियों में पूरे राज्य में 12 स्कूल और इतने ही मुसाफिरखाने पंजीकृत है, सूची में 1024 मकान और 1711 दुकानें भी हैं। 70 ईद गाह, 32 इमामबाड़े, 112 कृषि भूमि प्लाट और अन्य 253 सम्पत्तियां है। ऐसा माना जा रहा है कि वक्फ बोर्ड की कई सम्पत्तियों पर प्रभावशाली और भू माफिया का कब्जे है। उत्तराखंड वक्फ बोर्ड की स्थापना 2003 में हुई थी, तब वक्फ बोर्ड की सम्पत्तियों की संख्या 2078 के आसपास बताई गई थी। इनमें से 450 सम्पत्तियों की फाइलें यूपी से अभी तक उत्तराखंड वक्फ बोर्ड को नहीं दी है और ये विषय, एक विवाद के रूप में केंद्र सरकार तक पहुंचा हुआ है। ऐसा माना जा रहा है कि देवभूमि उत्तराखंड में पिछले 21 वर्षों में वक्फ बोर्ड की सम्पत्तियों की संख्या दो गुना से अधिक हो गई है। जो इस बात को प्रमाणित करता है कि देवभूमि उत्तराखंड में मुस्लिम आबादी में बेतहाशा वृद्धि हुई है।

अभी ये आंकड़े ऐसे है जो कि वक्फ बोर्ड में दर्ज हैं। जबकि बड़ी संख्या में मुस्लिम धार्मिक स्थल, मदरसे अभी ऐसे भी हैं जो वक्फ बोर्ड में दर्ज नहीं हैं और वे सरकारी जमीनों को घेरकर या अवैध कब्जे कर बनाए गए हैं।

वक्फ बोर्ड की सम्पत्तियों को लेकर भी संशय है कि क्या वो वास्तव में वक्फ बोर्ड की सम्पत्ति है, अथवा उत्तराखंड सरकार की सम्पत्ति है? बहरहाल देवभूमि उत्तराखंड में वक्फ सम्पत्तियों का तेजी से बढ़ना चिंता का विषय है, राज्य में डेमोग्राफी चेंज को लेकर बहस छिड़ी हुई है। वक्फ सम्पत्तियों के बढ़ रहे आंकड़े भी इसी और संकेत दे रहे हैं कि देवभूमि उत्तराखंड के सांस्कृतिक देव स्वरूप के इस्लामीकरण की साजिश तो नहीं हो रही है?

उत्तराखंड के कण-कण में देवों का वास है इसलिए इसे देवभूमि कहा जाता है। लेकिन, सुदूर पहाड़ी बस्तियों में क्या एक व्यापक षड्यंत्र के तहत इस्लामिक धार्मिक स्थलों का विस्तार किया जा रहा है? ऐसा इसलिए कहा जा रहा कि जिस तरह से वन विभाग के जंगल में सैकड़ों अवैध मजारें बनाई गई उसी तरह से क्या मस्जिदों का भी विस्तार हो रहा है? हाल ही में उत्तरकाशी मस्जिद को लेकर एक विवाद शुरू हुआ है। ऐसा कहा जा रहा है कि ये अवैध रूप से बनाई गई है। क्योंकि पहले ये घर था और मुस्लिम परिवार रहता था, लेकिन पिछले कुछ समय से यहां मुस्लिम लोग इकट्ठा होकर जुम्मे की नमाज पढ़ने लगे और धीरे-धीरे इसे मस्जिद का रूप दे दिया गया। इस बारे में आरटीआई के जरिए मिली जानकारी के अनुसार, इस भूमि के दस्तावेजों में हेराफेरी की गई है, इसलिए उत्तरकाशी में हिंदू संगठनों का आंदोलन हुआ और हालात बिगड़े।

उत्तराखंड राज्य बनने के बाद देवभूमि में बड़ी संख्या में मस्जिदें बनी है। इनमें से ज्यादातर सरकारी भूमि पर कब्जा कर बनाई गई है। देहरादून और हरिद्वार जिले में सौ से अधिक मुस्लिम धार्मिक स्थलों की संख्या ऐसी है, जिन्हें सरकारी भूमि पर अवैध कब्जा कर इमारत को विस्तार दिया गया और फिर उसे वक्फ बोर्ड में पंजीकृत करवा दिया। देहरादून, सेलाकोई, रामपुर मंडी विकास नगर, हरबर्टपुर आदि कई क्षेत्रों में यदि मस्जिदों की भूमि के दस्तावेजों की जांच की जाए तो सच सामने आ जाएगा। कुछ ऐसे मामले भी हैं जो पहले सरकारी भूमि पर कब्जे कर मदरसे बने फिर उनमें नमाज होने लगी और बाद में ये मस्जिद का आकार लेने लगी। हल्द्वानी के बनभूलपुरा में अतिक्रमण हटाने को लेकर जो बवाल हुआ उसके पीछे भी फर्जी मदरसा था, जो मलिक के बगीचे में नजूल की जमीन पर कब्जा कर बनाया गया था। लेकिन उसे मस्जिद बता कर प्रचारित किया गया।

बहरहाल उत्तराखंड की पुष्कर धामी सरकार के सामने इस तरह के प्रकरण इसलिए भी सामने आ रहे हैं, क्योंकि उनका साफ कहना है कि वे उत्तराखंड के देव स्वरूप को किसी भी सूरत में बदलने नहीं देंगे। सीएम धामी को लगातार खुफिया एजेंसियों की रिपोर्ट भी पहुंच रही है, कि राज्य में सरकारी भूमि पर अतिक्रमण करके डेमोग्राफी चेंज की जा रही है और यहां इस्लामिक धार्मिक स्थल बनाए जा रहे हैं। खुफिया एजेंसियों की रिपोर्ट में भी कहा गया है कि जब राज्य में वक्फ बोर्ड का गठन हुआ था तब उत्तर प्रदेश से 2078 सम्पत्तियां मिली थीं जो अब बढ़कर 5183 हो चुकी हैं। ये इजाफा कैसे हुआ? इसका उत्तर खोजना बाकी है। क्योंकि उत्तराखंड में ही नहीं, बल्कि पूरे देश में वक्फ बोर्ड के पास असीमित अधिकार है। अभी तक वक्फ बोर्ड जिस भूमि पर अपना हक बता देता है वो उसकी हो जाती है।

संभल की तरह वाराणसी में भी मिला 40 वर्षों से बंद पड़ा मंदिर

वाराणसी, 17 दिसंबर (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के संभल के बाद अब वाराणसी के मदनपुरा इलाके में 40 साल से बंद पड़ा एक मंदिर सामने आया है, जिसे फिर से खोलने की मांग उठ रही है। इस मंदिर की जानकारी मिलते ही सनातन रक्षक दल के कार्यकर्ता मौके पर पहुंचे और मंदिर खुलवाने की कवायद तेज हो गई। बताया जा रहा है कि यह मंदिर करीब 250 साल पुराना है और इसके अंदर मलबा भरा हुआ है। इस मंदिर के बारे में स्कंद पुराण के काशीखंड में जिक्र है, साथ ही सिद्धतीर्थ कूप का भी जिक्र है, जो इस मंदिर के पास है।

लंबे समय से बंद पड़े मंदिर में पूजा-अर्चना बंद थी। इस मंदिर के अंदर मलबे में देव-विग्रह भी दबे हो सकते हैं। इस मंदिर के आसपास भयंकर तरीके से अतिक्रमण हुआ है। बिजली के तार लटके हैं। घरों के छज्जे मंदिर की दीवार से सटे हुए हैं। ये मंदिर करीब 40 फिट ऊँचा है और बीते 40 साल से बंद है। वहीं, मंदिर से सटे घर के गेट पर जमाल सन्स का बोर्ड भी लगा हुआ है।

सनातन रक्षक दल के प्रदेश अध्यक्ष अजय शर्मा ने कहा, यह मंदिर सनातन संस्कृति का प्रतीक है और इसे खोलने की पहल पूरी तरह शांतिपूर्ण है। हमने प्रशासन को इसकी जानकारी दी है और उनका पूरा सहयोग मिल रहा है। जल्द ही मंदिर की सफाई कराई जाएगी और पारंपरिक पूजा-अर्चना शुरू होगी। यह किसी प्रकार के विवाद का मुद्दा नहीं है बल्कि सनातन धर्म के गौरव की पुनः स्थापना का प्रयास है। अजय शर्मा का कहना है कि यह मंदिर भगवान शिव का हो सकता है। उन्होंने बताया कि नगर निगम और प्रशासन से इस मंदिर के बारे में जानकारी जुटाई जा रही है ताकि इसे फिर से खोलकर साफ-सफाई के बाद पूजा-अर्चना शुरू की जा सके। उन्होंने मेयर और स्थानीय विधायकों से भी इस बारे में बातचीत की है। इस बारे में सीएम योगी आदित्यनाथ को भी पत्र लिखा गया है।

मंदिर खुलवाने की मांग के बाद पुलिस और प्रशासन भी सक्रिय हो गया है। दशाश्वमेध थाना प्रभारी प्रमोद कुमार ने बताया कि यह मंदिर काफी समय से बंद है और इलाके में शांति व्यवस्था बनाए रखने के लिए पुलिस तैनात है। स्थानीय लोगों से बातचीत की जा रही है ताकि मंदिर को खोलने को लेकर किसी प्रकार का विवाद न हो। डीसीपी काशी जोन गौरव बंसवाल ने कहा कि मंदिर सार्वजनिक स्थल पर है, और इसे फिर से खोलने के लिए स्थानीय लोगों के साथ बातचीत की जा रही है। उनका कहना है कि मौजूदा स्थिति में इस मामले को शांतिपूर्ण ढंग से सुलझाया जाएगा।

मदनपुरा में मिले इस मंदिर का जिक्र स्कंद महापुराण के चौथे खंड काशीखंड में आता है। काशीखंड में काशी की महिमा, उसके आधिदैविक स्वरूप और प्राचीन मंदिरों का विस्तार से वर्णन है।

इसमें 100 अध्याय और 11,000 से अधिक श्लोक हैं, जो काशी के तत्कालीन भूगोल, परंपराओं, देवी-देवताओं और मंदिरों की कहानियों पर प्रकाश डालते हैं। काशीखंड में सिद्धतीर्थ कूप का भी उल्लेख है, जिसका अर्थ है एक ऐसा पवित्र कुआं, जो सिद्धि प्राप्त करने का स्थान माना गया है। मंदिर के पास में ही सिद्धतीर्थ कूप भी है। स्कंद पुराण का काशीखंड वाराणसी की प्राचीनता और धार्मिक महत्व को सिद्ध करता है। शिवजी के महत्व और काशी में उनके वास की कहानियां इस ग्रंथ में दी गई हैं।

संभल के एक और मुस्लिम इलाके में बंद मिला मंदिर

पुलिस ने साफ-सफाई करवाकर खुलवाया

संभल, 17 दिसंबर (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के संभल के खग्गू सराय में 46 साल से बंद पड़े कार्तिकेश्वर महादेव मंदिर के खुलने के बाद एक और मंदिर वर्षों से बंद पड़ा मिला है। यह मंदिर हयात नगर थानाक्षेत्र के सरायतरीन इलाके में मिला। अवैध कब्जा हटाने के बीच पुलिस की नजर इस पर पड़ी। पुलिस प्रशासन ने फौरन इसका ताला खुलवाया और पाया कि अंदर राधा-कृष्ण और हनुमान जी की मूर्तियां स्थापित थीं।

प्रशासन ने इस मंदिर को भी साफ करवाया है। स्थानीय लोगों का कहना है कि मंदिर काफी समय से इसलिए बंद था क्योंकि पूरा इलाका मुस्लिम बाहुल्य है। पहले इलाके में 30 से 40 हिंदू परिवार रहते थे जो कि दंगे के बाद धीरे-धीरे पलायन कर गए। मालूम हो कि जिस हयातनगर (सरायतरीन) में यह बंद पड़ा मंदिर मिला है उस जगह की चर्चा संभल हिंसा के बाद भी थी। दरअसल, सामने आया था कि हिंसा में इस इलाके के युवक भी शामिल थे। अब दोबारा से बंद पड़े मंदिर के मिलने के कारण इस इलाके की बात हो रही है।

सामने आई तस्वीर में देख सकते हैं कि मंदिर के आसपास घनी बस्ती है और मंदिर की दीवारें देखकर ही पता चल रहा है कि सालों से इस पर कोई ध्यान नहीं दिया गया। हालांकि, मालूम हो कि इस मंदिर के आसपास किसी प्रकार का अतिक्रमण नहीं मिला है जैसा कि कार्तिकेश्वर मंदिर के पास मिला था। खग्गू सराय में मिले मंदिर के पास अवैध कब्जे को तो मुस्लिम परिवार छोड़ने को तैयार हो गया है और प्रशासन से बातचीत के बाद खुद अतिक्रमण हटा रहा है।

बीते दिनों इसी मंदिर को खुल-वाने के बाद एक पास में मिले कुएं की खुदाई भी हुई थी जिसमें से हिंदू देवी-देवताओं की प्रतिमाएं मिली थीं। इस खुदाई के बाद प्रशासन को एक और कुएं का पता चला। ये कुआं मस्जिद के बिलकुल दरवाजे के किनारे पर पाटा गया था।

प्रशासन इसकी भी खुदाई करवा रहा है। मौके पर पुलिस फोर्स तैनात है। स्थानीय निवासियों का कहना है कि यह कुआं नगर पालिका ने ही बंद करवाया था। अब प्रशासन मंदिर के पास बने कुएं की तरह इसकी खुदाई भी कराएगा।

जिलाधिकारी डॉ. राजेंद्र पैंसिया के हवाले से बताया गया कि संभल में 68 तीर्थ और 21 कूप और 52 सराय और दर्जनों सरोवर होने की जानकारी सामने आई है। इलाके में अवैध कब्जा होने के बाद ये सारी चीजें विलुप्त हो गईं। लेकिन अब दोबारा प्रशासन के प्रयासों से संभल अपने वास्तविक रूप में लौट आएगा। गौरतलब है कि संभल में 24 नवंबर को जामा मस्जिद का सर्वे करने निकली टीम को रोकने के लिए कई इस्लामी कट्टरपंथी सड़कों पर उतर आए थे। इसके बाद इलाके में पथराव से लेकर गोलीबारी तक हुई थी। कुछ ही दिन बाद ये इलाका बिजली चोरी करने के कारण खबरों में आया। प्रशासन ने अपनी कार्रवाई शुरू की और इलाके में बंद पड़े मंदिरों का मामला सामने आया। इसके साथ ही ये भी पता चला कि कैसे 46 साल पहले दंगे के दौरान हिंदुओं को निशाना बनाया गया और उसके बाद तमाम हिंदू पलायन कर गए।

सर्द रातों में असहायों की सुध ले रही योगी सरकार

सीएम के निर्देश पर राहत आयुक्त ने सभी डी एम को भेजा परिपत्र

गोरखपुर, 17 दिसंबर (एजेंसियां)। शीतलहर और सर्द मौसम का सर्वाधिक प्रभाव निराश्रित, असहाय, कमजोर और गरीब तबके पर पड़ता है। शहरी व कस्बाई क्षेत्र में तो कई ऐसे असहाय और गरीब होते हैं जिनके लिए ठंड भरी रातों में वक्त गुजा-रना मुश्किल होता है। विगत सालों की भांति एक बार फिर योगी सरकार ने सर्द रातों में असहायों की सुध लेने का अभियान शुरू किया है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की मंशा और स्पष्ट निर्देश है कि कोई भी व्यक्ति खुले आसमान तले न सोये, उसे निकटतम रैन बसेरों में आश्रय दिया जाए। मुख्यमंत्री के इस निर्देश पर प्रशासन के अफसरों ने रात्रिकालीन निरीक्षण और भ्रमण का अभियान चलाकर खुले आसमान तले मिलने वाले गरीबों और असहायों को रैन बसेरों में सम्मानजनक तरीके से आश्रय देने की पहल की है। ठंड के प्रतिकूल मौसम में गरीबों और निराश्रितों

की सुविधा व सहूलियत के लिए मुख्यमंत्री द्वारा पूर्व में दिए गए दिशा निर्देशों के क्रम में प्रदेश के राहत आयुक्त ने सभी जिलाधिकारियों को एक परिपत्र जारी कर कहा है कि शीतलहर के दौरान कोई भी व्यक्ति खुले आसमान के नीचे न सोये, उन्हें निकटतम रैन बसेरों में विस्थापित किया जाए। राहत आयुक्त के परिपत्र के अनुपालन में गोरखपुर जिला प्रशासन ने नगर मजिस्ट्रेट, सभी अपर नगर मजिस्ट्रेट, सभी एसडीएम और सभी तहसीलदारों को रात्रिकालीन अभियान में जुटने को निर्देशित किया है।

गोरखपुर के अपर जिलाधिकारी (वित्त एवं राजस्व) एवं आपदा के प्रभारी अधिकारी विनीत कुमार सिंह के मुताबिक बढ़ते शीतलहर को देखते हुए निराश्रित, असहाय, कमजोर और गरीब व्यक्तियों/परिवारों को राहत पहुंचाने के लिए आवश्यक है कि प्रतिदिन वृहद अभियान चलाकर सड़क किनारे सो रहे लोगों को रैन बसेरों तक पहुंचाया जाए। साथ ही पात्र व्यक्तियों को कंबल उपलब्ध कराया जाए और पर्याप्त संख्या में अलाव की व्यवस्था की जाए। सीएम योगी की मंशा और इस निमित्त जारी राहत आयुक्त के निर्देश के अनुपालन में सड़क किनारे सोने वालों को रैन बसेरों में पहुंचाने, अलाव के इंतजाम देखने के लिए अफसरों ने सोमवार रात से भ्रमणशील रहते हुए निरीक्षण शुरू कर दिया है।

योगी सरकार ने पेश किया 17,865 करोड़ का अनुपूरक बजट

बाधारहित विकास जारी रखने के लिए 2024-25 का दूसरा अनुपूरक बजट

लखनऊ, 17 दिसंबर (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश में बाधारहित विकास को अनवरत जारी रखने के लिए योगी सरकार ने मंगलवार को विधानसभा में वित्तीय वर्ष 2024-25 के लिए अपना द्वितीय अनुपूरक बजट प्रस्तुत किया। 17,865.72 करोड़ रुपए के इस अनुपूरक बजट में 790.49 करोड़ रुपए के नए प्रस्ताव सम्मिलित किए गए हैं। यह योगी सरकार का इस वित्तीय वर्ष का द्वितीय अनुपूरक बजट है, जो मूल बजट (7 लाख 36 हजार 437.71 करोड़ रुपए) का 2.42 प्रतिशत है। इससे पूर्व योगी सरकार 12,209.93 करोड़ रुपए का अनुपूरक बजट भी प्रस्तुत कर चुकी है। दोनों अनुपूरक बजट को मिलाकर योगी सरकार का वित्तीय वर्ष 2024-25 का कुल बजट अब 7 लाख 66 हजार 513.36 करोड़ रुपए का हो गया है।

योगी सरकार के वित्त एवं संसदीय कार्य मंत्री सुरेश खन्ना ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की उपस्थिति में विधानसभा में द्वितीय अनुपूरक बजट प्रस्तुत किया। उन्होंने कहा कि द्वितीय अनुपूरक बजट का आकार 17,865.72 करोड़ रुपए है। उन्होंने कहा कि यह सरकार विकास को प्राथमिकता देने वाली सरकार है और जब भी आवश्यकता होती है तब संवैधानिक तरीके से सदन के माध्यम से अनुपूरक बजट लाने का अधिकार है। उन्होंने बताया कि अनुपूरक बजट में 790.49 करोड़ रुपए के नए प्रस्ताव सम्मिलित किए गए हैं। साथ ही इसमें केंद्रीय योजनाओं में 422.56 करोड़ रुपए के केंद्रांश की राशि भी अनुमानित है। इसके अतिरिक्त, कंटिजेंसी से जो 30 करोड़ 48 लाख रुपए लिए गए थे, उसकी भी प्रतिपूर्ति का भी प्रस्ताव इसमें शामिल है।

वित्त मंत्री सुरेश खन्ना ने बताया कि अनुपूरक बजट में विभिन्न विभागों को उनकी आवश्यकता के अनुरूप बजट जारी किया जाएगा। इसमें ऊर्जा विभाग को 8587.27 करोड़ रुपए, वित्त विभाग को 2438.63 करोड़ रुपए, परिवार कल्याण विभाग को 1592.28 करोड़ रुपए, पशुधन विभाग के लिए 1001 करोड़ रुपए, लोकनिर्माण विभाग के लिए 805 करोड़ रुपए, प्राथमिक शिक्षा विभाग के लिए 515 करोड़ रुपए, सूचना विभाग के लिए 505 करोड़ रुपए, पंचायती राज विभाग के लिए 454.01 करोड़ रुपए और चिकित्सा शिक्षा एवं प्रशिक्षण विभाग के लिए 354.54 करोड़ रुपए का बजट प्राविधानित किया गया है।

योगी सरकार ने इसी वर्ष फरवरी महीने में मूल बजट किया था, जो 7.36 लाख करोड़ रुपए से अधिक का था। इसके बाद योगी सरकार ने 30 जुलाई को 12,209.93 करोड़ का अनुपूरक बजट पेश किया था। इसके 5 माह के बाद एक बार फिर योगी सरकार विकास कार्यों को गति देने के लिए आवश्यकता के अनुरूप द्वितीय अनुपूरक बजट लेकर आई है। इस बजट को मंगलवार सुबह मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की अध्यक्षता में आयोजित हुई कैबिनेट की बैठक में सर्वसम्मति से स्वीकृत कर लिया गया। अनुपूरक बजट एक ऐसा वित्तीय दस्तावेज है जिसे सरकार किसी वित्तीय वर्ष के दौरान तब प्रस्तुत करती है. जब उसे अपने पहले से स्वीकृत बजट में अतिरिक्त खर्च की आवश्यकता होती है। यह बजट उन खर्चों को कवर करने के लिए प्रस्तुत किया जाता है, जिनको अनुमानित बजट में शामिल नहीं किया गया था, या जो नई परिस्थितियों के कारण आवश्यक हो गए हैं। यह बजट वित्त वर्ष के बीच में किसी विभाग या मंत्रालय की किसी योजना में अतिरिक्त राशि खर्च करने के लिए लाया जाता है। यह खर्च के अनुमान के साथ पेश किया जाता है।

विपक्ष द्वारा गलत आंकड़े देने पर मंत्री सुरेश खन्ना ने दिया करारा जवाब

योगी सरकार में कानून व्यवस्था सबसे मजबूत

लखनऊ, 17 दिसंबर (एजेंसियां)। यूपी विधानमंडल के शीतकालीन सत्र के दूसरे दिन मंगलवार को विपक्ष द्वारा महिला हिंसा और उत्पीड़न के मुद्दे पर गलत आंकड़े पेश करने पर कैबिनेट मंत्री सुरेश खन्ना ने करारा जवाब दिया। उन्होंने कहा कि योगी सरकार में कानून व्यवस्था सबसे मजबूत हुई है। पिछले साढ़े सात वर्षों में यूपी में महिला समेत हर प्रकार के अपराध में गिरावट दर्ज की गई है। अपराधियों को सजा दिलाने में भी प्रदेश सरकार सबसे ज्यादा सफल हुई है। उन्होंने विपक्ष के सवालों को जवाब देते हुए कहा कि 1 जनवरी 2024 से 30 नवंबर के बीच 1090 वीमेन पावर लाइन पर 4,18,504 शिकायतें दर्ज की गईं। इसमें 4 लाख 9 हजार 912 शिकायतों का निस्तारण किया गया। इसका रेश्यो 97.95 प्रतिशत है। वहीं पेंडिंग 8,592 मामलों के निस्तारण के लिए कार्रवाई की जा रही है।

कैबिनेट मंत्री सुरेश खन्ना ने कहा कि दहेज मृत्यु के मामले में भी लगातार कमी दर्ज की गई है। वर्ष 2017 में 2524 मामले सामने आए थे। 1 जनवरी 2024 से 31 अक्टूबर तक इस पर 1418 केस दर्ज किए गए। वर्ष 2023 में दहेज मृत्यु की 2061 घटनाएं दर्ज की गईं। उन्होंने कहा कि अपराधियों को सजा दिलाने की बात है तो सरकार ने जितनी तेजी से प्रॉसिक्यूशन को मजबूत करते हुए कन्विक्शन कराया है। अभी तक उत्तर प्रदेश सरकार के इतिहास में किसी की सरकार ने नहीं किया। संसदीय कार्य मंत्री सुरेश खन्ना ने कहा कि पॉक्सो एक्ट में 2017 में 415 लोगों को सजा हुई। वहीं 2018 में 631 लोगों को सजा हुई। वर्ष 2019 में 665 और 2020 में 535 और 2021 में 1230, 2022 में 2313 और 2023 में 2841 और अभी इस वर्ष 1 जनवरी से 15 दिसंबर तक 2440 लोगों को सजा दिलाने में सफलता हासिल की गई। स्पेशल अभियान चलाकर 1 जुलाई 2023 से लेकर 11 दिसंबर 2024 तक 48 मृत्युदंड दिए गए। इसी अवधि में 6065 मामलों में आजीवन कारावास, 1046 मामलों में 20 वर्ष और उससे अधिक सजा, 73 मामलों में 15 से 19 वर्ष की सजा, 3610 मामलों में 10 से 14 वर्ष की सजा, 5564 मामलों में 5 से 9 वर्ष की सजा और 22298 मामलों में पांच वर्ष से कम की सजा दिलाने में सफलता मिली। सुरेश खन्ना ने कहा कि जब से भारतीय न्याय संहिता आई, इसमें 1 जुलाई से लेकर 12 दिसंबर तक 29 लोगों को सजा हुई है। सुरेश खन्ना ने एन-सीआरबी के आंकड़ों का हवाला देते हुए कहा कि अभी तक वर्ष 2022 तक की रिपोर्ट उपलब्ध है, उसके मुताबिक हर क्षेत्र में महिलाओं से संबंधित अपराध में गिरावट दर्ज की गई है।

मंदिर के हवन कुंड में हाथ-पैर धो रहे संभल के मुस्लिम

संभल, 17 दिसंबर (एजेंसियां)। संभल के मुस्लिम जिसे जामा मस्जिद कहते हैं, उसके सर्वे के दौरान पता चला कि यह जगह हरिहर मंदिर ही है। कुआं पूजन, शादी-ब्याह, पूजा-पाठ सब कुछ यहां होता था। लेकिन बाद में इस मंदिर में हिंदुओं के प्रवेश पर प्रतिबंध लगा दिया गया।

संभल जिला प्रशासन की एक आंतरिक रिपोर्ट से पता चलता है कि 1978 के दंगों की आड़ में इस मंदिर में हिंदुओं का प्रवेश बंद किया गया था। इसके पीछे शफीकुर्रहमान बर्क का हाथ था, जो संभल से समाजवादी पार्टी के सांसद थे। इस समय उनका बेटा संभल से सपा सांसद है। सर्वे के दौरान हुई हिंसा को लेकर उसके खिलाफ भी मामला दर्ज किया गया है। रिपोर्ट से पता चलता है कि इस मंदिर परिसर की जिस हवन कुंड के पास कभी कीर्तन हुआ करता था, अब वहां मुस्लिम हाथ-पैर धोते हैं। रिपोर्ट में स्पष्ट शब्दों में लिखा गया है कि दंगे की आड़ लेकर शफीकुर्रहमान बर्क ने हरिहर मंदिर में हिंदुओं के जाने पर रोक लगा दी थी। इससे पहले हिंदू इस परिसर के मध्य में बने हवन कुंड के चारों ओर कीर्तन करते थे। आज इस हवन कुंड का प्रयोग वजू के लिए किया जा रहा है।

1978 के दंगों में किस तरह हिंदुओं का कत्लेआम किया गया था, इसके बारे में उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ विधानसभा में बता चुके हैं। दंगों में जिस कारोबारी बनवारी लाल गोयल की मुस्लिम दंगाइयों ने हाथ-पैर और गला काटकर हत्या कर दी थी, उनके परिवार पर भी शफीकुर्रहमान बर्क ने दबाव डाला था और आखिर में वह परिवार संभल छोड़कर चला गया। 1978 के दंगों में शफीकुर्रहमान बर्क ने इतने ही कारनामे नहीं किए, बल्कि बर्क के इशारे पर मुस्लिम दंगाइयों ने पूरी सब्जी मंडी जला दी थी। हिंदुओं के करीब 40 दुकानों में आगजनी और लूटमार की गई थी। लेकिन शफीकुर्रहमान बर्क के दबाव में हिंदुओं से अधिक मुस्लिमों को मुआवजा मिला, जबकि उनकी दुकानों को कोई नुकसान नहीं हुआ था।

प्रशासन ने यह रिपोर्ट संभल में हुए दंगों पर तैयार की है। इससे पता चलता है कि दंगों के कारण संभल में धीरे-धीरे हिंदुओं की आबादी कम होती जा रही है। देश की स्वतंत्रता के समय संभल नगरपालिका क्षेत्र में हिंदुओं की आबादी 45 प्रतिशत थी जो आज घटकर 15-20% रह गई है। उस समय मुस्लिम 55% थे। आज वे बढ़कर 80-85 प्रतिशत हो गए हैं। गौरतलब है कि हालिया हिंसा के बाद भाजपा विधायक शलभ मणि त्रिपाठी ने भी बताया था कि जिसे मुस्लिम जामा मस्जिद कहते हैं, वह कभी हरि मंदिर ही था। उन्होंने बताया था कि समाजवादी पार्टी की सरकार ने शफीकुर्रहमान बर्क के दबाव में 2012 में इसे पूरी तरह जामा मस्जिद में बदलवा दिया था। उससे पहले हिंदू इस जगह पर पूजा-पाठ के लिए जाते थे। उन्होंने इस जगह पर धार्मिक कार्यक्रमों की कुछ तस्वीर भी साझा की थी।

संपादकीय

'भगदड़' एक सरकारी नाकामी

आज भीड़-प्रबंधन की बात करते हैं, क्योंकि यह व्यापक स्तर पर इनसानी मौतों से जुड़ा मुद्दा है और उसके प्रति लापरवाही का रवैया रहा है। देश के कई हिस्सों में भीड़-प्रबंधन की नाकामी और नालायकी के कारण भगदड़ मचती रही है। अक्सर पुलिस की नाकामी करार दी जाती रही है। राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण ने 2014 में 95 पन्नों के दिशा-निर्देश जारी किए थे कि भीड़ को भगदड़ में तबदील होने से कैसे रोका जाए? इसी साल नरेंद्र मोदी पहली बार देश के प्रधानमंत्री चुने गए थे। इन दिशा-निर्देशों के बावजूद भगदड़ें मचती रही हैं। इसी साल जुलाई में हाथरस (उप्र) में एक धार्मिक सत्संग में भीड़ बेकाबू हो गई और भगदड़ में करीब 125 मौतें हो गईं। सिर्फ आयोजकों को जेल में डाल कर घटना की इतिश्री कर दी गई।

> देश के कई हिस्सों में भीड़-प्रबंधन की नाकामी और नालायकी के कारण भगदड़ मचती रही है। अक्सर पुलिस की नाकामी करार दी जाती रही है। राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण ने 2014 में 95 पन्नों के दिशा-निर्देश जारी किए थे कि भीड़ को भगदड़ में तबदील होने से कैसे रोका जाए? इसी साल नरेंद्र मोदी पहली बार देश के प्रधानमंत्री चुने गए थे। इन दिशा-निर्देशों के बावजूद भगदड़ें मचती रही हैं। इसी साल जुलाई में हाथरस (उप्र) में एक धार्मिक सत्संग में भीड़ बेकाबू हो गई और भगदड़ में करीब 125 मौतें हो गईं। सिर्फ आयोजकों को जेल में डाल कर घटना की इतिश्री कर दी गई। हाल ही में हैदराबाद में 'पुष्पा-2' फिल्म के प्रीमियर पर भीड़ अनियंत्रित हो गई, कुछ मौतें हो गईं, पुलिस ने अभिनेता अल्लू अर्जुन को गिरफ्तार कर लिया। अदालत ने उन्हें जमानत दे दी। क्या भगदड़ का कारण यही था? दरअसल अंग्रेजी में जिस शब्द का अर्थ 'भगदड़' है, वह घोड़ों और पशुओं की भगदड़ है, जो डर कर या उत्तेजित होकर एक ही दिशा में भागने लगते हैं। तब भगदड़ मच जाती है।

हाल ही में हैदराबाद में 'पुष्पा-2' फिल्म के प्रीमियर पर भीड़ अनियंत्रित हो गई, कुछ मौतें हो गईं, पुलिस ने अभिनेता अल्लू अर्जुन को गिरफ्तार कर लिया। अदालत ने उन्हें जमानत दे दी। क्या भगदड़ का कारण यही था? दरअसल अंग्रेजी में जिस शब्द का अर्थ 'भगदड़' है, वह घोड़ों और पशुओं की भगदड़ है, जो डर कर या उत्तेजित होकर एक ही दिशा में भागने लगते हैं। तब भगदड़ मच जाती है। 'इनसानी भगदड़' कुछ और है, उसके कारण भी भिन्न हैं, उनके लिए यह बहाना नहीं बनाया जा सकता कि सरकार ने दिशा-निर्देश जारी नहीं किए अथवा पुलिस, प्रशासन को उचित प्रशिक्षण नहीं दिया गया अथवा सरकार का रवैया संवेदनशील नहीं है। फिल्म 'पुष्पा-2' के संदर्भ में वह भगदड़ नहीं थी, बल्कि भीड़ की कुचलन की स्थिति थी, क्योंकि जिनकी मौतें हुई हैं, उनके शरीरों पर पैरों से कुचलने, रौंदने या चोट के निशान नहीं थे। यानी भीड़ इतनी ज्यादा और अनियंत्रित थी कि लोग सांस लेने में असमर्थ रहे, नतीजतन मौतें हुईं। ऐसी कुचलन की स्थितियां भी पैदा नहीं होनी चाहिए। भारत में पहली भगदड़, देश की आजादी के बाद, 1954 के महाकुंभ के दौरान मची थी, जिसमें करीब 800 लोग मारे गए थे। वह पहली राष्ट्रीय त्रासदी थी। 2019 के आम चुनाव में प्रधानमंत्री मोदी ने इस त्रासदी को भी चुनावी मुद्दा बनाया और उस कुप्रबंधन के लिए तत्कालीन प्रधानमंत्री जवाहर लाल नेहरू और कांग्रेस को आरोपित किया, जमकर कोसा। भारत के आधुनिक इतिहास में वह अभी तक की सबसे त्रासद भगदड़ थी। आज हमारे पास दिशा-निर्देश हैं, कम्प्यूटर विजन सिस्टम है, जो भीड़ से उत्पन्न होने वाले जोखिमों के प्रति सचेत करता है, लेकिन सरकारों और पुलिस का रवैया रहा है-'सब चलता है।' राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण ने खुलासा किया है कि अब भी भगदड़ की नौबत आती रहती है, क्योंकि अधिकतर सरकारों ने दिशा-निर्देश लागू ही नहीं किए हैं। यह बेहद गंभीर लापरवाही है। एक-एक इनसान और नागरिक देश के लिए मूल्यवान है। उन्हें भगदड़ में कुचला या मारा नहीं जा सकता। इस नालायकी और अनदेखी के लिए राज्य सरकारों को दंडित करने का प्रावधान भी होना चाहिए। संसद में उस प्रावधान को पारित किया जाए, ताकि कोई भी सरकार संघीयवाद के हनन का आरोप न लगा सके। भगदड़ की स्थिति से निपटने के लिए 'मॉक ड्रिल' की जाएं और मजबूत, ठोस संस्थानगत प्रणालियां विकसित की जाएं, ताकि पुलिस और प्रशासन के बूते ही न रहना पड़े। 'मॉक ड्रिल' के साथ-साथ बड़ी भीड़ के प्रबंधन के लिए प्रौद्योगिकी का भी इस्तेमाल किया जाए। अंतरराष्ट्रीय विशेषज्ञों का मानना है कि कृत्रिम बौद्धिकता (एआई) और कम्प्यूटर विजन का इस्तेमाल भी किया जाए।

कांग्रेस को सीधे-सीधे सलाह दे डाली कि ईवीएम का रोना छोड़ो और अपनी हार को स्वीकार कर लो

अपनों के निशाने पर आने के बाद क्या अब नीतियों में बदलाव लाएगी कांग्रेस?

उमेश चतुर्वेदी

> प्रियंका के इस बयान के ठीक बाद सामने आए उमर अब्दुल्ला के ये शब्द महज बयान नहीं है, बल्कि इसके कई राजनीतिक अर्थ हैं। उमर के इस बयान को ममता बनर्जी और रामगोपाल यादव की अभिव्यक्ति की अगली कड़ी के रूप में रखा जा सकता है। यहां एक बार फिर दोहरा देना उचित ही होगा कि इंडिया गठबंधन के अघोषित अगुआ को रूप में राहुल गांधी को नकार चुकी हैं और समाजवादी पार्टी के महासचिव रामगोपाल यादव कांग्रेस की अगुआई को ही नकार चुके हैं।

संविधान पर संसद में विशेष बहस पर अपने नेताओं प्रियंका वाड्रा और राहुल गांधी के भाषणों को लेकर जिस वक्त कांग्रेस गद्गद् हो रही थी, उसी वक्त उस पर कश्मीर की वादियों से सियासी गर्मी का जबर्दस्त झोंका आया। जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने कांग्रेस को सीधे-सीधे सलाह दे डाली कि ईवीएम का रोना छोड़ो और अपनी हार को स्वीकार कर लो। दिलचस्प यह है कि लोकसभा के अपने पहले भाषण में संविधान पर चर्चा के दौरान प्रियंका वाड्रा ने कहा था कि ईवीएम हटा दो, दूध का दूध और पानी का पानी हो जाएगा। प्रियंका के इस बयान के ठीक बाद सामने आए उमर अब्दुल्ला के ये शब्द महज बयान नहीं है, बल्कि इसके कई राजनीतिक अर्थ हैं। उमर के इस बयान को ममता बनर्जी और रामगोपाल यादव की अभिव्यक्ति की अगली कड़ी के रूप में रखा जा सकता है। यहां एक बार फिर दोहरा देना उचित ही होगा कि इंडिया गठबंधन के अघोषित अगुआ को रूप में राहुल गांधी को नकार चुकी हैं और समाजवादी पार्टी के महासचिव रामगोपाल यादव कांग्रेस की अगुआई को ही नकार चुके हैं। उमर अब्दुल्ला ने अपने बयान के जरिए एक तरह से साफ कर दिया है कि कांग्रेस के मौजूदा नेतृत्व में उनका भरोसा नहीं है। आज की राजनीति जिस बिंदु पर पहुंच चुकी है, उसमें अगुआ की हर गलत-सही बात का समर्थन करना ही अनुयायियों की पहली शर्त बन गई है। तार्किक आधार पर समर्थन और विरोध की सोच को हमारे समाज ने सिरे से नकार दिया है। यह नकार राजनीति में सबसे ज्यादा नजर आता है। अगुआ की बात को अनुयायी ने स्वीकार नहीं किया तो उसे सीधे-सीधे नाफरमानी या अनुशासनहीनता माना जाता है। दलीय व्यवस्था में ऐसे नकार की सजा निष्कासन और निलंबन तय है। चूंकि इंडिया गठबंधन औपचारिक कोई दल नहीं, बल्कि दलों का समूह है, लिहाजा यहां वैसी अनुशासनिक व्यवस्था नहीं है। इसके बावजूद मोटे तौर पर गठबंधनों के बीच एक समझ रही है कि गठबंधन और उसके अगुआ की सेहत पर असर ना पड़े, ऐसी बयानबाजी से दूर रहा जाए। लेकिन ममता बनर्जी, रामगोपाल यादव और उमर अब्दुल्ला के बयान के संदेश साफ हैं। संदेश यह है कि कांग्रेस की अगुआई में उन्हें नरेंद्र मोदी को चुनौती दे पाने की ताकत राहुल गांधी में नहीं दिखती। इन बयानों का एक संदेश यह भी है कि राहुल गांधी की अगुआई में इन दलों का कम से कम राष्ट्रीय स्तर पर कोई भविष्य नहीं है। लेकिन उमर अब्दुल्ला इससे आगे का

भी संकेत दे रहे हैं। ईवीएम के बहाने वे कांग्रेस को यह भी संदेश दे रहे हैं कि 'मीठा-मीठा गप और कड़वा-कड़वा थू' की वैचारिक सोच वाली राजनीति लंबे समय तक नहीं चल सकती। यह कैसे हो सकता है कि जिस ईवीएम के सहारे आप अमेठी और वायनाड जीतने के बाद आप जश्न में डूब सकते हैं, जिसके सहारे 55 से 99 सीटों पर पहुंच जाते हैं तो इसे अपनी भारी जीत बताते हैं, जिस ईवीएम के ही सहारे जब आप कर्नाटक, हिमाचल और झारखंड और यहां तक कि कश्मीर जीत जाते हैं तो इसे नरेंद्र मोदी की हार बताने लगते हैं, लेकिन अगर चुनावी रणनीति में मात खाने के बाद सत्ता की दौड़ में पीछे रह जाते हैं तो ईवीएम को दोषी ठहराने लगते हैं। यह दोहरापन नहीं चलने वाला। इसे जनता भी समझने लगी है। अगर ईवीएम पर इतना ही संदेह है तो संदेह करने वाले दलों को चाहिए कि वे ईवीएम के जरिए होने वाले चुनावों का बहिष्कार करें। इसके बाद अगर चुनाव होगा तो निश्चित है कि इस चुनाव की पवित्रता सवालों के घेरे में आ जाएगी। अगर ईवीएम पर संदेह करने वाले दल चुनाव प्रक्रिया से बाहर हो जाएं तो विपक्ष विहीन चुनाव को जनता भी स्वीकार नहीं कर पाएगी और उस चुनाव को सहज लोकतांत्रिक प्रक्रिया का अंग नहीं माना जा सकेगा। ऐसे में सरकार और चुनाव आयोग दबाव में आ सकते हैं। लेकिन ऐसा करने के लिए ईवीएम पर संदेह करने वाले दलों में साहस होना चाहिए। दुर्भाग्य से ऐसा साहस कोई दल दिखाता नजर नहीं आ रहा। इसकी वजह यह है कि कोई भी दल संसदीय राजनीति के उस रसूख को छोड़ने का साहस नहीं रखता, जो उसे सांसद या विधायक बनने के बाद हासिल होता है। इन दलों और उनके नेताओं को पता है कि संसद और विधानमंडल से बाहर रहने के बाद उनकी बातें गौर से सुनीं नहीं जातीं और उनके शब्दों को तवज्जो भी नहीं मिलता। इसलिए वे ईवीएम पर सवाल भी उठा रहे हैं और उसी ईवीएम के जरिए संसदीय कुर्सियों पर भी काबिज रहना चाहते हैं। यह भी एक तरह से चारित्रिक दोहरापन ही है और उमर अब्दुल्ला का यह बयान उस दोहरापन से खुद को अलग करने की कोशिश भी हो सकता है। वैसे कांग्रेस के लोगों से ऑफ द रिकॉर्ड बात कीजिए तो वे भी मानते हैं कि चाहे ईवीएम का मुद्दा हो या किसानों का आंदोलन, उनके लिए सिर्फ कवरअप के मुद्दे हैं। कवरअप यानी बचाव का मुद्दा। पार्टी के अंदरूनी सूत्र भी मानते हैं कि जिन कृषि कानूनों के विरोध में कांग्रेस राजनीति कर रही है, उन्हें उसकी ही सरकार ने तैयार किया था। ईवीएम का चलन 2004 में पूरी तरह शुरू हुआ। जिसमें कांग्रेस की अगुआई वाले संयुक्त प्रगतिशील गठबंधन यानी यूपीए को जीत मिली थी और मनमोहन सिंह प्रधानमंत्री बने थे। तब तो कांग्रेस को यह जीत बहुत पसंद आई थी। इसके अगले यानी 2009 के चुनाव में भी यूपीए को दूसरी बार जीत मिली। तब भी ईवीएम पर कम से कम कांग्रेस की ओर से सवाल नहीं उठा। तब लालकृष्ण आडवाणी खेमे की ओर से ईवीएम पर सवाल उठा तो उसे सिरे से खारिज कर दिया गया। इसके बाद आडवाणी के लोगों ने उसे तूल नहीं दिया। लेकिन 2014 के बाद से लगातार ईवीएम पर कांग्रेस की ओर से लगातार सवाल उठाए जा रहे हैं। जबकि कांग्रेस भी जानती है कि ईवीएम में दोष नहीं है, उसकी नीतियों में ही कमी है, जिसकी वजह से वोटर उसे स्वीकार नहीं कर पा रहा है। ऑफ द रिकॉर्ड अगर कांग्रेसी नेताओं से बात होती है तो वे मानते हैं कि किसान कानून और ईवीएम का विरोध दरअसल उसके लिए बचाव के मुद्दे हैं। कांग्रेस इन मुद्दों के जरिए अपनी नाकामियां छिपाती रहती है। उदाहरण के लिए इलाहाबाद हाईकोर्ट के न्यायमूर्ति शेखर यादव के हालिया बयान को लेकर उनके खिलाफ कपिल सिब्बल की अगुआई में महाभियोग चलाना कुछ-कुछ वैसा ही मामला होने जा रहा है, जैसा 1986 में शाहबानो को गुजारा भत्ता देने के सुप्रीम कोर्ट के फैसले को पलटने के लिए संसद से नया कानून बना दिया गया था। बहुसंख्यक सोच जबकि इसके खिलाफ थी, कुछ इसी तरह शेखर यादव के बयान को लेकर महाभियोग चलाने के फैसले से बहुसंख्यक वोट बैंक सहमत नहीं है। कांग्रेस और उसके सहयोगी दलों को लेकर बहुसंख्यक समाज में विरोध के सुर भले ही खुले तौर पर ना उठें, लेकिन चुनावी मैदान में इसे लेकर बहुसंख्यक वोट बैंक अपना गुस्सा निकाल सकता है।

दृष्टि कोण

अतीत से मिले को युवा पीढ़ी के नसीब से जोड़ें

पृथ्वी पर मानव जीवन सर्वप्रथम कब आया, इस पर धार्मिक और वैज्ञानिक लोगों के अलग-अलग मत और विचार हैं, पर उस अदृश्य शक्ति ने पृथ्वी पर उत्पन्न हुए हर प्राणी की आवश्यकता की पूर्ति हेतु जल, वायु, सूर्य, वनस्पति और पृथ्वी के गर्भ में खनिजों के भंडार भर दिए। चौरासी लाख योनियों में मानव ही ऐसा प्राणी है जिसने अपने विवेक के बल पर हर क्षेत्र में अपना विकास किया और निरंतर कर रहा है। वह सर्दी, गर्मी, वर्षा से बचने के लिए गुफाओं से निकलकर साधारण सी कच्ची कोठरी से निकलकर आलीशान महलों तक पहुंच गया। इतना ही नहीं, उसने सजना-संवरना भी आरंभ किया और अपनी सृजनशीलता व क्षमता तथा विवेक द्वारा पृथ्वी के गर्भ में छिपे खनिज के भंडारों की भी खोज कर ली। प्राचीन समय में प्रजा और राजा में बहुत अंतर होता था। राजा या मंत्रीगण बड़े-बड़े महलों और भवनों में रहते थे तथा साधारण प्रजा राजा को अपना स्वामी मानती थी। उनकी बराबरी करना वह सपने में भी नहीं सोच सकती थी। राजा और मंत्री के परिवार रेशमी या कीमती वस्त्र पहनते और सोने-चांदी के मुकुट और गहनों से लदे रहते थे। सब प्रकृति से प्राप्त होता था।फिर राजाओं का युग संपन्न हुआ। जनता का विकास होने लगा। शिक्षा व अन्य सुविधाओं के मिलने से राजा और प्रजा का अंतर घटने लगा। अभी चालीस-पचास वर्ष पहले तक मध्यम वर्गीय परिवारों में दो-चार सूट होते थे। दो जोड़ी जूते घर के लिए और एक जोड़ी जूते आने-जाने के लिए होते थे। गांव में तो परिस्थितियां और भी विकट थीं। वहां तो लोग साबुन का प्रयोग भी नहीं करते थे। राख या गोमूत्र से कपड़े धोए जाते थे। घर पर फटे-पुराने कपड़ों में टाकियां लगाकर पहना जाता था क्योंकि दुकानें बहुत दूर होती थी। घास की छत और कच्ची मिट्टी की दीवारों के कच्चे मकान होते थे। उस जमाने में आय बहुत कम हुआ करती थी। फिर भी पच्चीस-तीस रुपए मासिक आय वाला व्यक्ति अपने परिवार का सुख सुविधा-पूर्वक निर्वाह करता था। जीवन साधारण और सादगी से भरा होता था। छोटे-छोटे सपने थे। विकास का समय करवट बदलता रहा। धीरे-धीरे विकास की गाड़ी साधारण शहरी जनता से होती हुई गांव तक पहुंच गई। आज संसार की कायाकल्प हो चुकी है। जहां किसी समय आम आदमी के लिए अपनी गाड़ी खरीदना एक सपना होता था। बड़े-बड़े उद्योगपति या टाटा-बिरला जैसे अमीर लोगों के पास ही ये बहूमूल्य वस्तुएं होती थी। आम आदमी फिल्मों में ही कार, हवाई जहाज आदि देख सकते थे। पर आज गांव के भी हर घर के आंगन में कार, स्कूटर, बाइक खड़े हैं। कल-कारखानों में सामान ढोने को बड़े-बड़े ट्राले-ट्रकों की लाइनें लगी हैं। सडक़ों पर सैकड़ों की संख्या में गाडियों की बाढ़ से जाम लगा रहता है। संपन्न परिवारों में हर सदस्य के पास अपनी अलग-अलग गाडियां होना आम बात हो गई है। सडक़ों का विस्तार होने से यातायात के साधनों का भी द्रुत गति से विस्तार हुआ। गांव में भी वृक्षों को काटकर सब तरफ बड़े-बड़े मकान बनाए जा रहे हैं जिनमें रहने वाले बहुत कम हो गए हैं। घर की अलमारी में एक सदस्य के पास इतने वस्त्र हैं जितने कभी बीस-पच्चीस सदस्यों के पूरे परिवार के पास होते थे। सौंदर्य प्रसाधन की भी बात मत पूछो। दस रुपए से लेकर लाखों रुपए तक मूल्य की एक ही वस्तु मिल जाएगी। बड़े-बड़े बाजार, मॉल, शॉपिंग कांप्लेक्स से लेकर रेहड़ी-फड़ी और साधारण दुकानों की गिनती नहीं की जा सकती। हर तरफ सम्पन्नता है। जरूरत से भी अधिक सामान है, पर फिर भी आज आदमी दुखी है। उसकी लालसाओं का अंत नहीं। हजारों वाला लाखों का मालिक बनना चाहता है, लाखों वाला करोड़पति बनना चाहता है, करोड़पति राजा बनना चाहता है और राजा चक्रवर्ती राजा बनना चाहता है। संसार के भोगों का अंत नहीं है। मनुष्य का अंत हो जाता है, पर लालसाओं का अंत नहीं होता। सृष्टि के रचयिता ने मनुष्य को ही विवेक से नवाजा, पर साथ में असंतोष और लालच जैसे भयानक दुर्गुण भी पैदा कर दिए। इस विषय में महात्मा गांधी जी के अनमोल विचार थे 'कि पृथ्वी हर किसी की आवश्यकता को पूरा करने के लिए पर्याप्त है, पर हर किसी के लालच को पूरा करने के लिए नहीं।' पर क्या कभी किसी ने सोचा है कि जिन वस्तुओं का हम अंधाधुंध प्रयोग कर रहे हैं, वे हमें कहां से प्राप्त हो रही हैं? यह सब हमें पृथ्वी के अंदर छिपे भंडारों का अति दोहन करके प्राप्त कर रहे हैं जिन्हें खनिज कहते हैं, जो हमारे जीवन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। छोटी सी सूई से लेकर विशाल जहाज तक खनिजों से ही बनाए जाते हैं। ऊंचे-ऊंचे भवनों, कल-कारखानों, यातायात के साधनों को बनाने में इनका प्रयोग होता है। इनको चलाने के लिए ईंधन भी हमें खनिज से प्राप्त होते हैं।

कुछ अलग

मुद्दा (मुर्गा) किसने खाया?

तालीफ हैदर की एक गज़ल है- 'सवाल क्या है जवाब क्या है, ये उज़्र-ए-ख़ाना-ख़राब क्या है।' यहां उज़्र-ए-ख़ाना-ख़राब का मतलब है- टालमटोल। हैदर साहिब के सवाल-जवाब का हमें पता नहीं। पर देवभूमि में मुख्यमंत्री के हाल ही में सम्पन्न कुपवी दौरे के बाद नेता विपक्ष ने एक सवाल उछाला है कि खाने के दौरान उन्हें मुर्गा जंगली क्यों परोसा गया? सवाल यह नहीं कि मुख्यमंत्री ने परोसा मुर्गा खाया या नहीं? मुख्यमंत्री कहते हैं कि स्वास्थ्य कारणों से वह शाकाहारी हैं। पर मुझे विश्वास है कि वह दूधाधारी नहीं हो सकते। अगर दूधाधारी होते तो राजनीति में क्या करते? गुरु गोरखनाथ की तरह लोहे की बेडियां पहन कर दूध पीते हुए कहीं जोग साधते। पर विपक्ष का सवाल है कि उन्हें जंगली मुर्गा क्यों परोसा गया? इसका अर्थ है कि अगर परोसना ही था तो उन्हें पाला हुआ या पोल्ट्री मुर्गा परोसा जा सकता था। पर इधर भी विपक्ष एकमत नहीं। कुछ विपक्षी प्रवक्ताओं का कहना है कि देवभूमि में जंगली जानवरों का भी उतना ही सम्मान है, जितना पालतु पशुओं का। लेकिन इन प्रवक्ताओं ने यह नहीं बताया कि कटते तो पालतु पशु भी हैं। नेता विपक्ष का मानना है कि जंगली मुर्गा परोसना वाइल्ड लाईफ प्रोटेक्शन एक्ट का सरासर उल्लंघन है। उन्हें मुख्यमंत्री को उसका परोसना अखर गया। लेकिन उन्होंने यह सवाल नहीं उठाया कि जंगली मुर्गा मारा किसने? ज़ाहिर है कि मुख्यमंत्री या उनका अमला तो गया नहीं होगा जंगली मुर्गे का शिकार करने। उनका अमला तो कभी फाईव स्टार होटल से समोसे लेने भी नहीं जाता। पर मुख्यमंत्री के नाम पर लाए गए समोसों को चट ज़रूर कर जाता है। फिर डीएसपी साहिब भी शाकाहारी निकले। नहीं तो हर तरह के मुर्गों का शिकार करने में माहिर पुलिस पर यह आरोप बेसाख्ता मढ़ा जा सकता था। हां, यह पता नहीं लग पाया कि वहां डीएफओ साहिब थे या नहीं। अगर होते तो राज्य में अब तक रही सभी दलों की सरकारों के वन मंत्रियों की सेवा में माहिर जंगलात महकमे पर यह आरोप आसानी से मढ़ा जा सकता था। स्टेट सीआईडी के पास और कोई काम तो है नहीं। बेचारी ने समोसों की जांच की तो देश भर में सोशल मीडिया पर उसकी भद पिट गई। ऐसे में अगर मुख्यमंत्री चाहें तो विपक्ष के आरोपों को भोथरा साबित करने के लिए सीआईडी को मुर्गे की जांच सौंप सकते हैं। हां, जांच के दौरान सीआईडी का ध्यान मुर्गे की जांच पर होगा या उसकी टांग पर, यह कहना जऱा मुश्किल है। पर इतना अवश्य कहा जा सकता है कि जांच में मुर्गा पहाड़ी ही निकलेगा। वह चाहे पोल्ट्री का हो, घरेलू हो या जंगली। बेचारा मरने से पहले रहा तो पहाड़ों में ही होगा। विपक्ष ने मुख्यमंत्री को दिए गए भोज में जंगली मुर्गे को परोसने का आरोप तो लगा दिया, पर मुर्गों की संख्या नहीं बताई। मुख्यमंत्री के साथ इतने बड़े अमले और ग्रामीणों के लिए कितने मुर्गे मारे गए होंगे, अगर विपक्ष ने इसकी संख्या भी बता दी होती तो सरकार मुर्गों के जंगली होने और उनकी संख्या के सवाल में उलझ सकती थी। हिमाचल विधानसभा का शीतकालीन सत्र शुरू होने वाला है और विपक्ष के पास सरकार को घेरने के लिए मुद्दों की कमी नहीं। उसके पास गोबर है, कम्पोस्ट है, टॉयलेट टैक्स है, समोसे हैं, प्रेशर कुकर हैं और अब मुर्गा भी। अगर नहीं है तो आम आदमी के जीवन से जुड़ा कोई मुद्दा। जब देश की संसद ही सत्ता और विपक्ष के शोर से सराबोर है तो राज्य विधानसभा में उससे जुड़े मुद्दों पर कौन बहस करेगा? ऐसे में आम आदमी सरकार और विपक्ष दोनों से सवाल उठा सकता है कि उसका मुद्दा (मुर्गा) किसने खाया? उधर जानकारों का मानना है कि आम आदमी से जुड़े मुद्दों को खाने के मामले में सरकार और विपक्ष, दोनों का सुरसाई चरित्र एक जैसा ही है। बस फेर है तो समय का। कभी एक दल सत्ता में होता है तो कभी दूसरा।

देश दुनिया से

बोरवेल में अटकती मासूम सांसें

देश के विभिन्न हिस्सों में खुले बोरवेल मासूम बच्चों के लिए लगातार काल बन रहे हैं। पिछले कुछ वर्षों में ही सैंकड़ों बच्चे बोरवेल में समाकर दम तोड़ चुके हैं, लेकिन ऐसे हादसों पर लगाम कसने में सफलता नहीं मिल रही है। केवल राजस्थान के दौसा जिले में ही साढ़े तीन महीने में चार बोरवेल हादसे सामने आ चुके हैं, लेकिन न तो लोग ऐसे हादसों को लेकर चेतने को तैयार हैं, न ही प्रशासन की नींद टूट रही है। 28 अगस्त को दौसा के एक गांव में 45 वर्षीय किसान रामनिवास मीणा अपने ही खेत में बोरवेल में गिरकर मौत के आगोश में समा गया था। 18 सितंबर को दौसा के जोधपुरिया गांव में 2 साल की बच्ची नीरू अचानक 600 फीट गहरे बोरवेल में गिर गई थी जिसे एनडीआरएफ और एसडीआरएफ की टीमों ने ऑपरेशन चलाकर बोरवेल के पास 35 फीट गहरा गड्ढा खोदकर सुरक्षित बाहर निकाल लिया था। 25 अक्तूबर को दौसा के मंडावरी गांव में 44 साल का एक किसान हेमराज गुर्जर अपने खेत में काम करते हुए 150 फीट गहरे बोरवेल में गिरकर 32 फीट की गहराई पर फंस गया था, जिसे रेस्क्यू ऑपरेशन के बाद भी बचाया नहीं जा सका। 9 दिसंबर को दोपहर 3 बजे दौसा के ही कालीखाड़ गांव में 5 साल का आर्यन अपने घर के पास एक खेत में बने 160 मीटर गहरे पुराने बोरवेल में गिरकर 147 मीटर पर अटक गया था, जिसे बचाने के लिए राष्ट्रीय और प्रदेश स्तर की आपदा प्रबंध टीमें दो दिन से भी ज्यादा समय तक मशक्कत करती रही, लेकिन आर्यन को बचाया नहीं जा सका। बीते कुछ ही वर्षों में बोरवेल के ऐसे हादसों में कई मासूम दर्दनाक मौत की नींद सो चुके हैं। विडंबना है कि ऐसे हादसों को रोकने के लिए समाज में कहीं कोई जागरूकता नजर नहीं आती। ऐसे हादसों में बहुत ही कम बच्चों या लोगों को बचाने में सफलता मिलती है। इसलिए खेतों में बोरवेल के खुले होने को लेकर देशव्यापी बहस छेड़े जाने की सख्त जरूरत महसूस होने लगी है। एनडीआरएफ की एक रिपोर्ट के अनुसार पिछले कुछ वर्षों में कई बच्चे बोरवेल में गिर चुके हैं, लेकिन उन्हें बचाने में 70 प्रतिशत रेस्क्यू ऑपरेशन नाकाम रहे हैं। ऐसे हादसों को लेकर सबसे बड़ा प्रश्न यही है कि मासूम बच्चों की समाधि बनते इन बोरवेल हादसों को लेकर समाज से लेकर पूरा सिस्टम आखिर कब गंभीर होगा? एनडीआरएफ के मुताबिक बोरवेल उपयोग के मामले में भारत पूरी दुनिया में नंबर-1 पर है और बोरवेल से जुड़े अधिसंख्य हादसों में छोटे बच्चे ही शिकार बनते हैं, जिनमें से महज 30 प्रतिशत बच्चों के ही सुरक्षित बाहर निकाले जाने की संभावना होती है। बोरवेल में गिरने के करीब 92 प्रतिशत मामलों में 10 वर्ष से कम आयु के बच्चे ही होते हैं। एनडीआरएफ की एक रिपोर्ट के अनुसार बोरवेल के पानी से शहरी और औद्योगिक जरूरतों की करीब 50 फीसदी पूर्ति होती है। इसके अलावा बोरवेल के पानी से कृषि संबंधी करीब 55 फीसदी जरूरतें पूरी होती हैं। यही नहीं, ग्रामीण क्षेत्र तो पानी की अपनी जरूरतों के लिए 80 फीसदी से भी ज्यादा बोरवेल पर ही निर्भर हैं। आंकड़े देखें तो भूगर्भ जल विभाग के अनुमान के अनुसार देशभर में करीब 2.7 करोड़ बोरवेल हैं, लेकिन सक्रिय बोरवेल की संख्या, अनुपयोगी बोरवेल की संख्या और उनके मालिक का राष्ट्रीय स्तर पर कोई डाटाबेस नहीं है और चिंता की बात यह है कि सुप्रीम कोर्ट की सख्त टिप्पणियों के बावजूद सिस्टम भी ऐसे हादसों को लेकर गंभीर नहीं है। यही कारण है कि सुप्रीम कोर्ट की टिप्पणियों, कानूनी संशोधनों और तमाम सख्ती के बावजूद ऐसे हादसे रुक नहीं रहे। बोरवेल खुदाई को लेकर अलग-अलग राज्यों के हाईकोर्ट के भी कई निर्देश हैं और इस संबंध में सुप्रीम कोर्ट कह चुका है कि नियमों का पालन कराने की जिम्मेदारी कलेक्टर की होगी, जो सुनिश्चित करेंगे कि केन्द्रीय या राज्य की एजेंसी द्वारा सर्वोच्च न्यायालय द्वारा जारी मार्गदर्शिका का सही तरीके से पालन हो। तत्कालीन मुख्य न्यायाधीश एसएच कपाडिया, जस्टिस राधाकृष्णन और जस्टिस स्वतंत्र कुमार की सुप्रीम कोर्ट की खंडपीठ ने बच्चों को गंभीर बोरवेल हादसों से बचाने के लिए एक रिट पिटीशन पर सुनवाई कर 6 अगस्त 2010 को एक आदेश पारित किया था और उसी समय से यह फैसला देशभर में लागू है, लेकिन इसका सही तरीके से पालन कराया जाना आज तक सुनिश्चित नहीं किया गया है। विडंबना है कि सुप्रीम कोर्ट के सख्त दिशा-निर्देशों के बावजूद कभी ऐसे प्रयास होते नहीं दिखे, जिससे ऐसे मामलों पर अंकुश लग सके। सुप्रीम कोर्ट के दिशा-निर्देशों के अनुसार बोरवेल की खुदाई से पहले कलेक्टर अथवा ग्राम पंचायत को लिखित सूचना देनी होगी। खुदाई करने वाली सरकारी, अद्र्धसरकारी संस्था या ठेकेदार का पंजीयन होना चाहिए। बोरवेल खुदवाने के कम से कम 15 दिन पहले डीएम, ग्राउंड वाटर डिपार्टमेंट, स्वास्थ्य विभाग और नगर निगम को सूचना देना अनिवार्य है। बोरवेल की खुदाई वाले स्थान पर साइन बोर्ड लगाया जाना चाहिए और खुदाई के दौरान आसपास कंटीले तारों की फेंसिंग की जानी चाहिए तथा फैसिंग पाइप के चारों ओर सीमेंट अथवा कंक्रीट का 0.3 मीटर ऊंचा प्लेटफार्म बनाना चाहिए। बोरवेल के मुहाने पर स्टील की प्लेट वेल्ड की जाएगी या उसे नट-बोल्ट से अच्छी तरह कसना होगा। बोरवेल की खुदाई पूरी होने के बाद खोदे गए गड्ढे और पानी वाले मार्ग को समतल किया जाएगा। खुदाई अधूरी छोडऩे पर मिट्टी, रेत, बजरी, बोल्डर से बोरवेल को जमीन की सतह तक भरा जाना चाहिए। अदालत के इन दिशा-निर्देशों का पालन कहीं होता नहीं दिख रहा और न ही नियमों का पालन नहीं करने वालों के खिलाफ कोई कार्रवाई होती दिखती है। हालांकि कोई भी बोरवेल हादसा होने के बाद प्रशासन द्वारा बोरवेल खुला छोडऩे वालों के खिलाफ अभियान चलाकर सख्ती की बातें हर बार दोहरायी जाती हैं, लेकिन बार-बार सामने आते ऐसे हादसे यह समझने के लिए पर्याप्त हैं कि सख्ती की ये बातें कोई अप्रिय घटना सामने आने पर लोगों के उपजे आक्रोश के शांत होने तक ही बरकरार रहती हैं। देश में प्रतिवर्ष औसतन 50 बच्चे बेकार पड़े खुले बोरवेलों में गिर जाते हैं, जिनमें से बहुत से बच्चे इन्हीं बोरवेलों में जिंदगी की अंतिम सांसें लेते हैं। ऐसे हादसे हर बार किसी परिवार को जीवनभर का असहनीय दुख देने के साथ-साथ समाज को भी बुरी तरह झकझोर जाते हैं। ऐसे हादसों में न केवल निर्बोध मासूमों की जान जाती है, बल्कि रेस्क्यू ऑपरेशनों पर अथाह धन, समय और श्रम भी नष्ट होता है। प्रायः होता यही है कि तेजी से गिरते भू-जल स्तर के कारण नलकूपों को चालू रखने के लिए कई बार उन्हें एक जगह से दूसरी जगह स्थानांतरित करना पड़ता है और पानी कम होने पर जिस जगह से नलकूप हटाया जाता है, वहां लापरवाही के चलते बोरवेल खुला छोड़ दिया जाता है।

आप का नजरिया

सरकारी स्कूलों में दीमक

प्राइमरी शिक्षा ही अगर अपना बदन निजी स्कूलों में छुपाने लगे तो विभाग को अपना माथा ठोंक लेना चाहिए। एक पूरी सरकारी पद्धति, शिक्षाविदों के कारनामों, पदों की नुमाइश और योजनाओं के लबादे उन आंकड़ों में मुंह छिपा रहे हैं जहां मात्र 2607 निजी स्कूल पचास फीसदी से अधिक छात्रों का प्रवेश करा रहे हैं। सरकारी प्राइमरी स्कूलों की संख्या दस हजार से भी ऊपर है। ऐसे में शिक्षा के मानदंड कैसे तय होंगे और यह भी कि शिक्षा की मद में हो रहा व्यय आखिर व्यर्थ क्यों होने लगा। अभिभावकों की दृष्टि में पहली पसंद अगर निजी स्कूल बन रहे हैं, तो यह सार्वजनिक व्यय से खड़े किए गए शिक्षण संस्थानों की वास्तविक स्थिति है, जहां पूरी व्यवस्था चौपट हो रही है। यह अंतर या गिरावट एक साल की नहीं है, बल्कि धीरे-धीरे दीमक चाट रही है। हिमाचल के नागरिक समाज का भरोसा सरकारी क्षेत्र से घट रहा है। इसे केवल शिक्षा-चिकित्सा ही नहीं, बल्कि परिवहन, पर्यटन और अन्य सेवाओं में देखा जा सकता है। इस हालत के लिए अगर हमारा राजनीतिक ढांचा दोषी है, तो सामाजिक अपेक्षाएं भी कम दोषी नहीं। हमारी शिक्षा ने युवाओं को उपलब्ध रोजगार से इतना दूर कर दिया कि ग्रामीण व कृषि-बागबानी आर्थिकी पूरी तरह डूब गई। रोजगार का हुनर गुम हो गया, नतीजतन अगर हिमाचल में सिड्डू का व्यापार भी बाहरी लोग कर रहे हैं, तो वहां शिक्षा के दस्तूर को समझा जा सकता है। हमारा युवा बीबीएन के विस्तार में आखिर है कहां। उसने तो नगरोटा या घुमारवीं कालेज से ऐसे विषय में स्नातकोत्तर डिग्री धारण की है, जो उसे न तो रोजगार के बाजार और न ही अपने पांवों पर खड़ा कर सकती है। हिमाचल में शिक्षा के अर्थ और आदर्श जिस खेत को जोत रहे थे, वे बंजर हो चुके हैं। पहले ही रोजगार कार्यालयों का औचित्य डूब चुका है और कलंकित पद्धति में अधीनस्थ सेवा चयन आयोग का आत्मबल लुट चुका है। हमारी सरकारों से यही अपेक्षा रही कि स्कूल-कालेज खुलते रहें और सरकारी नौकरी के ढोल बजते रहें। अब स्कूल-कालेज के प्रति रुझान घटा तो सरकारी नौकरी का डंका भी नई क्षमता, प्रतिस्पर्धा की नई ओज और डिग्री में रोजगार की खोज करते वे प्रदेश से बाहर निकल गए हैं। यह स्थिति आगे चलकर सरकारी शिक्षण संस्थानों को और खाली कर देगी। ऐसे में सरकारी स्कूल को औकात में रहना और औकात में चलना सीखना होगा। शिक्षा के स्तर को मापते अभिभावक न केवल सरकारी स्कूलों को दरकिनार कर रहे, बल्कि हिमाचल प्रदेश स्कूल शिक्षा बोर्ड के पाठ्यक्रम को भी पीछे छोड़ रहे हैं। आईसीएसई और सीबीएसई पाठ्यक्रमों की धाक में राष्ट्रीय मूल्यांकन की भूख, आगे बढऩे की प्रेरणा और न्यू प्रोफेशन के सफर का रास्ता देखा जा रहा है। साल दर साल प्रदेश के बच्चे दिल्ली विश्वविद्यालय के कालेजों में प्रवेश पाकर तालीम के साथ खुद को भी मुकम्मल कर रहे हैं। इस साल करीब दो हजार बच्चे जिनमें छात्राएं अधिक हैं, दिल्ली कूच कर गए, तो यह सफर बहुत कुछ नकार रहा है। नाकारा घोषित होते रहे शहरी स्कूलों को बचाने के लिए इन्हें नई रैंकिंग के तहत संवारना होगा।

खबरें जो सोच बदल दे
शुभ लाभ
हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

राज्यसभा में संविधान पर चर्चा में बोले अमित शाह

चश्मा अगर विदेशी हो, तो संविधान में नहीं दिखेगा भारत

नई दिल्ली, 17 दिसंबर (एजेंसियां)। राज्यसभा में संविधान पर हो रही चर्चा में अपना विचार रखते हुए केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कहा, यह चर्चा हमारे संविधान के कारण देश कितना आगे बढ़ा, इसका अहसास जनता को कराएगा। उन्होंने कहा, संविधान पर दोनों सदनों में जो चर्चा हुई है, वह आने वाली पीढ़ियों के लिए प्रेरक होगी। गृह मंत्री ने कहा, सरदार पटेल की वजह से देश मजबूत हुआ है।

गृह मंत्री ने कहा, बहुत लंबी आजादी की लड़ाई के बाद हम आजाद हुए। जब हम आजाद हुए तब दुनियाभर के राजनीतिक पंडितों ने कहा था कि यह देश बिखर जाएगा। शायद बन ही नहीं पाएगा। कुछ लोगों ने कहा था कि यहां लोकतांत्रिक मूल्य प्रतिस्थापित हो ही नहीं पाएंगे। एकता हो ही नहीं पाएगी और यह देश आर्थिक रूप से कभी आत्मनिर्भर नहीं होगा। आज 75 साल के समय के बाद संविधान को स्वीकार करने के बाद पीछे मुड़कर देखते हैं, तो सरदार पटेल का मैं धन्यवाद करना चाहता हूं। सरदार पटेल के अथक परिश्रम के कारण देश आज एकजुट होकर दुनिया के सामने मजबूती से खड़ा है। शाह ने आगे कहा, जो कहते थे कि इस देश में लोकतंत्र सफल नहीं होगा। मैं उन सभी लोगों को सदन के माध्यम से कहना चाहता हूं कि 75 साल हो गए, हमारे पास-पड़ोस और दुनियाभर में लोकतंत्र सफल नहीं हुए। लेकिन हमारा लोकतंत्र आज पाताल तक गहरा है। रक्त की एक बूंद बहाए बगैर हमने अनेक परिवर्तन किए और विचारधाराओं के आधार पर भी हमने परिवर्तन किए।

शाह ने कहा, अनेक तानाशाहों के गुमान को चकनाचूर करने का काम इस देश की जनता ने किया है। लोकतांत्रिक तरीके से किया है। जो कहते थे कि भारत आर्थिक तौर पर कभी आत्मनिर्भर नहीं हो पाएगा, उन्हें भी हमारी जनता और संविधान की खूबसूरती ने जवाब दिया है। हम आज दुनिया का पांचवां अर्थ तंत्र बनकर दुनिया के सामने खड़े हैं। आज हम जिस मुकाम पर खड़े हैं, उस मुकाम पर महर्षि अरविंद और स्वामी विवेकानंद की वो भविष्यवाणी सच होती दिखाई पड़ती है कि भारत माता अपनी देदीप्यमान ओजस्वी स्वरूप में जब खड़ी होंगी, तब दुनिया की आंखें चकाचौंध हो जाएगी और पूरी दुनिया रौशनी के साथ भारत की ओर देखेगी।

केंद्रीय गृह मंत्री ने कहा, कोई ये न समझे कि हमारा संविधान दुनिया के संविधानों की नकल है। हां, हमने हर संविधान का अभ्यास जरूर किया है, क्योंकि हमारे यहां ऋग्वेद में कहा गया है, हर कोने से हमें अच्छाई प्राप्त हो, सुविचार प्राप्त हो, और सुविचार को स्वीकारने के लिए मेरा मन खुला हो। हमने सबसे अच्छा लिया है, लेकिन हमने हमारी परंपराओं को नहीं छोड़ा है। पढ़ने का चश्मा अगर विदेशी है, तो संविधान में भारतीयता कभी दिखाई नहीं देगी। गृह मंत्री अमित शाह ने कहा, संविधान की रचना के बाद डॉ. अंबेडकर ने बहुत सोच समझकर एक बात कही थी कि कोई संविधान कितना भी अच्छा हो, अगर उसे चलाने वाले अच्छे न हों तो वह बुरा बन सकता है। उसी तरह से कोई भी संविधान कितना भी बुरा हो, वो अच्छा साबित हो सकता है, अगर उसे चलाने वालों की भूमिका सकारात्मक और अच्छी हो। ये दोनों घटनाएं हमने संविधान के 75 साल के कालखंड में देखी हैं।

हमारे संविधान को कभी भी अपरिवर्तनशील नहीं माना गया। समय के साथ साथ देश भी बदलना चाहिए, समय के साथ साथ कानून भी बदलने चाहिए और समय के साथ साथ समाज भी बदलना चाहिए। परिवर्तन इस जीवन का मंत्र है, सत्य है। इसको हमारे संविधान सभी ने स्वीकार किया था। इसलिए आर्टिकल 368 में संविधान संशोधन के लिए प्रावधान किया गया था। अभी कुछ राजनेता आए हैं और 54 साल की आयु में अपने आप को युवा कहते हैं और घूमते रहते हैं कि संविधान बदल देंगे, संविधान बदल देंगे। मैं उनको कहना चाहता हूं कि संविधान के प्रावधानों को बदलने का प्रावधान अनुच्छेद 368 के अंदर संविधान में ही है।अमित शाह ने कहा कि, इस चुनाव में अजीबोगरीब नजारा देखा। किसी ने आम सभा में संविधान को लहराया नहीं। संविधान लहराकर, झूठ बोलकर जनादेश लेने का कुत्सित प्रयास कांग्रेस के नेताओं ने किया। संविधान लहराने का विषय नहीं है, संविधान तो विश्वास का विषय है, श्रद्धा का विषय है। लोकसभा में किसी को मालूम नहीं था, जागरूकता नहीं थी। महाराष्ट्र चुनाव में संविधान बांटे गए। एक पत्रकार के हाथ में वह आ गया। वह कॉपी कोरी थी। प्रस्तावना तक नहीं थी। 75 साल के इतिहास में संविधान के नाम पर इतना बड़ा छल हमने नहीं देखा है, न सुना है। हार का कारण ढूंढते हैं, बता दूं कि लोग जान गए कि संविधान की प्रति फर्जी लेकर घूमते हो तो लोगों ने हरा दिया।

राज्यसभा में संविधान पर चर्चा के दौरान केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने गांधी परिवार पर जमकर हमला बोला। अमित शाह ने कांग्रेस पर नागरिक अधिकारों के कत्ल के लिए संविधान संशोधन करने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि रातोरात इन्होंने ये द्वीप श्रीलंका को दे दिया और संसद के पास विषय ही नहीं आया। आज भी यह हमारा भूभाग है लेकिन हमारे पास नहीं है। आपने पार्टी को तो परिवार की जागीर समझ ली। संविधान को भी परिवार की जागीर समझ लिया है। संविधान के साथ ऐसा अन्याय दुनिया के किसी शासक ने नहीं किया होगा। अमित शाह ने आपातकाल को लेकर भी कांग्रेस को घेरा। उन्होंने कहा कि कई लोगों को इन्होंने जेल में डाल दिया था। जिसमें से कई लोग आज इनके साथ बैठे हैं। देश पर कोई हमला हुआ था क्या या देश में कोई आफत आ गई थी। बस इलाहाबाद हाईकोर्ट ने उनके निर्वाचन को अयोग्य ठहरा दिया था। नीरज डे एक यस सर कहने की वजह से 11 साल तक देश के अटॉर्नी जनरल रहे। मैं तो छोटा था, जेल में नहीं जाना पड़ा। मेरी आयु होती तो पूरे 19 महीने जेल में बंद रहना पसंद करता। अमित शाह ने बताया कि, कैसे उन्हें इमरजेंसी के बारे में बता चला? अमित शाह ने कहा, मैं बिनाका गीतमाला सुनता था। ये रेडियो पर आती थी और एक दिन अचानक बंद हो गई। मैंने घर मैं झगड़ा किया कि गीतमाला क्यों नहीं आती। मेरे पड़ोस वाले चाचा ने कहा कि किशोर कुमार के साथ इंदिरा जी का झगड़ा हो गया है। इसलिए बिनाका गीतमाला में किशोर कुमार का आवाज अब नहीं सुनाई देगी। लता दीदी की आवाज में फिर से रिकॉर्डिंग हुई और तब यह कार्यक्रम शुरू हुआ। ये इमरजेंसी में हुआ था। जब लाखों लोग बिना अपराध के जेल में डाल दिए गए थे।

अमित शाह ने आगे कहा कि, संविधान दिवस मनाने पर लोग सवाल करते हैं, इसको जितनी बार स्मरण करोगे उतनी ही संविधान पर आस्था मजबूत होगी। अमित शाह ने दुष्यंत कुमार की इमरजेंसी पर लिखी पंक्तियों को ससंद में पढ़ा। अमित शाह ने कहा कि जब संविधान बन रहा था, हर आर्टिकल पर चर्चा चल रही थी। हम आजाद हो गए थे लेकिन देश कोई नया नहीं बना है। दुनिया में सबसे पुराना जीवन लेकर निकले हुए देश हैं। आगे देश कैसे चले, बस इसका एक दस्तावेज बनाना था। अंग्रेज लिखकर गए थे इंडिया, वो भारत जानते ही नहीं थे। आजाद होने पर इस पर चर्चा हुई, सेठ गोविंद दास ने कहा कि नाम भारत होना चाहिए और जवाहरलाल नेहरू ने कहा था कि और पीछे देखने की जरूरत नहीं है, भविष्य की ओर देखने की जरूरत है और इंडिया भी रहा, भारत भी रहा। इंडिया के नजरिये से देखोगे तो भारत समझ नहीं आएगा।

अब कभी नहीं बनेगा आठवां वेतन आयोग, आएगा नया सिस्टम

नई दिल्ली, 17 दिसंबर (एजेंसियां)। केंद्रीय सरकारी कर्मचारियों के वेतन बढ़ाने को लेकर चर्चा जोरों पर है। सरकारी कर्मचारी आठवें वेतन आयोग के गठन के बारे में सोच रहे हैं। अभी तक सरकार की तरफ से 8वें वेतन आयोग को लेकर किसी तरह की जानकारी नहीं दी गई है। विशेषज्ञ बताते हैं कि केंद्र सरकार कोई नया सिस्टम लागू कर सकती है। सातवां वेतन आयोग 2016 में लागू किया गया था और कर्मचारियों को अब अगले रिवीजन की उम्मीद है। सातवें वेतन आयोग के बाद केंद्रीय कर्मियों का न्यूनतम वेतन 7000 रुपए से बढ़कर 18000 रुपए प्रति माह हो गया था। शीर्ष अधिकारियों की अधिकतम सैलरी 2.5 लाख रुपए प्रति माह तक पहुंच गई थी।

वेतन आयोग सरकार द्वारा गठित एक संस्था होती है जो केंद्रीय सरकारी कर्मचारियों के लिए सैलरी स्ट्रक्चर का सुझाव देने के साथ ही इसका रिव्यू करती है। आजादी के बाद से अब तक भारत में कुल 7 वेतन आयोग बन चुके हैं यानी हर एक का कार्यकाल करीब 10 साल का होता है। इन आयोग की सिफारिशों से ही लाखों कर्मचारियों और पेंशनभोगियों के लिविंग स्टैंडर्ड और इनकम पर असर पड़ता है। आमतौर पर हर 10 साल पर एक नए कमीशन का गठन होता है। अगर यही ट्रेंड बरकरार रहता है तो इसका जल्द ऐलान संभव है और 2026 तक इसे लागू किया जा सकता है। हालांकि, ऐसा लग रहा है कि इस बार सरकार एक अलग तरीका अपना सकती है।

कुछ बड़े सरकारी अधिकारियों ने संकेत दिए हैं कि सरकार कर्मचारियों की सैलरी बढ़ाने के लिए नए वेतन आयोग के गठन की जगह परफॉर्मेंस को आधार बना सकती है। आधिकारिक ऐलान नहीं होने के चलते फिलहाल कर्मचारियों में असमंजस की स्थिति है। वित्त मंत्रालय ने हाल ही में संसद में कहा था कि अभी आठवें वेतन आयोग को लेकर फिलहाल कोई योजना नहीं है। इसके बाद इस बात की चर्चा जोरों पर है कि क्या सरकार सैलरी बढ़ाने के लिए एक नए सिस्टम को लागू किया जा सकता है।सरकार एक नया परफॉर्मेंस-बेस्ड सिस्टम ला सकती है या फिर महंगाई दर को आधार बना सकती है। ऐसा होने से नियमित सैलरी एडस्टमेंट के लिए 10 साल तक इंतजार नहीं करना पड़ेगा। हालांकि, फिलहाल इस तरह की कोई स्पष्ट और आधिकारिक जानकारी नहीं है। सरकार हो सकता है कि पुराने तरीके पर टिकी रहे या फिर नए सिस्टम को अपनाए।

पाकिस्तान में पुलिस चेक पोस्ट पर आतंकी हमला, एएसआई और कांस्टेबल की मौत

इस्लामाबाद, 17 दिसंबर (एजेंसियां)। पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा प्रांत में आज तड़के सिंधु नदी के पास गुननगर काराकोरम राजमार्ग पर एक पुलिस चेक पोस्ट पर हुए आतंकी हमले में दो पुलिसकर्मियों की जान चली गई। जान गंवाने वालों में एक सहायक उप निरीक्षक और एक हेड कांस्टेबल है। इस हमले में तीन अन्य पुलिस कर्मचारी घायल हो गए, जिन्हें बट्टग्राम के जिला मुख्यालय अस्पताल पहुंचाया गया है।

पुलिस अधिकारियों ने कहा कि यह हमला खैबर पख्तूनख्वा प्रांत में शांगला जिले की चकेसर तहसील के गुननगर इलाके की पुलिस चेकपोस्ट पर किया गया। आतंकवादियों के हमले में दो पुलिसकर्मी शहीद हो गए, जबकि तीन अन्य घायल हो गए। अधिकारियों ने कहा कि प्रतिबंधित आतंकी संगठन तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान (टीटीपी) के 2022 में सरकार के साथ हुए युद्धविराम समझौते को तोड़ने के बाद हमलों में तेजी आई है। आतंकवादी बलूचिस्तान और खैबर पख्तूनख्वा प्रांत में लगातार पुलिस और सुरक्षा बलों को निशाना बना रहे हैं। आंतरिक मंत्रालय के अनुसार पिछले 10 महीनों में 1,566 आतंकवादी घटनाएं हुई हैं। इनमें अकेले खैबर पख्तूनख्वा प्रांत में 948 हमले हुए। इनमें 924 जवान और अधिकारी मारे गए। शांगला जिला पुलिस अधिकारी (डीपीओ) के प्रवक्ता उमर रहमान के अनुसार गुननगर चेक पोस्ट हमले में अलपुरी के सहायक उप निरीक्षक मोहम्मद हसन और हेड कांस्टेबल निसार अहमद की मौत हुई, जबकि तीन कांस्टेबल घायल हो गए। रहमान ने कहा कि चेक पोस्ट पर रॉकेट लॉन्चर और हथगोले फेंके गए। इससे चेक पोस्ट की दीवारें ढह गईं और एक कांस्टेबल नीचे दब गया। घायल पुलिसकर्मियों को बट्टग्राम के जिला मुख्यालय अस्पताल पहुंचाया गया। उन्होंने बताया कि हमले के बाद दूसरे जिलों से पुलिस बल बुलाया गया और इलाके की घेराबंदी की गई है। पिछले तीन दिनों में यह दूसरा आतंकी हमला है। इससे पहले पूरन तहसील में मुस्लिम कांडाव चेक पोस्ट पर हुए हमले में एक नागरिक की मौत हो गई थी और दो पुलिसकर्मी घायल हो गए थे।

अमेरिका में स्कूली छात्रा ने शिक्षक समेत दो को मौत के घाट उतार की आत्महत्या

वाशिंगटन। संयुक्त राज्य अमेरिका के विस्कॉन्सिन प्रांत की राजधानी मैडिसन में सोमवार सुबह एक 15 वर्षीय छात्रा ने पिस्तौल से गोली चलाकर एक शिक्षक और छात्र की हत्या कर दी। इसके बाद गोली मारकर आत्महत्या कर ली। यह खूनी खेल एबंडेंट लाइफ क्रिश्चियन स्कूल में खेला गया। इस गोलीबारी में छह अन्य घायल हो गए। मैडिसन के पुलिस प्रमुख शॉन बार्न्स ने कहा कि हमलावर छात्रा 15 वर्षीय नताली रूपनोव स्कूल के पास खून से लथपथ मिली, लेकिन अस्पताल पहुंचाने से पहले उसने दम तोड़ दिया। वह इसी स्कूल में पढ़ती थी। उसने यह खूनखराबा क्यों किया, यह अब तक साफ नहीं हो सका है ।पुलिस प्रमुख के अनुसार पुलिस जांच अधिकारियों ने दोपहर को नताली के घर की तलाशी ली। उसका परिवार जांच में सहयोग कर रहा है। नताली ने इस हत्याकांड में 9 मिलीमीटर के पिस्तौल का इस्तेमाल किया। घटनास्थल पर एक हैंडगन बरामद किया गया।

दक्षिण कोरिया के सेना प्रमुख जनरल पार्क एन-सु गिरफ्तार

सियोल। दक्षिण कोरिया के सेना प्रमुख जनरल पार्क एन-सु को आज गिरफ्तार कर लिया गया। उन पर

अल्पकालिक मार्शल लॉ लागू करने में मुख्य भूमिका निभाने का आरोप है। जनरल पार्क को गिरफ्तार करने की पुष्टि अभियोजकों ने की है। अभियोजकों ने कहा कि सेना प्रमुख जनरल पार्क एन-सु को मंगलवार को गिरफ्तार कर लिया गया। पार्क को विद्रोह में मुख्य भूमिका निभाने और सत्ता के दुरुपयोग के आरोप में अदालत से वारंट होने के बाद गिरफ्तार किया गया। इस मामले में इससे पहले पूर्व रक्षामंत्री किम योंग-ह्यून, डिफेंस काउंटर इंटेलिजेंस कमांड के प्रमुख लेफ्टिनेंट जनरल येओ इन-ह्युंग, आर्मी स्पेशल वार फेयर कमांड के प्रमुख लेफ्टिनेंट जनरल क्वाक जोंग-क्यून और लेफ्टिनेंट जनरल ली कैपिटल डिफेंस कमांड के प्रमुख जिन-वू को गिरफ्तार किया जा चुका है।

अबु मोहम्मद अल-जुलानी क्या मोसाद का सक्रिय एजेंट...सोशल मीडिया पर किए जा रहे दावे

दमिश्क , 17 दिसंबर (एजेंसियां)।

सीरिया में बशर अल-असद की सरकार का तख्तापलट हुए करीब एक हफ्ते से ज्यादा समय बीत चुका है! फिलहाल मुल्क में अंतरिम सरकार सत्ता देख रही है, लेकिन प्रमुख विद्रोही गुट के टॉप लीडर अबु मोहम्मद अल-जुलानी को लेकर गंभीर सवाल खड़े हो रहे है। दावा किया जा रहा है कि सीरियन विद्रोही गुट हयात तहरीर अल-शाम (एचटीएस) गुट के लीडर जुलानी इजराइली खुफिया एजेंसी मोसाद के एजेंट हैं।

वहीं दमिश्क पर कब्जे के बाद से जुलानी ने इजराइल को लेकर काफी नरम रुख दिखाया है। हिजबुल्लाह के करीबी माने जाने वाले लेबनानी अखबार के अनुसार, दमिश्क पर शासन कर रहे विद्रोही समूह हयात तहरीर अल-शाम (एचटीएस) ने सीरिया में हमास और इस्लामिक जिहाद सहित तमाम सशस्त्र फ़िलिस्तीनी समूहों को हथियार डालने, सैन्य संगठनों को भंग करने और प्रशिक्षण ठिकानों को बंद करने का आदेश दिया है। एचटीएस ने इन समूहों से कहा है कि वह सीरियाई सरकार की देखरेख में धार्मिक और राजनीतिक गतिविधियां कर सकते हैं, लेकिन उन्हें सीरियाई क्षेत्र को इजराइल के खिलाफ सैन्य अभियानों [illegible] अनुमति **ओटावा, 17 दिसंबर (एजेंसियां)।** नहीं है। राजधानी दमिश्क पर एचटीएस के कब्जे के बाद से इजराइल ने भी सीरिया पर कब्जे वाले क्षेत्र को बढ़ा लिया है। सीरिया का गोलान हाइट्स इलाका कई दशकों से इजराइल के कब्जे में है और बशर सरकार के हटते ही इजराइल ने इससे आगे बढ़कर बफर जोन पर भी कब्जा किया है। कई मीडिया रिपोर्ट्स में दावा किया गया है कि इजराइली सेना अब दमिश्क से करीब 25 किलोमीटर दूर है। उधर, कुछ दिनों पहले विद्रोही गुट के लीडर अल-जुलानी से जब दक्षिणी सीरिया में इजराइली आक्रमण और कब्जे को लेकर सवाल पूछा गया था, तब उन्होंने इसमें दखल देने से साफ तौर पर मना किया था। जुलानी ने कहा था कि 'सीरिया, इजराइल के साथ एक और जंग में शामिल नहीं होने जा रहा है, देश एक और जंग के लिए तैयार नहीं है। हमारे लिए सबसे बड़ा खतरा हिजबुल्लाह और ईरान समर्थित शिया मिलिशिया हैं। दरअसल सोशल मीडिया में जुलानी की एक तस्वीर वायरल खूब हो रही है, इस तस्वीर में वह खाकी रंग की टैक्टिकल गियर पहने दिख रहे हैं। दावा किया जा रहा है कि जुलानी ने जो टैक्टिकल गियर पहना हुआ है, उसका निर्माण एक इजराइली कंपनी करती है। वहीं इस कंपनी की वेबसाइट खंगालने पर पता चलता है कि यह टैक्टिकल गियर चाइनीज कंपनी की कॉपी है। यानी यह किसी असली ब्रांड का टैक्टिकल गियर नहीं है। कौन है अबु मोहम्मद अल-जुलानी साल 1982 में सऊदी अरब के एक पेट्रोलियम इंजीनियर के घर पर जुलानी का जन्म हुआ। जुलानी जब 7 साल के थे तब उनका परिवार सीरिया आ गया। रिपोर्ट्स के मुताबिक साल 2003 में जुलानी अल-कायदा से जुड़ गया। इसके बाद साल 2011 में सीरिया गृहयुद्ध की शुरुआत के दौरान उसने 'जबात अल-नुसरा' नाम का संगठन बनाया। यह समूह अल-कायदा का सहयोगी था और संगठन को स्थापित करने में आईएसआईएस के आतंकी बगदादी ने बड़ी भूमिका निभाई। उधर 2016 में खुद को आधुनिक और उदारवादी के तौर पर पेश करने के लिए जुलानी ने अल-कायदा से नाता तोड़कर 'जबात अल-नुसरा' को भंग कर नया संगठन बनाया।

पाकिस्तान में रहमान बाबा एक्सप्रेस ट्रेन की तीन बोगी पटरी से उतरी

कराची। पाकिस्तान में कराची से पेशावर जा रही रहमान बाबा एक्सप्रेस के तीन डिब्बे आज ड्रिघ रोड स्टेशन पर पटरी से उतर गए। रेलवे अधिकारियों के मुताबिक, डिब्बों को जोड़ने वाले कपलर के टूट जाने के कारण यह हादसा हुआ। सौभाग्य से किसी भी यात्री को कोई नुकसान नहीं पहुंचा। हादसे की वजह से रेल सेवाएं बाधित हो गईं। डाउन ट्रैक पर परिचालन दो घंटे बाद शुरू हो पाया। पहली ट्रेन के रूप में पाकिस्तान एक्सप्रेस रवाना हुई। अप ट्रैक पर यातायात सामान्य होने पर समय लगेगा। काराकोरम एक्सप्रेस और बिजनेस एक्सप्रेस सहित कई सेवाएं प्रभावित हुईं। रेल अधिकारियों ने कहा कि ईरान से सल्फर कार्गो लेकर आ रही एक मालगाड़ी को रास्ते में रोक दिया गया है। इसके अतिरिक्त अल्लामा इकबाल एक्सप्रेस और मिल्लत एक्सप्रेस को भी देरी का सामना करना पड़ रहा है।

शरीर में जमने वाले फैट बढ़ा सकते जोखिम को

शरीर के इन हिस्सों में फैट जमना खतरनाक

लंदन, 17 दिसंबर (एजेंसियां)। लंदन में किंग्स कॉलेज के न्यूट्रिशन साइंस की असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ सारा बेरी ने इंटरव्यू दिया। इंटरव्यू में डॉ. सारा ने बताया, शरीर में जमने वाले कुछ तरह के फैट गंभीर स्थितियों के जोखिम को बढ़ा सकते हैं। विसरल फैट जमने से शरीर में हानिकारक कैमिकल का उत्पादन बढ़ जाता है जिससे सूजन, टाइप 2 डायबिटीज जैसी बीमारियां हो सकती हैं। कई लोग अपने शरीर के हिस्सों में जमे फैट से परेशान रहते हैं। महिलाओं के शरीर में जमा हुआ फैट उनकी सेहत का राज बताता है। शरीर के कौन से हिस्से में जमा फैट फायदेमंद होता है और कौन से हिस्से में जमा फैट खतरनाक होता है, यह भी जान लीजिए। रिपोर्ट के मुताबिक, हिप्स पर फैट जमना अच्छा माना जाता है। एक्सपर्ट का मानना है कि हिप्स एरिया में फैट जमना शरीर के लिए फायदेमंद होता है लेकिन फैट इतना अधिक नहीं बढ़ना चाहिए कि वह मसल्स को दबाने लगे। फ्लोरिडा हॉस्पिटल सैनफोर्ड-बर्नहैम ट्रांसलेशनल रिसर्च इंस्टीट्यूट फॉर मेटाबॉलिज्म और डायबिटीज के एक्सपर्ट ने हिप्स फैट की जांच की। मुख्य रिसर्चर्स डॉ स्टीवन स्मिथ के मुताबिक, हिप्स में फैट जमा होने से हार्ट डिसीज और डायबिटीज का खतरा कम हो सकता है। जिन महिलाओं को हार्ट अटैक आता है उनमें जांघ की तुलना में टमी एरिया में फैट अधिक होता है। एक्सपर्ट के मुताबिक, महिलाओं में ब्रेस्ट का साइज बड़ा होने से कई बीमारियों का खतरा बढ़ सकता है। 2008 में की गई रिसर्च के मुताबिक, बड़े ब्रेस्ट वाली 20 साल की लड़कियों में अगले 10 सालों में डायबिटीज का खतरा बढ़ गया था। 2012 में वैज्ञानिकों ने पाया था कि बड़े ब्रेस्ट से कोई जोखिम नहीं था लेकिन उससे विसरल फैट जमने का जोखिम बढ़ जाता है।वैज्ञानिकों का मानना है कि बड़े ब्रेस्ट वाली महिलाओं में उम्र, गर्भावस्था, ब्रेस्ट फीडिंग और जेनेटिक हिस्ट्री के बिना भी स्तन कैंसर विकसित होने की अधिक संभावना हो सकती है। बीएमवी मेडिकल जेनेटिक्स में पब्लिश हुई स्टडी के मुताबिक, ब्रेस्ट बढ़ने का कारण जेनेटिक्स थे। विसरल फैट सबसे खतरनाक फैट माना जाता है जो हृदय रोग, स्ट्रोक और कैंसर के जोखिम को बढ़ाता है। यह डिप्रेशन, डिमेंशिया और डायबिटीज जैसी बीमारियों के जोखिम को भी बढ़ा सकता है। विसरल फैट मुख्यत: पेट और लोअर बैक के आसपास के एरिया में अधिक जमता है। इस फैट के कारण पेट का आकार काफी बढ़ जाता है। जिन महिलाओं की कमर का साइज हिप्स से बड़ा होता है, उनमें दिल का दौरा पड़ने का अधिक खतरा होता है।

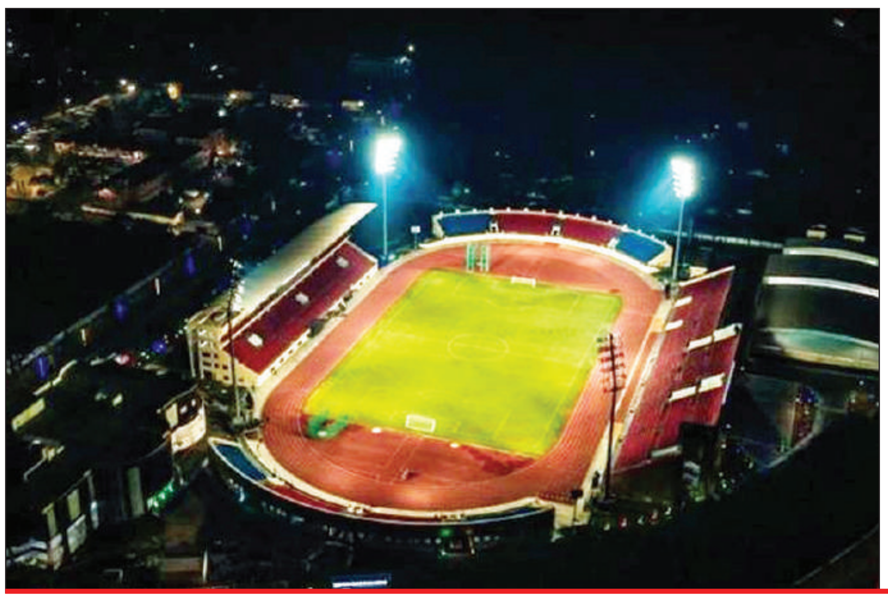

दर्शकों के लिए एचआईएल 2024-25 मैचों के टिकट होंगे फ्री, हॉकी इंडिया ने की घोषणा

नई दिल्ली, 17 दिसंबर (एजेंसियां)।

हॉकी प्रशंसक रांची और राउरकेला में होने वाले आगामी हॉकी इंडिया लीग (एचआईएल) 2024-25 मैचों का लुत्फ अब स्टेडियम में जाकर फ्री में उठा सकेंगे। हॉकी इंडिया ने मंगलवार को एचआईएल 2024-25 मैचों के लिए मुफ्त टिकटों की घोषणा की।

एचआईएल गवर्निंग कमेटी के अध्यक्ष दिलीप तिर्की ने बताया, यह कदम हॉकी इंडिया के उस दृष्टिकोण का हिस्सा है, जिसके तहत खेल को उसके समर्थकों के लिए और अधिक सुलभ बनाया जाएगा।

उन्होंने कहा, यह भारत में हॉकी के लिए एक ऐतिहासिक क्षण है। मुफ्त टिकट देकर, हम यह सुनिश्चित कर रहे हैं कि वित्तीय स्थिति की परवाह किए बिना, हर किसी को हॉकी का बेहतरीन अनुभव करने का अवसर मिले।

हमारा लक्ष्य खेल को प्रशंसकों के और करीब लाना और खिलाड़ियों और समर्थकों की नई पीढ़ी को प्रेरित करना है। रांची और राउरकेला हॉकी की समृद्ध विरासत वाले शहर हैं, और हम स्टेडियमों को उनकी ऊर्जा और जुनून से भरना चाहते हैं।

एचआईएल गवर्निंग कमेटी के सदस्य भोला नाथ सिंह ने कहा, हमारे प्रशंसक हमारे हर काम के केंद्र में हैं। मुफ्त टिकट देने की यह पहल उनके अटूट समर्थन के लिए आभार व्यक्त करने का हमारा तरीका है।

हम यह सुनिश्चित करना चाहते हैं कि रांची और राउरकेला की हर सीट अपने पसंदीदा टीमों के लिए चीयर करने वाले प्रशंसकों से भरी हो।

पुरुषों की एचआईएल 28 दिसंबर को राउरकेला के बिरसा मुंडा हॉकी स्टेडियम में शुरू होगी, जिसका फ़ाइनल 1 फरवरी 2025 को होगा।

इस बीच, महिलाओं की लीग 12 जनवरी, 2025 को रांची के मारंग गोमके जयपाल सिंह मुंडा स्टेडियम में शुरू होगी, जिसका फ़ाइनल 26 जनवरी को होगा।

न्यूज ब्रीफ

अंतरराष्ट्रीय टूर्नामेंट में भारत का प्रतिनिधित्व करने वाली महाराष्ट्र की सबसे कम उम्र की खिलाड़ी बनीं अनिका

नई दिल्ली। महज 14 साल की उम्र में, गोल्डन गर्ल ऑफ पुणे के नाम से मशहूर अनिका दुबे ने एक असाधारण उपलब्धि हासिल की है- उन्होंने एशियाई स्क्वैश टीम चैंपियनशिप के लिए भारतीय टीम में जगह बनाई है, जो फरवरी 2025 में हांगकांग में होने वाली है। यह उपलब्धि उन्हें इस तरह के प्रतिष्ठित अंतरराष्ट्रीय टूर्नामेंट में भारत का प्रतिनिधित्व करने वाली महाराष्ट्र की सबसे कम उम्र की खिलाड़ी बनाती है। अनिका का इस मुकाम तक पहुंचना किसी प्रेरणा से कम नहीं है। अपने नाम तीन राष्ट्रीय खिताब के साथ, वह महाराष्ट्र के पुणे की सबसे सफल जूनियर स्क्वैश खिलाड़ी बन गई हैं, उन्होंने नए रिकॉर्ड बनाए हैं और दूसरों के लिए एक राह बनाई है। खेल के प्रति उनका समर्पण, अनुशासन और प्यार उनके द्वारा खेले गए हर मैच में स्पष्ट दिखाई देता है, जिसने उन्हें भारत की सबसे प्रतिभाशाली युवा प्रतिभाओं में से एक के रूप में स्थापित किया है। अनिका ने कहा, भारत के लिए खेलना एक सपने के सच होने जैसा है। अपने देश का प्रतिनिधित्व करना और वर्षों से की गई कड़ी मेहनत को प्रदर्शित करना मेरे लिए सम्मान की बात है। उनके कोच अभिनव सिन्हा उनकी यात्रा में मार्गदर्शक शक्ति रहे हैं। अपने शांत व्यवहार और तीक्ष्ण सामरिक अंतर्दृष्टि के लिए जाने जाने वाले अभिनव ने अनिका को विश्व मंच पर उतरने के लिए तैयार एक अच्छी तरह से तैयार खिलाड़ी के रूप में आकार दिया है।

यूईएफए महिला यूरो 2025 ड्राः ग्रुप चरण में इटली, बेल्जियम, पुर्तगाल से खेलेगा विश्व चैंपियन स्पेन

नई दिल्ली। विश्व कप विजेता स्पेन महिला यूरो 2025 टूर्नामेंट के ग्रुप चरण में इटली, बेल्जियम और पुर्तगाल से खेलेगा, जिसका ड्रॉ सोमवार को लुसाने में निकाला गया। मौजूदा यूरोपीय चैंपियन और 2023 विश्व कप उपविजेता इंग्लैंड को फ्रांस, नीदरलैंड और वेल्स के साथ रखा गया है। 2022 के संस्करण में, इंग्लैंड ने फाइनल में जर्मनी को 2-1 से हराया। एला टून और क्लो केली ने थ्री लॉयनेसेस के लिए गोल करके टीम को अपनी पहली बड़ी ट्रॉफी जीतने में मदद की थी। 2025 का संस्करण 2 से 27 जुलाई के बीच स्विट्जरलैंड में खेला जाएगा। यह पहली बार होगा जब देश टूर्नामेंट की मेजबानी करेगा। मेजबान को नॉर्वे, आइसलैंड और फिनलैंड के साथ ग्रुप ए में रखा गया है। इसके अलावा, महिला यूरो 2025 में भाग लेने वाली खिलाड़ियों को पहली बार पुरस्कार राशि का एक प्रतिशत मिलेगा। यूईएफए महिला यूरो 2025 समूह- समूह एः स्विटजरलैंड, नॉर्वे, आइसलैंड, फिनलैंड , समूह बीः स्पेन, पुर्तगाल, बेल्जियम, इटली , समूह सीः जर्मनी, पोलैंड, डेनमार्क, स्वीडन , समूह डीः फ्रांस, इंग्लैंड, वेल्स, नीदरलैंड ।

सीनियर बैडमिंटन नेशनल्स में, चिराग और अनमोल खिताब बरकरार रखने उतरेंगे

बेंगलुरु। पुरुष एकल चैंपियन चिराग सेन और महिला एकल विजेता अनमोल खरब 18 दिसंबर से बेंगलुरु में खेली जाने वाली सीनियर बैडमिंटन नेशनल्स में अपना खिताब बराकरार रखने उतरेंगे। इस चैंपियनशिप की शुरुआत इंटर-जोनल टीम स्पर्धाओं से होगी, जबकि व्यक्तिगत टीम स्पर्धा 20 दिसंबर से शुरू होगी। इसमें मौजूदा चैम्पियन अपने-अपने खिताब का बचाव करने उतरेंगे। वहीं इसको लेकर भारतीय बैडमिंटन संघ के सचिव संजय मिश्रा ने कहा, सीनियर नेशनल चैंपियनशिप घरेलू सर्किट का शीर्ष है और हमारे घरेलू सर्किट में प्रतिस्पर्धा के स्तर को देखते हुए, बेंगलुरु में बैडमिंटन प्रशंसकों को अगले सात दिनों में उच्च गुणवत्ता वाले मैच देखने को मिलेंगे और हम युवा खिलाड़ियों के बीच से कुछ नए स्टार खिलाड़ियों के उभरने का इंतजार कर रहे हैं। यह साल का अंतिम बाई टूर्नामेंट होगा। साल 2006-07 में चेतन आनंद द्वारा यह उपलब्धि हासिल करने के बाद से कोई भी पुरुष एकल खिलाड़ी खिताब बरकरार नहीं रख पाया है। वहीं महिला बैडमिंटन खिलाड़ी साइना नेहवाल (2006-07 और 2017-18) की इसी अवधि के दौरान लगातार खिताब जीतने वाली एकमात्र महिला एकल खिलाड़ी रही हैं। वहीं व्यक्तिगत स्पर्धा में लक्ष्य सेन को दुनिया के 34वें नंबर के खिलाड़ी प्रियांशु राजावत, दुनिया के 37वें नंबर के खिलाड़ी किरण जॉर्ज, पिछले संस्करण के फाइनलिस्ट एम. थारुन और बहुमुखी प्रतिभा के धनी प्रणय शेट्टीगर की अगुआई वाली युवा ब्रिगेड से कड़ी चुनौती का सामना करना होगा।

ब्रिसबेन टेस्ट

बुमराह, आकाशदीप ने टाला फॉलोआन का खतरा, भारत ने 9 विकेट पर बनाए 252 रन

केएल राहुल और रवींद्र जडेजा ने लगाया अर्धशतक

ब्रिसबेन, 16 दिसंबर (एजेंसियां)।

गाबा के मैदान पर बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी के तहत खेले जा रहे तीसरे टेस्ट मैच के चौथे दिन भारत ने आकाशदीप और जसप्रीत बुमराह के बीच आखिरी विकेट के लिए हुए 39 रनों की नाबाद साझेदारी की बदौलत फॉलोआन का खतरा टाल दिया है। दिन का खेल खत्म होने पर भारत ने 9 विकेट पर 252 रन बना लिये हैं। आकाशदीप 27 और जसप्रीत बुमराह 10 रन बनाकर नाबाद हैं। भारत पहली पारी के आधार पर अभी भी ऑस्ट्रेलिया से 193 रन पीछे है। ऑस्ट्रेलिया ने अपनी पहली पारी में 445 रन बनाए थे।

भारत के लिए केएल राहुल (84) और रवींद्र जडेजा (77) ने भी बेहतरीन अर्धशतकीय पारियां खेलीं।

बारिश के व्यवधान के बीच भारत की पहली पारी की शुरूआत खराब रही और मिचेल स्टॉर्क ने पारी की दूसरी ही गेंद पर यशस्वी जायसवाल (04) चलता कर भारत को पहला झटका दिया। शुभमन गिल भी कुछ खास नहीं कर सके और केवल 1 रन बनाकर चलते स्टॉर्क का दूसरा शिकार बने। विराट कोहली एक बार फिर असफल रहे और केवल 3 रन बनाकर हेजलवुड का शिकार बने।

इसके बाद पंत और राहुल ने भारत की पारी को आगे बढ़ाया। 44 के कुल स्कोर पर पंत (09) को पैट कमिंस ने अपना शिकार बनाया। कप्तान रोहित शर्मा का खराब फॉर्म जारी रहा और वे 74 के कुल स्कोर पर केवल 10 रन बनाकर पैट कमिंस का शिकर बने।

जडेजा और केएल राहुल ने संभाली भारत की पारी

यहां से रवींद्र जडेजा और केएल राहुल ने मिलकर छठे विकेट के लिए 67 रनों की साझेदारी कर भारत का स्कोर 140 के पार पहुंचाया। 141 के कुल स्कोर पर केएल राहुल को नाथन लियोन ने पवेलियन भेजा। राहुल ने 139 गेदों पर 8 चौकों की बदौलत 84 रनों की शानदार अर्धशतकीय पारी खेली।

जडेजा-रेड्डी ने सातवें विकेट के लिए की 53 रनों की साझेदारी

राहुल के आउट होने के बाद रवींद्र जडेजा और नीतीश रेड्डी ने सातवें विकेट के लिए 53 रनों की बेहतरीन साझेदारी कर भारत का स्कोर 200 के करीब पहुंचाया, हालांकि पैट कमिंस ने 194 के कुल स्कोर पर नीतीश को बोल्ड कर यह साझेदारी तोड़ी। नीतीश ने 61 गेंदों का सामना किया और 16 रन बनाए।

201 के कुल स्कोर पर मोहम्मद सिराज (01) को स्टॉर्क ने आउट कर भारत को आठवां झटका दिया। 213 के कुल स्कोर पर जडेजा 77 रनों की बेहतरीन अर्धशतकीय पारी खेलने के बाद पैट कमिंस का शिकार बने।

आकाशदीप और जसप्रीत बुमराह ने टाला फॉलोआन का खतरा

जडेजा के आउट होने के बाद भारत को फॉलोआन बचाने के लिए 33 रनों की जरूरत थी और आकाशदीप और बुमराह की आखिरी जोड़ी मैदान पर थी। ऑस्ट्रेलिया की गेंदबाजी को देखते हुए लग रहा था कि भारत का फॉलोआन खेलना तय है, लेकिन इस आखिरी भारतीय जोड़ी के मन में कुछ और ही चल रहा था, बुमराह ने आते ही पैट कमिंस की गेंद पर छक्का लगाकर अपने इरादे जता दिये, दूसरे छोर से आकाशदीप ने भी संभलकर खेलना शुरु किया। इन दोनों ने मिलकर न सिर्फ भारत को फॉलोआन से बचाया, बल्कि अपना विकेट भी बचाए रखा। फॉलोआन बचाने के बाद आकाशदीप ने पैट कमिंस की गेंद पर एक लंबा छक्का भी जडा, जिससे ड्रेसिंग रुम में बैठे विराट कोहली खुशी से उछल पड़े। दिन का खेल खत्म होने पर भारत ने 9 विकेट पर 252 रन बना लिये हैं। बुमराह और आकाशदीप ने दसवें विकेट के लिए अब तक 39 रन जोड़ लिये हैं। आकाशदीप 27 और बुमराह 10 रन बनाकर नाबाद हैं। ऑस्ट्रेलिया की ओर से पैट कमिंस ने 4, मिचेल स्टॉर्क ने 3, जोश हेजलवुड और नाथन लियोन ने 1-1 विकेट लिया।

ऑस्ट्रेलिया ने पहली पारी में बनाए 445 रन, हेड और स्मिथ का शतक

इससे पहले ट्रैविस हेड और स्टीव स्मिथ के शतकों की बदौलत ऑस्ट्रेलिया ने यहां गाबा के मैदान पर बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी के तहत खेले जा रहे तीसरे टेस्ट मैच में अपनी पहला पारी में 445 रन बनाए। हेड ने 152 और स्मिथ ने 101 रनों की बेहतरीन शतकीय पारी खेली। इन दोनों के अलावा एलेक्स कैरी ने अर्धशतक लगाते हुए 70 रन बनाए।

सीएएफ अफ्रीकी पुरुष फुटबॉलर ऑफ द ईयर चुने गए नाइजीरिया के फॉरवर्ड एडेमोला लुकमैन

मारकेच, 17 दिसंबर (एजेंसियां)।

नाइजीरिया के फॉरवर्ड एडेमोला लुकमैन को माराकेच में अफ्रीकी फुटबॉल परिसंघ (सीएएफ) पुरस्कारों में 2024 का अफ्रीकी फुटबॉलर ऑफ द ईयर चुना गया है। लुकमैन को पिछले 12 महीनों में इतालवी टीम अटलांटा एफसी और अपनी राष्ट्रीय टीम के साथ लगातार अच्छा प्रदर्शन करने के बाद यह पुरस्कार दिया गया।

27 वर्षीय फॉरवर्ड विक्टर ओसिमेन के 2023 में यह उपलब्धि हासिल करने के बाद यह पुरस्कार जीतने वाले दूसरे नाइजीरियाई खिलाड़ी बन गए।

लुकमैन ने मोरक्को के फुल-बैक अचरफ हकीमी, दक्षिण अफ्रीका के गोलकीपर रोनवेन विलियम्स, बोरुसिया डॉर्टमुंड के फॉरवर्ड सेरहौ गुइरासी और ब्राइटन के इवोरियन विंगर साइमन एडिंगरा को पीछे छोड़ते हुए यह पुरस्कार जीता है।

ईएसपीएन के अनुसार ट्रॉफी उठाते समय लुकमैन ने कहा, यह पुरस्कार एक वरदान है, अफ्रीका में सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी के रूप में पहचाना जाना अविश्वसनीय बात है। चार साल पहले, मेरा करियर खत्म हो गया था, लेकिन अब मैं अफ्रीका में सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी के रूप में यहां हूं। अपनी असफलताओं को अपने सपनों को रोकने न दें।

लुकमैन ने यूरोपा लीग के फाइनल में अटलांटा के लिए शानदार प्रदर्शन किया था। उन्होंने हैट्रिक लगाकर अटलांटा को अपना पहला यूरोपीय सिल्वरवेयर और क्लब के 117 साल के इतिहास में दूसरी बड़ी ट्रॉफी दिलाई।

वैश्विक मंच पर, लुकमैन ने तीन गोल करके नाइजीरिया को 2024 अफ्रीका कप ऑफ नेशंस के फाइनल में पहुंचाया। सेबेस्टियन हॉलर के आखिरी समय में किए गए गोल के बाद उनकी टीम ट्रॉफी से चूक गई, जिसने आइवरी कोस्ट को खिताब दिलाया।

इस बीच, जाम्बिया की स्ट्राइकर बारबरा बांडा को महिला वर्ग में 2024 पुरस्कार से सम्मानित किया गया। प्राइड स्ट्राइकर बांडा ने पूरे साल शानदार प्रदर्शन किया। उन्होंने पेरिस 2024 ओलंपिक में जाम्बिया के लिए हैट्रिक लगाई, जो ओलंपिक खेलों की फुटबॉल में उनकी तीसरी है, जो प्रतियोगिता में एक सर्वकालिक रिकॉर्ड है। वह 2024 में एफआईएफपीआरओ महिला विश्व 11 में शामिल होने वाली अफ्रीका की पहली खिलाड़ी भी बनीं।

महिला यूरो 2025

स्विटजरलैंड में महिला यूरो 2025 के फाइनल ड्रॉ के अवसर पर उसमें शामिल समूह।

अगले वर्ष विश्व एथलेटिक्स कॉन्टिनेंटल टूर इवेंट की मेजबानी करेगा भारत

नई दिल्ली, 17 दिसंबर(एजेंसियां)।

भारत अगले साल 10 अगस्त को पहली बार विश्व एथलेटिक्स कॉन्टिनेंटल टूर स्तर के आयोजन की मेजबानी करेगा। एथलेटिक्स फेडरेशन ऑफ इंडिया (एएफआई) ने सोमवार को उक्त जानकारी दी।

एएफआई के 2025 सीज़न के प्रतिस्पर्धी कैलेंडर के अनुसार, कांस्य स्तर का कॉन्टिनेंटल टूर एथलेटिक्स इवेंट भुवनेश्वर में होगा। इस मीट को इंडियन ओपन नाम दिया गया है।

कॉन्टिनेंटल टूर ट्रैक और फील्ड प्रतियोगिताओं की एक वार्षिक श्रृंखला है, जो कि एलीट-लेवल डायमंड लीग के बाद वैश्विक बैठकों के दूसरे स्तर के अंतर्गत आती है। इसे 2020 में वर्ल्ड चैलेंज सीरीज़ के उत्तराधिकारी के रूप में लॉन्च किया गया था और इसमें चार स्तर, स्वर्ण, रजत, कांस्य और चैलेंजर शामिल हैं।

ओलंपिक डॉट कॉम के अनुसार, एएफआई के अध्यक्ष आदिल सुमारिवाला ने कहा, कॉन्टिनेंटल टूर भारतीय टीम के लिए सितंबर में होने वाली विश्व चैंपियनशिप से पहले घरेलू मैदान पर अपनी क्षमता दिखाने का एक अच्छा अवसर होगा। टोक्यो में 13-21 सितंबर तक आयोजित होने वाली विश्व एथलेटिक्स चैंपियनशिप 2025 अगले साल की शीर्ष एथलेटिक्स प्रतियोगिता होगी। पिछली बार भारत ने इस तरह के अंतरराष्ट्रीय एथलेटिक्स आयोजन की मेजबानी 2017 में की थी, जब भुवनेश्वर के कलिंगा स्टेडियम में एशियाई एथलेटिक्स चैंपियनशिप आयोजित की गई थी। भारत ने पुणे में बालेवाड़ी स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स में 2013 एशियाई चैंपियनशिप की भी मेजबानी की थी। हरियाणा में 21 से 24 अप्रैल तक आयोजित होने वाला सीनियर नेशनल फेडरेशन कप मई में दक्षिण कोरिया में होने वाली एशियाई एथलेटिक चैंपियनशिप के लिए क्वालीफिकेशन इवेंट होगा। भारत का 2025 घरेलू एथलेटिक्स सत्र 12 जनवरी से उत्तर प्रदेश में राष्ट्रीय क्रॉस-कंट्री चैंपियनशिप, फरवरी में राष्ट्रीय अंतर-जिला एथलेटिक्स मीट और मार्च में आयोजित होने वाली इंडियन ओपन थ्रो और जंप प्रतियोगिताओं के साथ शुरू होगा।

टीएनजीओ का 11वां वार्षिक खेलकूद मीट-2025 और बी. स्वामीनाथन क्रिकेट टूर्नामेंट का भव्य शुभारंभ

हैदराबाद, 17 दिसंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)।

टीएनजीओ केंद्रीय संघ के अध्यक्ष मरम जगदेश्वर ने महासचिव डॉ. एस.एम. हुसैनी (मुजीब) के साथ गगन महल मैदान में टीएनजीओ संघ, हैदराबाद जिला अध्यक्ष एस. विक्रम कुमार द्वारा आयोजित 11वें वार्षिक खेलकूद मीट-2025 और बी. स्वामीनाथन क्रिकेट टूर्नामेंट का उद्घाटन किया।

अतिथियों द्वारा राष्ट्रीय ध्वज फहराने के बाद, क्रिकेट मैच प्रतियोगिताएं आरंभ की गई। इस अवसर पर बोलते हुए मरम जगदेश्वर ने टीएनजीओ नेता स्व. बी. स्वामीनाथन के नाम पर क्रिकेट मैच आयोजित करने के लिए डॉ. मुजीब को उनके प्रयासों के लिए बधाई दी। उन्होंने जीपीईसी के प्रिंसिपल के. राम रेड्डी, लेक्चरर विद्यासागर को गगन महल मैदान में खेल आयोजित करने में उनके बहुमूल्य समर्थन के लिए धन्यवाद दिया और कर्मचारियों को खेलों में भाग लेने की अनुमति देने के लिए हैदराबाद कलेक्टर को व्यक्तिगत रूप से धन्यवाद दिया।

कार्यक्रम में केंद्रीय संघ के एसोसिएट अध्यक्ष सत्यनारायण गौड़, सदस्य कोंडल रेड्डी, गोवर्धन रेड्डी, बोलिगिड्डा शंकर, शहर अध्यक्ष श्रीकांत, सचिव हरिकृष्ण, चतुर्थ श्रेणी केंद्रीय अध्यक्ष गद्दाम ज्ञानेश्वर, सदस्य खादर बिन हसन, जिला एसोसिएट अध्यक्ष केआर राज कुमार, उपाध्यक्ष उमर खान, कुर्राडी श्रीनिवास, सदस्य खालिद अहमद, वादिक शास्त्र, पीआरओ जहांगीर अली, एपीआरओ मोहम्मद वहीद, मुहम्मद मुस्तफा शरीफ, असद अनवर मेमोरियल ट्रस्ट के कोषाध्यक्ष सैयद असदुद्दीन, व्यवसायी सैयद जमाल जहांगीर, रामकृष्ण रेड्डी, लगभग (40) इकाइयों के अध्यक्ष, सचिव और प्राथमिक सदस्यों ने भाग लिया। पेंशन भुगतान टीम पर वाणिज्यिक कर टीम, नगर नियोजन टीम पर डेन्टल कॉलेज टीम, आईटीआई टीम पर कृषि विश्वविद्यालय टीम तथा ईएसआई टीम पर गांधी अस्पताल टीम ने आज के नॉकआउट क्रिकेट मैच जीते।

भारत बनेगा विश्व की अक्षय ऊर्जा राजधानी : प्रह्लाद जोशी

नई दिल्ली,18 दिसंबर (एजेंसियां)।

केंद्रीय नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा मंत्री प्रहलाद जोशी ने मंगलवार को कहा कि भारत न केवल ऊर्जा क्रांति का साक्षी बन रहा है, बल्कि दुनिया की अक्षय ऊर्जा राजधानी भी बन रहा है। चालू वित्त वर्ष 2024-25 की अप्रैल-नवंबर अवधि में भारत की नवीकरणीय ऊर्जा क्षमता सालाना आधार पर लगभग दोगुना होकर 15 गीगावाट हो गई है। यह 2030 तक 500 गीगावाट गैर-जीवाश्म क्षमता के लक्ष्य के प्रति भारत की प्रतिबद्धता को भी दर्शाता है।

कहा, देश की नवीकरणीय ऊर्जा क्षमता अप्रैल-नवंबर में दोगुनी होकर 15 गीगावाट हुई

केंद्रीय ऊर्जा मंत्री ने नई दिल्ली में 5वें भारतीय उद्योग परिसंघ (सीआईआई) अंतरराष्ट्रीय ऊर्जा सम्मेलन एवं प्रदर्शनी (आईईसीई) को संबोधित करते हुए कहा, भारत अक्षय ऊर्जा के क्षेत्र में जो कुछ कर रहा है, उस पर न केवल दुनिया की निगाह है, बल्कि कई देशों ने इसे अपनाया भी है। उन्होंने भारत की पहल के तहत वैश्विक सहयोग के लिए एक औपचारिक व्यवस्था के रूप में अंतरराष्ट्रीय सौर गठबंधन की भूमिका पर प्रकाश डाला, जिस पर 120 देश हस्ताक्षरकर्ता हैं। इस अवसर पर उन्होंने ऊर्जा संक्रमण निवेश मॉनिटर पर सीआईआई-ईवाई रिपोर्ट का दूसरा संस्करण भी लॉन्च किया। ये व्यापक रिपोर्ट भारत के गतिशील ऊर्जा परिदृश्य में मूल्यवान अंतर्दृष्टि प्रदान करती है। इस वर्ष के सम्मेलन का विषय ऊर्जा परिवर्तन पर वैश्विक संवाद, विकसित हो रहे वैश्विक ऊर्जा परिदृश्य के साथ पूरी तरह से मेल खाता है।

बिहार सरकार ने करीब 30,000 करोड़ के निवेश प्रस्तावों को मंजूरी दी

पटना। बिहार सरकार ने करीब 30,000 करोड़ रुपये के निवेश प्रस्तावों को मंजूरी देने का ऐलान किया। राज्य निवेश प्रोत्साहन बोर्ड की 58वीं बैठक में 52 इकाइयों के 28,881.55 करोड़ रुपये के निवेश प्रस्तावों को सैद्धांतिक मंजूरी दी गई। 35 इकाइयों के 609.26 करोड़ रुपये के प्रस्तावों को वित्तीय स्वीकृति दी गई। बोर्ड में शामिल उद्योग सचिव और अन्य अधिकारी भी मौजूद थे। इसके अलावा सरकार ने राज्य में निवेश को प्रोत्साहित करने के लिए विभिन्न योजनाएं चलाई हैं। हाल ही में खाद्य प्रसंस्करण निवेश बैठक और उद्यमी पंचायत का आयोजन किया गया। उद्यमी योजनाओं के लाभार्थियों को पहली और दूसरी किस्त की राशि का वितरण भी किया गया।

प्रथम पृष्ठ का शेष...

बांग्लादेश में ...

यह समुदाय नशीली दवाओं की तस्करी, हथियारों की तस्करी, गायों की तस्करी, नकली नोटों की तस्करी, मानव तस्करी, चोरी, डकैती, हत्या और बलात्कार से लेकर तमाम आतंकी गतिविधियों में पूरी तरह मुब्तिला है। आधिकारिक आंकड़ों के मुताबिक बांग्लादेश में बिहारी मुसलमानों की आबादी करीब पांच लाख है, लेकिन इनका वास्तविक आंकड़ा 10 लाख के करीब है। बिहारी मुसलमानों की यही जमात बांग्लादेश से निकल कर भारत में बिहार, पश्चिम बंगाल, ओड़ीशा, मध्य प्रदेश, आंध्र प्रदेश, तेलंगाना, तमिलनाडु, कर्नाटक, महाराष्ट्र और उत्तर प्रदेश जैसे राज्यों में घुस कर अपनी जड़ें जमाती है और तरह-तरह के जरायम धंधे में लिप्त हो जाती हैं। यही जमात भारत में आतंकियों के स्लीपर सेल का काम करती है। यही वह व्याकुल बिहारी मुसलमानों की जमात है जो 1947 के विभाजन के बाद पाकिस्तान जाने के नाम पर पूर्वी पाकिस्तान चले गए थे, जो 1971 में बांग्लादेश बन गया। बांग्लादेश बनने से बांग्लादेश के बिहारी मुसलमान और ज्यादा बौखलाए और व्याकुल हो चुके हैं।बिहारी मुसलमान बंगाली मुसलमानों के समाज में घुलने-मिलने से परहेज करता है। इस वजह से एक स्थायी विभाजन पैदा हो गया है। ज्यादातर बिहारी मुसलमान बंगाली नहीं बोलते और बंगालियों, खास तौर पर गैर-मुसलमानों के प्रति गहरी दुश्मनी रखते हैं। एक बड़ा हिस्सा हिंदुओं और भारत को खुले तौर पर दुश्मनी की नजर से देखता है। विघटनकारी कट्टरपंथी ताकतों ने बिहारी मुस्लिमों की इस नफरत का भरपूर फायदा उठाया। बांग्लादेश में 2018 के आम चुनावों के बाद बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी (बीएनपी) और जमात-ए-इस्लामी ने शेख हसीना की सरकार को अस्थिर करने के लिए वैकल्पिक तरीकों की तलाश की। उन तरीके में प्रमुख था बिहारी मुस्लिमों का इस्तेमाल। 2021 तक बीएनपी, जमाते इस्लामी और दूसरी कट्टरपंथी नेताओं ने सऊदी अरब, दुबई और लंदन में पाकिस्तान की इंटर-सर्विसेज इंटेलिजेंस (आईएसआई) के साथ बैठकें कीं और रणनीति तय की। उन्होंने बांग्लादेश में सरकार विरोधी आंदोलनों को संगठित करने के लिए आईएसआई से समर्थन मांगी। आईएसआई तो इसके लिए पहले से ही तैयार बैठा था।

इन्हीं शक्तियों ने दूसरी तरफ अमेरिका में बैठे शातिर राजनीतिकों से हाथ मिलाया। बीएनपी ने अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन के बेटे हंटर बाइडेन को बांग्लादेश के लॉबिस्ट के रूप में नियुक्त कराने और बराक ओबामा, हिलेरी क्लिंटन और जॉर्ज सोरोस जैसे अमेरिकी राजनीतिक हस्तियों के साथ गहरे संबंध बनाने में कामयाबी हासिल की। अमेरिका में बैठे मोहम्मद यूनुस ने इसमें बिचौलिए का काम किया। 2023 तक इन प्रयासों का परिणाम आईएसआई और स्थानीय इस्लामी ताकतों को शामिल करते हुए एक समन्वित समूह और व्यापक षडयंत्र तैयार करने के रूप में आया। इस योजना का मुख्य उद्देश्य बांग्लादेश के शिविरों में जानवरों की तरह रह रहे बिहारी मुसलमानों की भर्ती करना था। ताकि इन्हीं बिहारी मुसलमानों के जरिए बांग्लादेश में हिंसक गतिविधियों को अंजाम दिया जा सके। बिहारी मुसलमानों के जरिए ही कानून व्यवस्था में अस्थिरता पैदा करना, छात्र आंदोलन में घुस कर उसे हिंसक बनाना, हिंदू समुदायों पर कहर बरपाना और सत्तारूढ़ अवामी लीग के सदस्यों पर हमले कराने की योजना को अंजाम दिया गया।आईएसआई के गुर्गों की निगरानी में बिहारी मुसलमानों के समूहों को विस्फोटक और हथियार बनाने की ट्रेनिंग के लिए पाकिस्तान भेजा गया। इस बीच, बिहारी मुसलमानों के शिविरों में आईएसआई द्वारा भोजन और आवश्यक वस्तुओं की प्रचुर सप्लाई कराई गई। चरित्रहीन बिहारी मुसलमानों को घी खिलाकर उसे बांग्लादेश सरकार के खिलाफ और तीव्रता से भड़काया गया। स्थानीय केबल ऑपरेटरों ने पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर से जेहादी प्रचार के साथ-साथ भारत में मुसलमानों के कथित उत्पीड़न को उजागर करने वाली उर्दू डॉक्यूमेंट्री प्रसारित करना शुरू कर दिया। इन प्रयासों ने शिविरों के भीतर हिंदू विरोधी और भारत विरोधी भावनाओं को उकसाया।

2024 के मध्य तक 5,000 से ज्यादा प्रशिक्षित बिहारी मुसलमानों को बांग्लादेश में तैनात किया गया था। जुलाई के अंत तक उनकी संख्या बढ़कर 50,000 कर दी गई। विस्फोटकों और स्वचालित हथियारों से लैस होकर उन्होंने पुलिस स्टेशनों पर हमले किए और जेल से भागने की योजना बनाई। इसके बाद हुई अराजकता में पुलिस शस्त्रागारों की व्यापक लूट, बुलेटप्रूफ जैकेट की चोरी और ग्रेनेड तक के इस्तेमाल हुए। 5 अगस्त 2024 को बढ़ती अशांति के बीच जब प्रधानमंत्री शेख हसीना को बांग्लादेश छोड़ना पड़ा तो इस मौके का लाभ उठाने के लिए पाकिस्तानी खुफिया एजेंसी के स्थानीय संचालकों ने बिहारी मुसलमानों के बीच नकद रुपए बांटे और उन्हें हिंसा की लहर फैलाने का निर्देश दिया। बिहारी मुसलमानों ने अवामी लीग के समर्थकों, हिंदुओं और मंदिरों को निशाना बनाया, आगजनी, लूटपाट और यौन हिंसा में शामिल रहे। प्रदर्शनकारियों के वेश में बिहारी मुसलमानों ने प्रधानमंत्री आवास में घुस कर अभद्र आचरण किए, द्वारा अल-कायदा और आईएसआईएस के झंडे लहराए और पूरे बांग्लादेश को हिंसा की आग में झोंक दिया। इसमें हिज्ब उत-तहरीर और हिफाजत-ए-इस्लाम जैसे कट्टरपंथी समूह भी कूद पड़े और बांग्लादेश का संकट प्रगाढ़ कर दिया।

अंसारुल्लाह बांग्ला टीम (एबीटी) उर्फ अंसार अल-इस्लाम का सरगना जशीमुद्दीन रहमानी इसी मौके की तलाश में था। उसे जेल से रिहा कराया गया। जेल से रिहा होने के बाद रहमानी ने भारत के अंदर आतंकवादी अभियानों के लिए हिंदी, उड़िया और अन्य भारतीय भाषाओं में पारंगत बिहारी मुसलमानों की भर्ती शुरू कर दी। रहमानी ने चटगांव में रोहिंग्या आतंकवादियों और अराकान रोहिंग्या साल्वेशन आर्मी (एआरएसए) के साथ भी संबंध स्थापित किए। इसके पीछे पूरे दक्षिण एशिया में आतंकवादी गतिविधियों के विस्तार का इरादा है।रहमानी की रणनीति में बिहार, पश्चिम बंगाल और उत्तर प्रदेश जैसे भारतीय राज्यों में स्लीपर सेल बनाना और जम्मू-कश्मीर में आतंकी संगठनों के साथ संपर्क बनाए रखना शामिल है। बांग्लादेश के बिहारी मुसलमानों के शिविरों से जुड़ा यह आपराधिक-आतंकी गठजोड़ क्षेत्रीय सुरक्षा के गंभीर खतरे का संकेत दे रहा है। यह संकट गहरा और व्यापक इसलिए भी है क्योंकि इस षडयंत्र में नोबेल पुरस्कार के प्रायोजित विजेता मोहम्मद यूनुस, अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति बिल क्लिंटन की बीवी हिलेरी क्लिंटन, अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन के सलाहकार डोनाल्ड लू, जो बाइडेन के बेटे हंटर बाइडेन, पूर्व राष्ट्रपति बराक ओबामा, पूर्व उप राष्ट्रपति कमला हैरिस और धनपशु जॉर्ज सोरोस पूरी तरह लिप्त हैं।अमेरिका की बदली हुई राजनीतिक व्यवस्था में अब मोहम्मद यूनुस डोनाल्ड ट्रंप से सम्पर्क बढ़ाने की कोशिशों में लगे हुए हैं, ताकि उनका धंधा चलता रहे। यूनुस ने अपने पुराने मित्र और संयुक्त राज्य अमेरिका के राष्ट्रीय खुफिया विभाग के पूर्व कार्यवाहक निदेशक रिक ग्रेनेल से अनुरोध किया कि वे किसी तरह 20 जनवरी को राष्ट्रपति ट्रंप के शपथ ग्रहण समारोह में उनकी भागीदारी सुनिश्चित करें और एक संक्षिप्त बैठक करा दें। ग्रेनेल ने कई प्रयास किए लेकिन विफल रहे। ग्रेनेल को पहले से ही ट्रंप विरोधी गुट का माना जाता है। दूसरी तरफ यूनुस बिल क्लिंटन, हिलेरी क्लिंटन और जॉर्ज सोरोस के साथ नियमित रूप से संवाद बनाए हुए हैं और उनकी सलाह ले रहे हैं।मोहम्मद यूनुस के अनुरोध पर कांग्रेस नेता राहुल गांधी भी ट्रंप और यूनुस के बीच संबंधों को सामान्य बनाने के लिए बिचौलिए की भूमिका अदा कर रहे हैं। खुफिया मामलों के विशेषज्ञ मानते हैं कि अगर डोनाल्ड ट्रंप और यूनुस के बीच संबंधों को सामान्य बनाने के प्रयास विफल हो जाते हैं, तो यूनुस म्यांमार और भारत में व्यापक पैमाने पर हिंसा फैलाने के लिए आईएसआई-प्रशिक्षित बिहारी मुसलमानों और रोहिंग्या आतंकवादियों का इस्तेमाल करेंगे।

बांग्लादेश के बिहारी मुसलमानों का हिंदू विरोधी और भारत विरोधी रवैये का आईएसआई द्वारा इस्तेमाल क्षेत्रीय स्थिरता के लिए गंभीर खतरा है। अंतरराष्ट्रीय समुदाय को इस स्थिति की गंभीरता को पहचानना चाहिए और इन आतंकी नेटवर्क को खत्म करने में भूमिका अदा करनी चाहिए।सुरक्षा विशेषज्ञ कहते हैं कि हिंदू विरोधी और भारत विरोधी आतंकवाद को बढ़ावा देने के लिए बांग्लादेश के बिहारी मुसलमानों का इस्तेमाल टाइम बम की तरह है। क्षेत्रीय सुरक्षा के मद्देनजर इसके गंभीर परिणाम संभावित हैं। अगर इसे अनियंत्रित छोड़ दिया गया, तो ये चरमपंथी नेटवर्क बढ़ते रहेंगे, जिससे दक्षिण एशिया में सांप्रदायिक सद्भाव और शांति के लिए अस्तित्व का खतरा पैदा हो जाएगा। इसे काबू में करने के लिए अंतरराष्ट्रीय समुदाय को आगे आने की तात्कालिक अनिवार्यता है। भारत समेत दक्षिण एशिया के देश पाकिस्तान/बांग्लादेश प्रायोजित आतंकवाद की चपेट में आ रहे हैं, इसे ध्यान में रखा जाना चाहिए।

स्वीकृत विधेयक...

कांग्रेस का रवैया बेहद दुर्भाग्यपूर्ण है। जदयू के राष्ट्रीय प्रवक्ता राजीव रंजन प्रसाद ने कहा कि उनकी पार्टी पहले से ही इस विधेयक के समर्थन में रही है। उन्होंने कहा, इस फैसले से लोकतंत्र में मजबूती आएगी एवं सरकार की योजनाओं और नीतियों में निरंतरता बनी रहेगी। साथ ही बार-बार चुनाव में होने वाली फिजूलखर्ची पर भी रोक लगेगी। आजादी के बाद कई वर्षों तक देश में लोकसभा और विधानसभा चुनाव साथ-साथ होते थे लेकिन असमय राज्य सरकारों के पतन और विधानसभाओं के चुनाव की वजह से हर समय देश के किसी न किसी राज्य में चुनाव होने लगे। अगर एक बार फिर से यह लागू होता है तो भारतीय लोकतंत्र की मजबूती और निर्वाचन तंत्र की निष्पक्षता को बनाए रखने में कारगर साबित होगा।

सदन में चर्चा के दौरान कांग्रेस, समाजवादी पार्टी और तृणमूल कांग्रेस जैसे बड़े विपक्षी दलों ने इस विधेयक का विरोध किया। कांग्रेस सांसद गौरव गोगोई ने विधेयक का विरोध करते हुए कहा कि यह लोगों के वोट देने के अधिकार पर हमला है। चुनाव आयोग को इस विधेयक में बहुत ज्यादा अधिकार दिए गए हैं। संविधान में चुनाव आयोग को सिर्फ चुनाव कराने की व्यवस्था करने का ही प्रावधान किया गया है, लेकिन इस विधेयक में राष्ट्रपति के चुनाव आयोग से चुनाव को लेकर सलाह लेने का प्रावधान दिया गया है, जो संविधान के खिलाफ है। टीएमसी के सांसद कल्याण बनर्जी ने विधेयक का विरोध करते हुए कहा कि संविधान संशोधन के तहत चुनाव आयोग को काफी शक्तियां दी जा रही हैं, जिसके बाद राज्य सरकारें चुनाव आयोग के सामने कुछ नहीं रह जाएंगी। कल्याण बनर्जी ने कहा कि यह विधेयक संविधान के खिलाफ है। एआईएमआईएम नेता असदुद्दीन ओवैसी ने विधेयक का विरोध करते हुए कहा कि यह संविधान के आधारभूत ढांचे के खिलाफ है। यह विधेयक क्षेत्रीय पार्टियों को खत्म कर देगा और इससे सिर्फ राष्ट्रीय पार्टियों को फायदा होगा

उल्लेखनीय है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सबसे पहले 2019 में 73वें स्वतंत्रता दिवस के मौके पर एक देश एक चुनाव के अपने विचार को आगे बढ़ाया था। उन्होंने कहा था कि देश के एकीकरण की प्रक्रिया हमेशा चलती रहनी चाहिए। 2024 में स्वतंत्रता दिवस के मौके पर भी प्रधानमंत्री ने इस पर विचार रखा था। इस प्रस्ताव का उद्देश्य पूरे देश में लोकसभा और विधानसभाओं के लिए एक साथ चुनाव कराना है। फिलहाल लोकसभा और विधानसभाओं के चुनाव अलग-अलग होते हैं, या तो पांच साल का कार्यकाल पूरा होने के बाद या जब सरकार किसी कारण से भंग हो जाती है। इसकी व्यवस्था भारतीय संविधान में की गई है। अलग-अलग राज्यों की विधानसभा का कार्यकाल अलग-अलग समय पर पूरा होता है, उसी के हिसाब से उस राज्य में विधानसभा चुनाव होते हैं। हालांकि, कुछ राज्य ऐसे भी हैं जहां विधानसभा और लोकसभा चुनाव एक साथ होते हैं। इनमें अरुणाचल प्रदेश, आंध्र प्रदेश, ओड़ीशा और सिक्किम जैसे राज्य शामिल हैं। वहीं, राजस्थान, मध्य प्रदेश, तेलंगाना, छत्तीसगढ़ और मिजोरम जैसे राज्यों के चुनाव लोकसभा चुनाव से ऐन पहले हुए तो लोकसभा चुनाव खत्म होने के छह महीने के भीतर हरियाणा, जम्मू कश्मीर, महाराष्ट्र और झारखंड में चुनाव हुए।एक देश एक चुनाव की बहस 2018 में विधि आयोग की रिपोर्ट के बाद शुरू हुई थी। उस रिपोर्ट में आर्थिक वजहों को गिनाया गया था। आयोग का कहना था कि 2014 में लोकसभा चुनावों का खर्च और उसके बाद हुए विधानसभा चुनावों का खर्च लगभग समान रहा है। साथ-साथ चुनाव होने पर यह खर्च 50:50 के अनुपात में बंट जाएगा। सरकार को सौंपी अपनी ड्राफ्ट रिपोर्ट में विधि आयोग ने कहा था कि साल 1967 के बाद एक साथ चुनाव कराने की प्रक्रिया बाधित हो गई। आयोग का कहना था कि आजादी के शुरुआती वर्षों में देश में एक पार्टी का राज था और क्षेत्रीय दल कमजोर थे। धीरे-धीरे अन्य दल मजबूत हुए कई राज्यों की सत्ता में आए। वहीं, संविधान की धारा 356 के प्रयोग ने भी एक साथ चुनाव कराने की प्रक्रिया को बाधित किया। अब देश की राजनीति में बदलाव आ चुका है। कई राज्यों में क्षेत्रीय दलों की संख्या काफी बढ़ी है। वहीं, कई राज्यों में इनकी सरकार भी है।आजादी के बाद देश में पहली बार 1951-52 में चुनाव हुए। तब लोकसभा के साथ ही सभी राज्यों की विधानसभा के चुनाव भी सम्पन्न हुए थे। इसके बाद 1957, 1962 और 1967 में भी एक साथ लोकसभा और राज्य विधानसभाओं के लिए एक साथ चुनाव कराए गए। 1968-69 के बाद यह सिलसिला टूट गया, क्योंकि कुछ विधानसभाएं विभिन्न कारणों से भंग कर दी गई थीं। एक राष्ट्र-एक चुनाव पर आयोजित एक वेबिनार में सुप्रीम कोर्ट के पूर्व जज जस्टिस एके सीकरी ने कहा था, एक राष्ट्र-एक चुनाव नई धारणा नहीं है। आजाद भारत के पहले चार आम चुनाव ऐसे ही हुए थे। जस्टिस सीकरी कहते हैं, एक राष्ट्र, एक चुनाव प्रक्रिया में बदलाव 1960 से तब शुरू हुआ जब गैर कांग्रेस पार्टियों ने राज्य स्तर पर सरकारें बनाना शुरू किया। इसमें यूपी, बंगाल, पंजाब, हरियाणा शामिल थे। इसके बाद 1969 में कांग्रेस का बंटवारा और 1971 युद्ध के बाद मध्यावधि चुनाव हुए और इसके बाद विधानसभा चुनावों की तारीखें कभी आम चुनाव से नहीं मिलीं और अलग-अलग चुनाव शुरू हो गया।इसी वेबिनार में सुप्रीम कोर्ट के वरिष्ठ अधिवक्ता और पूर्व अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल पराग पी. त्रिपाठी ने कहा था, चुनाव लोकतंत्र से जुड़े हैं और लोकतंत्र शासन का जरिया है। एक राष्ट्र-एक चुनाव की धारणा 1952 से 1967 तक चली। राज्यों की संप्रभुता और पहचान अलग-अलग चुनाव से मजबूत हुई। देश के अर्ध एवं सहकारी संघवाद के लिए यह एक बेहतर विकल्प है।एक देश एक चुनाव के मसले पर अध्ययन के लिए गठित कोविंद समिति ने अपनी रिपोर्ट में कहा है कि एक साथ चुनाव की सिफारिशों को दो चरणों में कार्यान्वित किया जाएगा। पहले चरण में लोकसभा और विधानसभा चुनाव एक साथ आयोजित किए जाएंगे। दूसरे चरण में आम चुनावों के 100 दिनों के भीतर स्थानीय निकाय चुनाव (पंचायत और नगर पालिका) किए जाएंगे। इसके तहत सभी चुनावों के लिए समान मतदाता सूची तैयार की जाएगी। इसके लिए पूरे देश में विस्तृत चर्चा शुरू की जाएगी। वहीं एक कार्यान्वयन समूह का भी गठन किया जाएगा।

ध्यान रहे कि एक साथ चुनाव कराने के लिए संविधान में कम से कम पांच संशोधन करने होंगे। इनमें संसद के सदनों की अवधि से संबंधित अनुच्छेद 83, राष्ट्रपति द्वारा लोकसभा को भंग करने से संबंधित अनुच्छेद 85, राज्य विधान मंडलों की अवधि से संबंधित अनुच्छेद 172, राज्य विधानमंडलों के विघटन से संबंधित अनुच्छेद 174 और राज्यों में राष्ट्रपति शासन को लागू करने से संबंधित अनुच्छेद 356 शामिल हैं। इसके साथ ही संविधान की संघीय विशेषता को ध्यान में सभी दलों की सहमति जरूरी होगी। वहीं यह भी अनिवार्य है कि सभी राज्य सरकारों की सहमति प्राप्त की जाए।

एक देश एक चुनाव भाजपा के चुनावी एजेंडे में शामिल रहा है। भाजपा के नेतृत्व वाला एनडीए केंद्र में अपने मौजूदा कार्यकाल के दौरान इस विधेयक को पेश करेगा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के लगातार तीसरे कार्यकाल के पहले 100 दिन पूरे होने से ठीक बाद कोविंद कमेटी की रिपोर्ट आई थी। इस साल स्वतंत्रता दिवस पर लाल किले से अपने भाषण के दौरान प्रधानमंत्री ने सभी से एक साथ चुनाव कराने के कानून के लिए एकजुट होने का अनुरोध किया था। विपक्षी कांग्रेस ने एक राष्ट्र, एक चुनाव के प्रस्ताव का पुरजोर विरोध किया है। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने कहा है कि लोकतंत्र में एक राष्ट्र, एक चुनाव काम नहीं कर सकता और कांग्रेस इसके साथ नहीं है।

एक देश एक चुनाव का विधेयक आज लोकसभा ने स्वीकार कर लिया और इसे विस्तृत चर्चा के लिए ज्वाइंट पार्लियामेंट्री कमेटी (जेपीसी) के पास भी भेज दिया है। लेकिन इस बिल का कानून बनना उतना आसान नहीं है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के पास अपने तीसरे कार्यकाल में पूर्ण बहुमत नहीं है। लोकसभा में अभी 543 सांसद हैं। लिहाजा, एनडीए को बिल पारित करवाने के लिए 362 वोट चाहिए। अभी लोकसभा में एनडीए के पास सिर्फ 292 सांसद हैं, ऐसे में बहुमत पूर्ण करने के लिए एनडीए को विपक्षी सांसदों की मदद लेने की जरूरत पड़ेगी। इसी तरह राज्यसभा में इस बिल को पारित करवाने के लिए 164 वोट चाहिए। एनडीए के पास आंकड़ा बैठता है 112 का, 6 मनोनीत सांसद भी उसके साथ हैं। इसलिए राज्यसभा में भी एनडीए को दूसरी पार्टियों के समर्थन की जरूरत पड़ेगी। लोकसभा में विपक्ष के पास 205 वोट हैं। राज्यसभा में विपक्ष के 85 सांसद हैं। ऐसे में अगर एक देश एक चुनाव को सच्चाई बनना है तो विपक्षी वोट को भी अपने पाले में करने की एनडीए को जरूरत पड़ेगी जो बहुत आसान नहीं है।

अब बीजिंग नहीं...

भारत के सहयोग से श्रीलंका भी विकास की राह पर चलेगा। उन्होंने करीब दो साल पहले अपने देश में आए जबरदस्त आर्थिक संकट का उल्लेख किया और कहा कि भारत की मदद से वे उस दयनीय हालत से बाहर निकल पाए। इस पर मोदी ने उनसे कहा कि भारत की विदेश नीति में श्रीलंका का विशेष स्थान है। द्विपक्षीय वार्ता में प्रधानमंत्री मोदी का कहना था कि राष्ट्रपति के नाते दिसानायके का अपनी पहली विदेश यात्रा पर भारत आना एक बड़ी बात है। उनके इस दौरे से दोनों देशों के संबंधों को नई ऊर्जा मिलेगी। दोनों देशों ने अपनी साझेदारी के लिए भविष्य की ओर देखते हुए कदम बढ़ाया है।

श्रीलंका यूनिक आइडेंटिफिकेशन यानी आधार की तरह का एक प्रकल्प अपने यहां भी चलाना चाहता है जिसमें मदद का भारत ने आश्वासन दिया है। इतना ही नहीं, उत्तरी श्रीलंका में एक हवाईअड्डे के विकास का काम भारत की आर्थिक सहायता से पूरा किया जाएगा। उल्लेखनीय है कि ऐसे प्रकल्पों में पैसा लगाकर उस देश को अपने शिकंजे में कसना चीन की पुरानी चाल रही है, लेकिन श्रीलंका के राष्ट्रपति का इस दिशा में भारत से सहयोग लेना भारत के प्रति बढ़ रही विश्वसनीयता की ओर संकेत करता है। मछुआरों का मुद्दा भी भारत तथा श्रीलंका के बीच चुभने वाला विषय रहा है। अब दोनों देशों में सहमति बनी है कि इन मुद्दों पर मानवीयता की नजर से देखा जाएगा। जोर-जबरदस्ती और बल का प्रयोग नहीं किया जाएगा। साथ ही, मोदी और दिसानायके एक-दूसरे देशों में पर्यटन को और बढ़ाने पर राजी हुए हैं जिसमें रामायण और बुद्ध सर्किट को लेकर ठोस बातचीत हुई है।दोनों देशों में सौर ऊर्जा परियोजना, श्रीलंका में रेल कनेक्टिविटी, नौवहन तथा उड़ान सेवाओं, आधार जैसे यूनिक आइडेंटिफिकेशन कार्ड, शिक्षा व रक्षा के क्षेत्र में समझौते हुए हैं। वार्ता से पूर्व दिसानायके की यात्रा की औपचारिक शुरुआत में उन्हें राष्ट्रपति भवन में गार्ड ऑफ ऑनर दिया गया। उनकी राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू से भेंट हुई। राष्ट्रपति मुर्मु ने राष्ट्रपति दिसानायके की अगवानी में रात्रिकालीन भोज का आयोजन किया। आज सुबह दिसानायके बोधगया की पुण्यस्थली के दर्शन करने गए। इसके पहले श्रीलंका के राष्ट्रपति ने भारतीय वित्त मंत्री, विदेश मंत्री और राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार से भी अलग से बात की। दोनों देशों के बीच आर्थिक सहयोग और निवेश के अवसर को बढ़ाने के साथ ही क्षेत्रीय सुरक्षा के क्षेत्र में सहयोग बढ़ाने पर बात हुई।

खराब कर दी...

उन्होंने बताया कि मछुआरे तटीय सुरक्षा में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं, लेकिन चूंकि मछली पकड़ना उनकी आजीविका है, इसलिए उन पर ज्यादा प्रतिबंध नहीं लगाए जा सकते। इसके बजाय, मछुआरों को जागरूक करने के लिए कार्यक्रम चलाए जा रहे हैं, ताकि वे नियमों का पालन करें और अवैध गतिविधियों को रोकें।

केंद्रीय गृह राज्य मंत्री ने यह भी बताया कि तटीय निगरानी को बेहतर बनाने के लिए कई उपाय किए गए हैं। इनमें मछली पकड़ने वाली बड़ी नौकाओं में ट्रांसपोंडर लगाना और छोटे जहाजों की निगरानी के लिए ट्रैकिंग सिस्टम का इस्तेमाल शामिल है। इसके अलावा, मछली पकड़ने वाली नौकाओं की रंग कोडिंग की जा रही है ताकि अवैध गतिविधियां पहचानी जा सकें। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि 2014 से 2024 के बीच नशीले पदार्थों की जब्ती 40 फीसदी बढ़ी है और अवैध मछली पकड़ने वाली विदेशी नौकाओं की संख्या में भी कमी आई है। उन्होंने कहा कि तस्करी और अवैध गतिविधियों को रोकने के लिए केंद्र प्रतिबद्ध है, लेकिन तटीय राज्यों का सहयोग भी जरूरी है।

राय ने बताया कि पिछले कुछ वर्षों में जब्त की गई प्रतिबंधित वस्तुओं की मात्रा 7,000 किलोग्राम से बढ़कर 4.15 लाख किलोग्राम हो गई है, जो लगभग 500 गुना ज्यादा है। उन्होंने अवैध मानव प्रवास और विदेशी मछली पकड़ने की गतिविधियों पर भी सुधार की बात की। केंद्रीय मंत्री के अनुसार, हाल के वर्षों में 319 अवैध प्रवासी पकड़े गए हैं, जबकि पहले यह संख्या बहुत कम थी। इसके अलावा, 2003-2013 के बीच मछली पकड़ने वाली विदेशी नौकाओं की संख्या 623 से घटकर 200 रह गई है। यह आंकड़े तटीय सुरक्षा उपायों की मजबूती को दिखाते हैं। उन्होंने केंद्र की प्रतिबद्धता को दोहराते हुए कहा कि तस्करी और अवैध गतिविधियों से निपटने के लिए हम लगातार काम कर रहे हैं। उन्होंने पश्चिम बंगाल जैसे तटीय राज्यों से अधिक सहयोग की अपील की, ताकि तटीय सुरक्षा मजबूत हो सके।

किसानों की ...

उन्होंने सदन को बताया कि 2019 के बाद अभी यह सर्वे नहीं हुआ है और अब अगले वर्ष किया जाएगा। कृषि मंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में किसानों की आय बढ़ाने के लिए लगातार प्रयास किए जा रहे हैं और हमें विश्वास है कि 2019 के बाद किसानों की आय तेजी से बढ़ी है।

चौहान ने कहा कि किसानों का उत्पादन बढ़ाने, उत्पादन की लागत कम करने, उत्पादन के ठीक दाम देने, प्राकृतिक आपदा में नुकसान की भरपाई करने, कृषि विविधीकरण और जैविक तथा प्राकृतिक खेती को बढ़ावा देने के छह सूत्री कार्यक्रम के साथ सरकार काम कर रही है। उन्होंने कहा कि किसानों को खाद पर मिलने वाली सब्सिडी में कोई कमी नहीं आने दी जाएगी और उन्हें कम ब्याज पर कर्ज मिलेगा। चौहान ने दावा किया कि सरकार ने न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) पर रिकॉर्ड खरीद की है। अकेले दलहन की फसल की बात करें तो पिछली सप्रंग सरकार के समय केवल छह लाख मीट्रिक टन की खरीद हुई थी, लेकिन हमारी सरकार ने एक करोड़ मीट्रिक टन से अधिक दलहन खरीद की है।

वापस जाकर फिर...

घोष ने चटगांव कोर्ट में अपने साथ हुए दुर्व्यवहार का जिक्र करते हुए बताया कि लगभग 40 वकीलों के ग्रुप ने उन पर हमले की कोशिश की। उन्होंने कहा, वे नहीं चाहते कि कोई वकील दास का केस लड़े। हिंदू वकीलों पर झूठे मुकदमे दर्ज कराए जा रहे हैं, ताकि वे भी पीछे हट जाए। घोष ने बताया कि स्थानीय पुलिस ने उस समय उन्हें बचाया, लेकिन बांग्लादेश में हिंदू वकीलों और अल्पसंख्यकों की सुरक्षा की कोई गारंटी नहीं है। रवींद्र घोष ने बताया कि रेप, जमीनों पर कब्जे, गैंगरेप जैसे 1000 से अधिक मामले उनके सामने आ चुके हैं। वो सभी पीड़ितों के लिए न्याय की लड़ाई लड़ेंगे।

वकील रवींद्र घोष ने 1971 के बांग्लादेश मुक्ति संग्राम में हिंदुओं की महत्वपूर्ण भूमिका पर प्रकाश डालते हुए कहा कि आज का बांग्लादेश उस समय लड़े गए आदर्शों के खिलाफ जा रहा है। मुक्ति संग्राम समानता और न्याय के लिए था, लेकिन आज हिंदुओं और अन्य अल्पसंख्यकों को दोयम दर्जे का नागरिक माना जाता है। घोष ने कहा कि मुक्ति संग्राम में हिंदू और मुसलमान दोनों ने मिलकर लड़ाई लड़ी थी, लेकिन आज हिंदुओं को उनके योगदान के बावजूद नजरअंदाज किया जा रहा है। रवींद्र घोष ने बांग्लादेश में मुहम्मद युनुस की अगुवाई वाली मौजूदा अंतरिम सरकार पर अल्पसंख्यकों की स्थिति और बिगाड़ने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा, पहले भी अल्पसंख्यकों पर हमले होते थे, लेकिन अब यह स्थिति नियंत्रण से बाहर हो गई है। चिन्मय कृष्ण दास की गिरफ्तारी का कारण उनकी बड़ी सार्वजनिक रैलियां थीं, जो युनुस सरकार को असहज कर रही थीं। उन्होंने कहा, कट्टरपंथी और सरकार, दोनों ही दास को चुप कराना चाहते हैं। घोष ने कहा कि वह भारत में इलाज कराने के बाद फिर वापस बांग्लादेश लौटकर चिन्मय दास और अन्य अल्पसंख्यकों के लिए लड़ाई जारी रखेंगे। उन्होंने कहा, मैंने जीवनभर मुसलमानों और हिंदुओं दोनों के लिए अन्याय के खिलाफ लड़ाई लड़ी है। धर्म कोई मायने नहीं रखता, न्याय मायने रखता है।

भारत के युवकों...

अच्छा कहेंगे, अच्छा करेंगे तो भविष्य में अच्छा मिलेगा। प्रदेश में किसी भी नौजवान के भविष्य के साथ खिलवाड़ करने की छूट किसी को नहीं है। योगी ने कहा कि युवा पढ़ाई करने के बाद खुद को असहाय महसूस न करें। खुद को आत्मनिर्भर समझें। सरकार इसके लिए बराबर कदम उठा रही है। सदन में बोलते हुए सीएम योगी ने कहा कि विपक्ष ने कई सवाल उठाए। लेकिन उनके सही तथ्यों को रखना भी उनकी जिम्मेदारी है। सीएम ने कहा कि देश और दुनिया के सामने बेरोजगारी बड़ी चुनौती है। हमारे प्रदेश के सामने भी है। लेकिन हम उसके विभिन्न स्रोतों पर काम कर रहे हैं और युवकों को समायोजित कर रहे हैं। यूपी सरकार ने शिक्षकों की भी भर्ती की है। माध्यमिक शिक्षा परिषद में भी 40 हजार से अधिक पदों पर भर्ती प्रक्रिया सम्पन्न की जा चुकी है। माध्यमिक, उच्च, तकनीकि शिक्षा के लिए चयन बोर्ड बनाने की प्रक्रिया चल रही है। जल्द ही उनमें भी भर्ती की जाएगी। सीएम योगी ने कहा, पुलिस विभाग में 1.70 लाख पदों पर भर्ती की जा चुकी है। प्रदेश के सभी जिलों के युवा उसमें चयनित हुए हैं। इसके अलावा स्वास्थ्य, सिंचाई सहित विभिन्न विभागों में भर्ती की गई है। सभी भर्तियां बिना किसी भेदभाव के की गई हैं।69 हजार शिक्षक भर्ती पर कहा कि सामान्य के लिए 34 हजार पदों में भर्ती होना था। सिर्फ 20 हजार पदों पर भर्ती हुई। आरक्षण को लेकर भ्रम फैलाकर राजनीति की जा रही है। पहले की सरकारों में भर्जी डिग्री के आधार पर भर्ती कर दी जाती थी। आज यह नहीं हो रहा है। सीएम ने कहा कि एक समय वह था जब 86 एसडीएम के पद पर 56 एक ही जाति के लोग पास होते थे। फर्जी डिग्री वाला उत्तर प्रदेश पब्लिक सर्विस कमीशन का अध्यक्ष बन गया था। आज भर्ती प्रक्रिया में कोई खामी नहीं है। आज पारदर्शिता पर कोई उंगली नहीं उठा सकता।

आज हमारा उद्देश्य है कि प्रदेश में अधिक से अधिक इन्वेस्ट आए। ताकि युवाओं को नौकरी मिल सके। आज यूपी में सुरक्षा की भावना जाग्रत हुई है। एमएसएमई के माध्यम से लोगों को प्रशिक्षित किया जा रहा। जगह-जगह रोजगार मेले लगाए जा रहे हैं। आज वन डिस्ट्रिक्ट-वन प्रोडक्ट के माध्यम से रोजगार सृजन किया जा रहा है। आज 120 चीनी मिलें प्रदेश में चल रही हैं। इनमें से 100 मिलें 8-10 दिन में भुगतान कर रही हैं। सबसे ज्यादा चीनी मिलें यूपी में हैं। सबसे ज्यादा रोजगार पैदा करने वाला प्रदेश यूपी है।

29 को मनाई जाएगी मासिक शिवरात्रि

इन 3 राशियों का चमक जाएगा नसीब

मासिक शिवरात्रि का दिन बहुत ही पवित्र होता है। इस दिन भगवान शिव और माता पार्वती की पूजा करने से सौभाग्य की प्राप्ति होती है। जीवन से सभी दुख दूर होने लगते हैं। ऐसा माना जाता है कि इस दिन भक्तों को जरूर व्रत रखना चाहिए, जिससे भगवान शिव और माता पार्वती का विशेष आशीर्वाद मिल सके।

यह तिथि विशेषतौर पर तीन राशियों के लिए बहुत ही शुभ होने वाली है। इस आर्टिकल में हम आपको बताएंगे कि वह कौन सी राशियां हैं, जिन पर भगवान शिव व माता पार्वती की कृपा बरसने वाली है।

हिंदू पंचांग में बताया गया है कि 29 दिसंबर की रात 03:32 से पौष महीने के कृष्ण पक्ष की चतुर्दशी तिथि की शुरुआत हो जाएगी। 30 दिसंबर को सुबह 04:01 बजे इसका समापन हो जाएगा। ऐसे में पौष मास की शिवरात्रि भक्त 29 दिसंबर को मनाएंगे।

मासिक शिवरात्रि पर इन राशियों को होगा लाभ

इस बार मासिक शिवरात्रि पर तीन राशियों को विशेष लाभ होने वाला है। यह तीन राशियां मिथुन, सिंह और मकर हैं।

सिंह –सिंह राशि के जातकों को व्यापार में बहुत लाभ मिलेगा। रुका हुआ धन मिल जाएगा, जिससे किसी भी तरह की परेशानी नहीं आएगी। खोया हुआ प्यार फिर से मिल जाएगा।

मकर– मकर राशि वालों को मासिक शिवरात्रि पर आर्थिक रूप से लाभ प्राप्त होगा। धन प्राप्त होने से समाज में सम्मान बढ़ेगा। आय के दूसरे सोर्स भी खुलेंगे। इस दिन भगवान शिव पर काले तिल और गंगाजल से अभिषेक करें, तो विशेष कृपा होगी।

मिथुन – मिथुन राशि वालों के लिए दिन बहुत ही शुभ रहेगा। इस दिन आपको घर, मकान और वाहन पर निवेश का मौका मिल सकता है। भगवान शिव की पूजा करने से आशीर्वाद मिलेगा।

इन दो राशि के जातकों को मिलता है सच्चा प्यार

शादी के बाद भी रिश्ते में रहती है मिठास

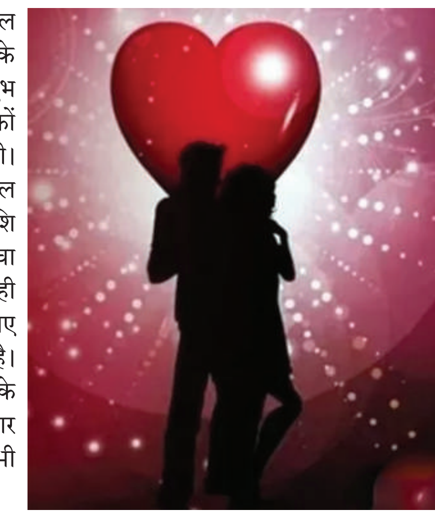

राशिफल के अनुसार, साल 2025 कई राशि के जातकों के लिए बेहद शुभ रहने वाला है। इन राशि के जातकों को हर क्षेत्र में सफलता मिलेगी। प्यार के मामले में भी अगला साल मंगलकारी रहने वाला है। इन राशि के जातकों को अगले साल सच्चा प्यार मिल सकता है। साथ ही पार्टनर जीवनसाथी बनने के लिए भी सहमति दे सकता है। ज्योतिषियों की मानें तो दो राशि के जातकों को हमेशा सच्चा प्यार मिलता है। वहीं, शादी के बाद भी इनका रिश्ता मधुर रहता है।

वृषभ राशि–वृषभ राशि के स्वामी सुखों के कारक शुक्र देव हैं। शुक्र देव प्यार, रोमांस, विवाह आदि के कारक माने जाते हैं। कुंडली में शुक्र मजबूत रहने से जातक को सभी प्रकार के भौतिक सुखों की प्राप्ति होती है। साथ ही मनचाहा प्यार मिलता है। वहीं, पार्टनर भी प्यार करने वाला होता है। इस राशि के जातक प्रेम विवाह करने में भी सफल होते हैं। इसके लिए विवाह के बाद इनका वैवाहिक जीवन भी खुशहाल रहता है। वृषभ राशि के जातक मनचाहा प्यार पाने के लिए हर सोमवार और शुक्रवार के दिन स्नान-ध्यान के बाद कच्चे दूध से भगवान शिव का अभिषेक करें। इस समय ॐ क्लीं कृष्णाय मनः मंत्र का जप करें। इस उपाय को करने से न केवल मनचाहा जीवनसाथी मिलता है, बल्कि मनपसंद पार्टनर से शादी होती है।

तुला राशि–ज्योतिषियों की मानें तो तुला राशि के जातक प्रेम विवाह करने में सफल होते हैं। इस राशि के स्वामी प्यार और रोमांस के कारक शुक्र देव हैं। अतः शुक्र देव की कृपा तुला राशि के जातकों पर बरसती है। उनकी कृपा से तुला राशि के जातकों को प्यार के मामले में विशेष सफलता मिलती है। साथ ही पार्टनर भी मनचाहा मिलता है। इस राशि के जातक स्वभाव से बेहद दयालु होते हैं। अपने पार्टनर का ख्याल रखने वाला होता है। इसके लिए तुला राशि के जातकों का रिश्ता सभी जातकों के साथ मधुर होता है। अगले साल शुक्र देव की कृपा से तुला राशि के जातकों को मनचाहा प्यार मिल सकता है। इस राशि के जातकों के लिए शुभ रंग सफेद है। अतः सोमवार और शुक्रवार के दिन सफेद रंग के कपड़े पहनें। वहीं, भगवान शिव संग मां पार्वती की पूजा करें।

मासिक जन्माष्टमी का पर्व 22 को

पंचांग के अनुसार, पौष माह के कृष्ण पक्ष की अष्टमी तिथि की शुरुआत 22 दिसंबर को दोपहर 02 बजकर 31 मिनट होगी और वहीं, इस तिथि का समापन 23 दिसंबर को दोपहर में 05 बजकर 07 मिनट पर होगा।

ऐसे में मासिक जन्माष्टमी का पर्व 22 दिसंबर को मनाया जाएगा। इसी दिन भानु सप्तमी और कालाष्टमी का पर्व मनाया जाएगा। भानु सप्तमी के दिन सूर्य देव की पूजा का विधान और कालाष्टमी पर काल भैरव की उपासना की जाती है।

शुभ समय

ब्रह्म मुहूर्त – प्रातः 05 बजकर 21 मिनट से 06 बजकर 16 मिनट तक

गोधूलि मुहूर्त – शाम 05 बजकर 27 मिनट से 05 बजकर 54 मिनट तक

निशिता मुहूर्त – रात्रि 11 बजकर 53 मिनट से 12 बजकर 48 मिनट तक

अभिजीत मुहूर्त – सुबह 11 बजकर 59 मिनट से दोपहर 12 बजकर 41 मिनट तक

जॉब में नहीं मिल रही है सफलता, इन उपायों से मिलेगी नौकरी

ज्योतिष शास्त्र में नौकरी से जुड़े कई चमत्कारी उपाय के बारे में बताया गया है। ऐसा माना जाता है कि ज्योतिष शास्त्र के उपाय करने से इंसान को मनचाही नौकरी मिलती है। नक्षत्रों के दोष की वजह से इंसान को नौकरी से संबंधित समस्या का सामना करना पड़ता है। अगर आप भी इस परेशानी से जूझ रहे हैं, तो ज्योतिष शास्त्र के उपाय जरूर करें। माना जाता है कि उपाय को विधिपूर्वक करने से इंसान को मेहनत का फल नौकरी के मामले में मिलता है और आने वाले नए साल में जॉब में सफलता के योग बन सकते हैं। ऐसे में चलिए जानते हैं कि नौकरी में सफलता पाने के उपाय के बारे में।

करें ये उपाय – यदि आप लंबे समय से नौकरी ढूंढ रहे हैं, लेकिन अधिक मेहनत करने के बाद भी सफलता नहीं मिल रही है, तो इस समस्या में सोमवार के दिन सुबह स्नान करने के बाद भगवान शिव और मां पार्वती की विधिपूर्वक पूजा-अर्चना करें। इसके बाद विशेष चीजों का भोग लगाएं। इसके बाद एक मुट्ठी साबुत चावल को पानी में गीला कर महादेव को चढ़ाएं। साथ ही 11 बेलपत्र अर्पित करें। शिव चालीसा का पाठ करें। इसके बाद भगवान शिव से नौकरी में सफलता पाने के लिए कामना करें। ऐसा माना जाता है कि इस उपाय को करने से नौकरी में सफलता मिलती है।

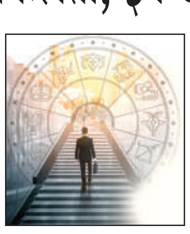

इसके अलावा आप शनिवार के दिन भगवान शनि देव की उपासना करें। इस दौरान 'ऊं शं शनैश्चराय नमः' मंत्र का 108 बार जप करें। मान्यता है कि इस उपाय को करने से कुंडली में दोष खत्म होता है और नौकरी जल्दी मिलती है। नौकरी में सफलता पाने के लिए तुलसी की माला से 11 बार गायत्री मंत्र का जाप 40 दिनों तक करें और मां तुलसी से सच्चे मन से मनचाही नौकरी पाने के लिए प्रार्थना करें। इस टोटके को करने से नौकरी में आ रही बाधा से छुटकारा मिलता है और मनचाही नौकरी मिलती है।

ज्योतिष शास्त्र के अनुसार, कुंडली में सूर्य और गुरु का मजबूत रहना अधिक जरूरी होता है। अगर आपकी कुंडली में सूर्य और गुरु कमजोर है, तो ऐसे में प्रत्येक दिन सूर्य देव को जल अर्पित करें। इस उपाय को करने से कुंडली में सूर्य मजबूत है और नौकरी मिलने के योग बनते हैं।

तुलसी को तोड़ते समय ध्यान रखें ये बातें

हिंदू धर्म में तुलसी को एक बहुत ही पवित्र और पूजनीय पौधा माना गया है। साथ ही इसके संबंध मां लक्ष्मी से भी माना जाता है। तुलसी केवल धार्मिक रूप से महत्वपूर्ण नहीं है, बल्कि इसमें कई औषधीय गुण भी पाए जाते हैं। भगवान विष्णु को भोग लगाने के लिए या अन्य उपयोग के लिए भी तुलसी तोड़ी जाती है। लेकिन इस दौरान आपको इसके नियमों का ध्यान जरूर रखना चाहिए।

पत्ते तोड़ने से पहले करें ये काम–हिंदू धर्म में तुलसी को एक देवी के रूप में पूजा जाता है। ऐसे में हमेशा स्नान के बाद ही तुलसी के पत्ते तोड़ने चाहिए। तुलसी के पत्ते तोड़ने से पहले देवी का ध्यान करें और हाथ जोड़कर उनसे पत्तियों को तोड़ने की अनुमति लें। इसके बाद ही तुलसी के पत्ते उतारें।

तुलसी तोड़ने का सही समय– हिंदू शास्त्रों में तुलसी के पत्ते तोड़ने के लिए ब्रह्म मुहूर्त यानी सुबह 4 बजे से 5 बजे के बीच के समय को सबसे उत्तम माना गया है। साथ ही इस बात का भी खास तौर से ख्याल रखें कि सूर्यास्त के बाद तुलसी के पत्ते नहीं उतारने चाहिए, वरना इसके मां लक्ष्मी आपसे नाराज हो सकती हैं।

न करें ये गलती– जूठे हाथों से तुलसी के पत्ते नहीं उतारने चाहिए। इसी के साथ तुलसी के पत्तों को कभी भी नाखून से नहीं तोड़ना चाहिए। ऐसा करना बहुत ही अशुभ माना जाता है। साथ ही इस बात का भी ध्यान रखना चाहिए कि तुलसी को हमेशा एक-एक पत्ती करके तोड़ना चाहिए। कभी भी एक साथ 4-5 पत्तों का गुच्छा न तोड़ें। इसी के साथ बिना किसी वजह भी तुलसी की पत्तियां न तोड़ें, वरना इसका अच्छा परिणाम नहीं मिलता।

ध्यान रखें ये बातें

कई बार तुलसी की पत्तियां टूटकर जमीन पर गिर जाती हैं, ऐसे में उन पत्तियों को उठाकर आप उपयोग में ले सकते हैं। अगर पत्तियां सूखी हुई हैं, तो उन्हें मिट्टी पर ही डाल सकते हैं। बस ध्यान रखें कि वह पत्तियां पैरों के नीचे न आएं और न ही उन पर झाड़ू मारें। तुलसी की टूटी हुई पत्तियों को कूड़ेदान में डालने की भी गलती न करें, वरना इससे मां तुलसी आपसे नाराज हो सकती हैं।

अगले साल किन राशियों पर शुरू होगी शनि की ढैय्या और किसे मिलेगी राहत?

ज्योतिषीय गणना के अनुसार, न्याय के देवता शनिदेव अगले साल राशि परिवर्तन करेंगे। वर्तमान समय में शनिदेव कुंभ राशि में विराजमान हैं। कर्मफल दाता शनिदेव एक राशि में ढाई साल तक रहते हैं। शनिदेव के राशि परिवर्तन से सभी राशियों के जीवन में बड़ा बदलाव देखने को मिल सकता है। दो भाग्यशाली राशि के जातकों को शनि की ढैय्या से मुक्ति मिलेगी। वहीं, दो राशि के जातकों पर शनि की ढैय्या शुरू होगी। क्या आपकी राशि भी इनमें शामिल है?

शनि गोचर – ज्योतिषियों की मानें तो न्याय के देवता शनिदेव साल 2025 में 29 मार्च को राशि परिवर्तन करेंगे। 29 मार्च को शनिदेव देर रात 11 बजकर 01 मिनट पर कुंभ राशि से निकलकर मीन राशि में गोचर करेंगे। मीन राशि में शनिदेव के गोचर करने से कई राशि के जातकों को लाभ होगा। वहीं, कई राशि के जातकों को शनि की बाधा से गुजरना पड़ सकता है।

इन राशियों पर खत्म होगी शनि की ढैय्या

कुंभ राशि में शनिदेव के विराजमान रहने के चलते कर्क और वृश्चिक राशि के जातकों पर शनि की ढैय्या चल रही है। शनिदेव के राशि परिवर्तन करने के साथ ही कर्क और वृश्चिक राशि के जातकों को शनि की ढैय्या से मुक्ति मिल जाएगी। शनि की ढैय्या ढाई साल तक रहती है। शनि की ढैय्या समाप्त होने से कर्क एवं वृश्चिक राशि के जातकों को लाभ मिल सकता है।

इन राशियों पर शुरू होगी शनि की ढैय्या

शनिदेव के मीन राशि में गोचर करने से मेष राशि के जातकों पर साढ़े साती शुरू होगी। वहीं, मकर राशि के जातकों को साढ़े साती से मुक्ति मिलेगी। जबकि, सिंह एवं धनु राशि के जातकों पर शनि की ढैय्या शुरू होगी। शनि की ढैय्या लगने से सिंह एवं धनु राशि के जातकों को सावधान रहने की आवश्यकता है।

त्राटक द्वारा करें अंतर्दृष्टि की जाग्रति

मानव शरीर एक जटिल प्रणाली है, इसके बावजूद वैदिक ऋषियों ने इसे पूर्णतः समझकर शरीर के प्रत्येक अंग को स्वच्छ, सशक्त, जीवंत एवं स्वस्थ रखने हेतु कई लाभदायक क्रियाएँ दीं । आज हम नेत्रों को स्वस्थ रखने हेतु एक ऐसी ही क्रिया की चर्चा करेंगे।

अक्सर लोग यह सुनकर चकित रह जाते हैं कि मानव शरीर की सबसे सक्रिय मांसपेशियां आंखों की होती हैं। इसे समझने के लिए एक प्रयोग करते हैं – किसी भी आरामदायक मुद्रा में बैठकर अपनी आँखें बंद कर लें और कुछ क्षणों के लिए अपने नेत्रगोलकों को स्थिर रखने का प्रयास करें। आप पाएंगे कि आंखों को कुछ क्षण के लिए भी स्थिर रखना अत्यंत कठिन है।

ऐसा क्यों? हमारे नेत्रगोलकों कि स्थिरता अथवा क्रियाशीलता का सीधा संबंध हमारे मस्तिष्क में आनेवाले विचारों की गति से है । ये विचार ही तो हैं जो हमारी इंद्रियों को इच्छापूर्ति के लिए सदैव व्यस्त रखती हैं , जिसके परिणामस्वरूप उन्हें कभी विश्राम नहीं मिलता और साथ ही हमारे नेत्रगोलक भी निरंतर क्रियाशील रहते हैं।

त्राटक एक ऐसी प्राचीन वैदिक तकनीक है जिसका नियमित अभ्यास न केवल आंखों को स्वच्छ करता है अपितु आंखों की मांसपेशियों को आराम भी देता है। साथ ही यह आंखों की सुंदरता और एकाग्रता को बढ़ाता है। इसके नियमित अभ्यास से दृष्टि में भी सुधार होता है।

वज्रासन या किसी आरामदायक स्थिति में अपनी पीठ सीधी रखते हुए बैठें। एक दीपक को आँखों के स्तर पर, दो फुट की दूरी पर रखें । यह आवश्यक है कि दीपक को गाय के घी से ही जलाएं क्योंकि इसमें औषधीय गुण होते हैं , जबकि मोम आदि पदार्थों से हानिकारक धुआं होता है। दीपक की लौ के नीले केन्द्र में एकटक देखें। कुछ समय बाद आँखों से पानी निकलने लगेगा। 5-10 मिनट के लिए इस प्रक्रिया को जारी रखें और धीरे-धीरे यथासंभव समय में वृद्धि करते जाएं। इसका नियमित रूप से अभ्यास करने पर विचारों को स्थिर करने और एक बिंदु पर ध्यान केंद्रित करने की क्षमता में वृद्धि होगी।

अब धीरे से आंखें बंद करें और आंतरिक रूप से लौ को देखना जारी रखें। कुछ मिनट बाद, धीरे से उठें। अपने मुँह में पानी भरें, इसे पीना नहीं है। पानी अपने मुंह में रखते हुए, आंखों को धोना शुरू करें, ऐसा लगातार पांच मिनट के लिए करें और फिर मुंह से पानी बाहर थूक दें ।

त्राटक के दैनिक अभ्यास से न केवल दृष्टि में सुधार होता है अपितु आँखों की चमक और आकर्षण भी बढ़ता है। इस क्रिया को कुछ उच्च क्रियाओं के साथ, जिनका उल्लेख 'सनातन क्रिया- एजलैस डाइमैन्शन' में किया गया है, अभ्यास करने से शरीर में स्थित सूक्ष्म नाड़ियाँ खुलती हैं और अंतर्दृष्टि संबंधित क्षमताएँ जागृत होती हैं।

स्थूल आंखों की दृष्टि सीमित है, परंतु इन क्रियाओं के सही अभ्यास से इन सीमाओं को बढ़ाया जाता है और फिर एक साधक अपनी अंतर्दृष्टि का प्रयोग कर, समय और स्थान के विभिन्न आयामों में होने वाली घटनाओं को न केवल अनुभव अपितु साक्षात् देख पाता है ।

–अश्विनी गुरुजी
ध्यान आश्रम

सूर्यदेव का धनु राशि में गोचर बुध और मंगल के राशि परिवर्तन से इस महीने बनेगा त्रिग्रही योग

ग्रहों के राज भगवान सूर्यदेव ने 15 दिसंबर, रविवार को धनु राशि में गोचर कर लिया। इसी के साथ बुध भी धनु राशि में गोचर करने वाले हैं। वहीं, मंगल 27 को धनु राशि में गोचर करेंगे। इस महीने धनु राशि में त्रिग्रही योग बन रहा है।

साथ ही बुध और सूर्य के एक साथ धनु राशि में रहने से बुधादित्य राजयोग का निर्माण होगा। सूर्य और मंगल के धनु राशि में गोचर से आदित्य मंगल राजयोग बनेगा।

साल के आखिरी महीने में कुल 5 राशि परिवर्तन

ज्योतिषाचार्य ने बताया कि इस महीने ग्रहों के राजा सूर्य, बुध, शुक्र और मंगल गोचर करेंगे। 2 दिसंबर को शुक्र ग्रह ने मकर राशि में गोचर किया था। साल के अंतिम माह कुल पांच ग्रहों ने राशि परिवर्तन किया है।

ज्योतिषाचार्य ने बताया कि इस महीने ग्रहों के राजा सूर्य, बुध, शुक्र और मंगल गोचर करेंगे। दो दिसंबर को शुक्र ग्रह मकर राशि में मंगल ग्रह शनिवार, सात दिसंबर को वक्री हो गए हैं। 27 दिसंबर को धनु राशि में गोचर करेंगे।

इस महीने धनु राशि में त्रिग्रही योग बन रहा है। साथ ही बुध और सूर्य के एक साथ धनु राशि में रहने से बुधादित्य राजयोग का निर्माण होगा। साथ ही सूर्य और मंगल के धनु राशि में गोचर से आदित्य मंगल राजयोग बनेगा।

वहीं, गुरु 31 दिसंबर को मेष राशि में मार्गी हो जाएंगे। दिसंबर में बदल रही ग्रहों की इस चाल का प्रभाव सभी राशियों पर रहेगा। कुछ राशियों को फायदा होगा, वहीं कुछ राशि वालों को सजग रहना होगा।

अन्नपूर्णा जयंती, करें पांच प्रकार के अनाज का दान

अन्नपूर्णा जयंती के दिन पांच प्रकार के अनाजों का दान करना अति लाभकारी सिद्ध हो सकता है।

जौ का दान: ज्योतिष शास्त्र के अनुसार, अन्नपूर्णा जयंती के दिन जौ का दान करना शुभ माना जाता है। इससे ना सिर्फ आपके धन के भंडार भर जाएंगे बल्कि आपकी कुंडली में गुरु ग्रह भी मजबूत होते हैं, जो आपके करियर में आ रही रुकावटों को भी दूर कर देते हैं।

चावल का दान: हम सब जानते हैं कि चावल को धन-धान्य और समृद्धि का प्रतीक माना जाता है, ऐसे में अगर आप अन्नपूर्णा जयंती के दिन चावल का दान करते हैं तो आपके घर में सुख-समृद्धि, संपन्नता, धन-संपदा, सौभाग्य की वृद्धि होगी।

उड़द का दान: उड़द की दाल या फिर खड़े उड़द का दान आप अन्नपूर्णा जयंती के दिन करते हैं तो इससे आपके शनि दोष खत्म होते हैं और शनिदेव की कृपा आप पर बनती है। इतना ही नहीं, यदि किसी व्यक्ति की साढ़ेसाती चल रही हो और उसके काम में बाधा आ रही हो तो वो भी दूर होती है।

गेहूं का दान: अन्नपूर्णा जयंती के दिन गेहूं का दान सौभाग्य में वृद्धि करता है और इससे आपके कुंडली में सूर्य की स्थिति को भी मजबूत करता है क्योंकि गेहूं को भाग्य का कारण माना जाता है।

राई का दान: अन्नपूर्णा जयंती के दिन राई का दान करना सर्वश्रेष्ठ माना जाता है क्योंकि राई को ज्योतिष शास्त्र में राहु ग्रह से जोड़ कर देखा जाता है और अगर आप अपने राहु को मजबूत करना चाहते हैं तो इस दिन इसका दान अवश्य करें।

डल झील में शिकारा पर बैठ दिलजीत ने 'डल स्टार' से की मजेदार बात

बोले- जो मेरे साथ रहता है, वो कहीं का नहीं रहता

गायक और अभिनेता दिलजीत दोसांझ 'धरती के स्वर्ग' कश्मीर में खूबसूरत और सुकून भरे पल बिताते नजर आए। डल झील पर शिकारा की सवारी पर निकले दिलजीत ने कश्मीरी कहवा का लुत्फ उठाया। दिलजीत ने एक वीडियो साझा किया, जिसमें वह 'डल स्टार' (नाविक) के साथ मजेदार अंदाज में गुफ्तगू करते नजर आए।

दिलजीत ने शिकारा में सवारी का आनंद लेते हुए एक वीडियो शेयर किया, जिसमें देखने लायक ना केवल खूबसूरत नजारा, बल्कि दोसांझ की मजेदार बातें भी हैं।

दोसांझ ने वीडियो साझा कर कैप्शन में लिखा, डल झील स्टार मुस्ताक भाई का कहवा और अदनान भाई का रबाब (रबाब म्यूजिक इंस्ट्रूमेंट को कहते हैं, जो कश्मीर में पाया जाता है।)

क्लिप में दोसांझ शिकारा (लकड़ी की नाव) पर कंबल ओढ़कर आराम करते हुए देखे जा सकते हैं, उनके पास बैठा एक शख्स रबाब बजाता दिखा रहा। वीडियो में एक स्थानीय चाय विक्रेता नाव से दोसांझ के पास आता है और एक खास अंदाज में उन्हें कहवा पिलाता है। बातचीत के दौरान चाय

वाले ने कहा, साब जी आप ग्लोबल स्टार हो और मैं डल स्टार हूं। ये खास कहवा है।

चाय वाले ने उत्सुकता से दिलजीत से उनके गृहनगर के बारे में पूछा। अभिनेता ने इस सवाल का जवाब मजेदार अंदाज में देते हुए कहा, मैं सर कहीं नहीं रहता, मैं बस ऐसे घूमता रहता हूं। चायवाला उनके साथ वालों के बारे में भी पूछता है, तो इस पर वह कहते हैं ये भी मेरे जैसे ही हैं, ये भी कहीं के नहीं हैं। मेरे साथ जो रहता है, वो कहीं का नहीं रहता है।

हाल ही में दिलजीत ने बताया था कि वह पंजाब की स्पेलिंग में 'यू' की जगह 'ए' क्यों लिखते हैं? दिलजीत ने भारतीय राज्य पंजाब की स्पेलिंग को लेकर अपने खिलाफ 'षड्यंत्र' के बारे में भी बताया। एक लंबा नोट साझा कर उन्होंने बताया कि अंग्रेजी एक बहुत ही कठिन भाषा है।

उन्होंने लिखा, पंजाबी। अगर मैंने ट्वीट में 'पंजाब' (यहां भी पंजाब लिखने के लिए उन्होंने 'यू' की जगह 'ए' का इस्तेमाल किया) लिखने के बाद गलती से भारत का झंडा नहीं लगाया तो यह एक साजिश बन जाती है। बेंगलुरु से एक ट्वीट में, मैं 'पंजाब' लिखने के बाद भारतीय ध्वज का उल्लेख करना भूल गया, इसे एक साजिश बना दिया गया।

उन्होंने कहा, अगर आप पंजाब में 'यू' की जगह 'ए' लिखेंगे तो यह 'पंजाब' ही रहेगा। पंज आब – 5 नदियां। शाबाश, जो लोग अंग्रेजों की भाषा में इस्तेमाल के इर्द-गिर्द षड्यंत्र रचते हैं। आप जानते हैं, मैं 'पंजाब' लिखूंगा। हम कितनी बार साबित करेंगे कि हम भारत से प्यार करते हैं? कुछ नया लाओ, या षड्यंत्र रचने के लिए ही तुम्हें पैसे मिलते हैं।

मस्ती 4 के ऐलान पर विवेक ओबराय ने कहा ब्रोमेंस शुरू हो

साल 2004 में रिलीज निर्देशक इंद्र कुमार की सुपरहिट फिल्म 'मस्ती' के चौथे पार्ट की घोषणा कर दी गई है।विवेक ने रविवार को इंस्टाग्राम पर एक मजेदार वीडियो शेयर किया। इस वीडियो में फिल्म निर्माता-लेखक मिलाप जावेरी अपने सह-कलाकार रितेश देशमुख को पकड़े हुए दिखाई दे रहे हैं। में जावेरी रितेश को किस करने की कोशिश करते हैं और गले लगाते नजर आ रहे हैं।

इस पर विवेक ओबराय ने कैप्शन दिया, मस्ती 4 अब आधिकारिक रूप से एक प्रेम कहानी है...'ब्रोमेंस' शुरू होता है! पहली फिल्म के बाद 20 साल का पागलपन! माफ करें, मैं लॉन्च नहीं आ सका...जल्द ही शूटिंग पर आपसे मिलूंगा।

अभिनेता आफताब शिवदासानी ने अपने इंस्टाग्राम पर फिल्म का क्लैपबोर्ड पकड़े हुए अपनी एक तस्वीर शेयर की। उन्होंने रितेश और जावेरी के साथ भी एक तस्वीर शेयर की। एक तस्वीर में कलाकार, निर्देशक और दिग्गज अभिनेता जीतेंद्र भी थे। आफताब ने पागलपन शुरू हो गया है। अब तक का सबसे मजेदार... हैश टैग मस्ती 4। इंद्र कुमार द्वारा निर्देशित अडल्ट कॉमेडी फिल्म मस्ती पहली बार 2004 में रिलीज हुई थी, जिसमें अजय देवगन, विवेक ओबेरॉय, रितेश देशमुख, आफताब शिवदासानी, लारा दत्ता, अमृता राव, तारा शर्मा और जेनेलिया डिसूजा ने अभिनय था। इस फिल्म के दो और सीक्वल थे, ग्रैंड मस्ती, जो 2013 में रिलीज हुई और 2016 में ग्रेट ग्रैंड मस्ती।

ग्रैंड मस्ती का निर्देशन भी इंद्र कुमार ने किया था। इसमें वही कलाकार थे, फिर भी यह फिल्म आगे नहीं बढ़ती और यह एक नई किस्त है। फिल्म ब्रूना अब्दुल्ला, करिश्मा तन्ना, सोनाली कुलकर्णी, कायनात अरोड़ा, मरियम जकारिया और मंजरी फडनिस भी हैं। ग्रेट ग्रैंड मस्ती की बात करें तो यह एक हॉरर कॉमेडी थी। विवेक, रितेश और आफताब ने पहले दो किस्तों से अपनी भूमिकाएं निभाई थीं। हालांकि, तीसरे भाग में उर्वशी रौतेला, श्रद्धा दास, मिष्टी पूजा बोस और संजय मिश्रा थे। फिल्म का निर्देशन करने वाले मिलाप इससे पहले 'शूटआउट एट वडाला', 'सत्यमेव जयते' और 'मरजावां' में काम कर चुके हैं।

मृणाल ठाकुर से धोखा का बदला लेंगे अदिवि शेष

डकैत का पोस्टर रिलीज

आगामी फिल्म 'डकैत' में अदिवि शेष अभिनेत्री मृणाल ठाकुर के साथ बड़े पर्दे पर दिखेंगे। अपने जन्मदिन के अवसर पर अभिनेता ने सोशल मीडिया पर फिल्म का पोस्टर साझा कर मुनादी की। एक्शन ड्रामा फिल्म के पोस्टर को इंस्टाग्राम पर साझा कर अदिवि ने लिखा, हां प्यार किया मगर धोखा भी दिया, बदला तो लेना ही पड़ेगा।मृणाल ठाकुर 'सीता रामम', 'द घोस्ट स्टोरीज', 'हाय नन्ना' जैसी फिल्मों में काम कर चुकी हैं। 'डकैत' की कहानी पर नजर डालें तो यह एक ऐसे अपराधी की कहानी है जिसे गुस्सा बहुत आता है। पूर्व प्रेमिका से धोखा खाने के बाद वो बदला लेने की योजना भी बनाता अपनी पूर्व प्रेमिका से धोखा खाने के बाद उससे बदला लेने की योजना बनाता है। सुप्रिया यारलागड्डा और सुनील नारंग द्वारा सह-निर्मित एक्शन-रोमांटिक के निर्देशक शेनिल देव हैं।

फिल्म की शूटिंग हिंदी और तेलुगू भाषाओं में एक साथ की जा रही है। निर्देशक ने कहानी और पटकथा पर अदिवि शेष के साथ मिलकर काम किया है। वर्तमान में हैदराबाद में फिल्म की शूटिंग चल रही है। महाराष्ट्र में शूटिंग की योजना है। 'वैरायटी' की रिपोर्ट के अनुसार अदिवि ने अपने बारे में कोई जानकारी देने के बजाय मृणाल ठाकुर के बारे में अपने सोशल मीडिया पोस्ट के साथ जानकारी दी।

फिल्म के बारे में बात करते हुए अदिवि शेष ने कहा, 'डकैत' एक बेहतरीन एक्शन फिल्म है, जिसकी कहानी इमोशंस से भरी है। मृणाल ने बड़े पर्दे पर कई बेहतरीन किरदारों को जीवंत किया है और हर भूमिका में एक अलग अंदाज नजर आती हैं। अपने हर किरदार को बेहतरीन तरीके से निभाने की उनकी क्षमता उन्हें वाकई असाधारण बनाती है। हम मृणाल का 'डकैत' टीम में स्वागत करते हुए बेहद उत्साहित हैं और बड़े पर्दे पर उनके साथ काम करने का बेसब्री से इंतजार कर रहे।

मृणाल ठाकुर ने कहा, 'डकैत' की कहानी को अदिवि शेष और शेनिल देव ने खास शैली में गढ़ा है। मैं जिस किरदार को निभाने जा रही हूं, यह एकदम अलग है और मैंने ऐसा रोल पहले कभी नहीं निभाया। 'डकैत' की शैली और स्क्रिप्ट दर्शकों के लिए वाकई एक बेहतरीन अनुभव होगा।

फियर के साथ साल का अंत करना शानदार रहा : वेधिका कुमार

अभिनेत्री वेधिका कुमार अपनी हालिया रिलीज फियर को लेकर उत्साहित हैं। साल के अंत को लेकर अभिनेत्री ने कहा, फियर के साथ साल का अंत करना अविश्वसनीय रूप से फायदेमंद और शानदार रहा।अभिनेत्री ने हालिया रिलीज फियर के साथ इस साल रिलीज अपनी अन्य पांच फिल्मों के बारे में भी बताया।वेधिका ने कहा, जब ईश्वर की कृपा होती है, तो जादू होता है। 2023 से मेरी यात्रा ऐसी ही रही है और मैं अपने प्रशंसकों, दुनिया और अपने शुभचिंतकों के प्रति कृतज्ञता से भरी हुई हूं। एक साल में पांच फिल्में रिलीज होना वास्तव में खास है, खासकर जब हर प्रोजेक्ट मुझे अलग-अलग तरीकों से चुनौती देता है और मुझे अपनी बहुमुखी प्रतिभा दिखाने का अवसर मिलता है।साल की मजबूत शुरुआत करना और अब इसे फियर के साथ समाप्त करना अविश्वसनीय रूप से फायदेमंद लगता है। मैं सराहना के लिए आभारी हूं और मुझे उम्मीद है कि यह गति मुझे 2025 में और भी अधिक ऊंचाइयों को प्राप्त करने के लिए प्रेरित करेगी।फियरऴ का ट्रेलर आर. माधवन ने जारी किया था। वेधिका उनके साथ गर्मजोशी से भरा गहरा रिश्ता शेयर करती हैं।वेधिका की झोली में कई शानदार प्रोजेक्ट हैं। इसमें एक तमिल फिल्म भी शामिल है। वेधिका कुमार मुख्य रूप से तमिल, तेलुगू, कन्नड़ और मलयालम फिल्मों में काम करती हैं। अपने शोबिज करियर की शुरुआत में वह ज्यादातर मॉडलिंग असाइनमेंट में दिखाई दीं।अभिनेत्री को मद्रासीऴ में मुख्य भूमिका निभाने के लिए अर्जुन ने संपर्क किया था। मद्रासीऴ की रिलीज के बाद, वेधिका को हिंदी फिल्म जय संतोषी मांऴ में एक भूमिका की पेशकश की गई थी, लेकिन फिल्म नहीं बन पाई। वेधिका ने साउथ इंडियन फिल्मों में काम करना जारी रखा और कई शानदार फिल्में दीं।वेधिका ने मुनिऴ, विजयदशमीऴ, शिवकाशीऴ, कलाईऴ जैसी फिल्मों में काम किया। उनकी हालिया रिलीज फियरऴ मेंटल हेल्थ के विषय पर बनी फिल्म है। फिल्म में वेधिका ने मुख्य किरदार सिंधु का किरदार निभाया है, जो बचपन से ही मानसिक समस्याओं से ग्रस्त है। उसे लगता है कि कोई उसे मारना चाहता है। जैसे-जैसे कहानी आगे बढ़ती है, रहस्य गहराता जाता है।

अमृतसर के श्री हरमंदिर साहिब में अभिनेता गिरिजा शंकर ने माथा टेका

बॉलीवुड एक्टर और टीवी धारावाहिक महाभारत में धृतराष्ट्र की भूमिका निभाने वाले अभिनेता गिरिजा शंकर ने मंगलवार को सचखंड श्री हरमंदर साहिब में माथा टेका। उन्होंने गुरु घर में अरदास की और कीर्तन किया। इसके बाद टीवी अभिनेता गिरिजा शंकर ने मीडिया से बातचीत के दौरान कहा कि मैंने काफी दिनों से गुरु घर में हाजिरी नहीं लगाई थी, इसलिए मैं आज यहां हाजिरी लगाने आया हूं। उन्होंने कहा कि महाभारत में भी मेरा धृतराष्ट्र का किरदार था।

उन्होंने कहा कि उसके बाद मैंने कई हॉलीबुड और कई हिंदी फिल्में की हैं। दो डॉक्यूमेंट्री फिल्में बन चुकी हैं, जिनके लिए मैं आज गुरु घर में आशीर्वाद लेने आया हूं। डॉक्यूमेंट्री में पंजाब की वो झलक दिखाई गई है जो कहीं नहीं मिलेगी। अभिनेता ने आगे कहा कि ये अमृतसर अमृत बरसाता है। पंजाब एक बहुत अच्छा राज्य है। पंजाबी सभी से बहुत प्यार करते हैं। इसके 25 साल बाद आप दुनिया में कुछ अलग देखेंगे। ये बहुत अच्छा है और बहुत अच्छा है। उन्होंने आगे कहा कि यह डॉक्यूमेंट्री फिल्में आपको बेहद पसंद आएगी, खासकर पंजाबी कला और संस्कृति पर यह डॉक्यूमेंट्री फिल्म तैयार की गई है।

बता दें कि बीआर चोपड़ा का टीवी सीरियल 'महाभारत' एक ऐसा धारावाहिक है, जिसका नाम टीवी इतिहास के पन्नों में सुनहरे अक्षरों से लिखा है। 1988 में इस धारावाहिक का पहला एपिसोड आया था। इस धारावाहिक में गिरिजा शंकर ने धृतराष्ट्र की भूमिका निभाई थी। गिरिजा शंकर ने अपने पहले ही सीरियल से खूब लोकप्रियता हासिल की।

भाग्यश्री बनीं फिटनेस कोच बताए क्रैब वॉक के फायदे

दिग्गज अभिनेत्री और फिटनेस फ्रीक भाग्यश्री ने मंगलवार को क्रैब वॉक टिप्स लोगों संग साझा किए। उन्होंने कहा कि इससे कोर(पेट के नीचे का हिस्सा) में सुधार होता है और हाथों को मजबूत बनाने में मदद मिलती है।

'क्रैब वॉक' एनिमल फ्लो का एक रूप है। यह शरीर के वजन को घटाने में लाभकारी होता है। योग, जिम्नास्टिक और पशु-प्रेरित गतिविधियों के मिश्रण से बना है। अभिनेत्री ने इंस्टाग्राम पर क्रैब वॉक करते हुए एक रील वीडियो शेयर की। इस वीडियो में उन्होंने इस वर्कआउट के फायदों के बारे में भी बताया। वीडियो में भाग्यश्री कहती सुनाई दीं, सब जानते हैं कि केकड़ा सीधा नहीं चल सकता। लेकिन यह भी सच है कि केकड़े का पेट मोटा नहीं होता। क्रैब वॉक से कोर स्ट्रेंथ और आर्म स्ट्रेंथ बढ़ती है। लेकिन इससे ग्लूट्स भी मजबूत होते हैं। तो चलिए मंगलवार टिप्स में क्रैब वॉक सीखते हैं। उन्होंने आगे कहा, आज मंगलवार की टिप्स में एक सरल व्यायाम है जो आपके हैमस्ट्रिंग को लचीला बनाए रखेगा। संतुलन और समन्वय भी बहुत महत्वपूर्ण है। इसे

पूरे शरीर की कसरत बताते हुए 55 वर्षीय अभिनेत्री ने कहा, यह पूरे शरीर का व्यायाम है। और यह उन लोगों के लिए एकदम सही वार्म-अप है जो नियमित व्यायाम करते हैं। भाग्यश्री ने क्लिप को कैप्शन दिया. एनिमल फ्लो- आज क्रैब वॉक ट्राई करें... यह पूरे शरीर की कसरत है। अपने कोर को टाइट करें, अपने शरीर को उल्टे टेबल की मुद्रा में उठाएं और चलें। यह कोर को मजबूत बनाने और हाथ को मजबूत बनाने का काम करता है, जैसा कि देखा गया है... लेकिन यह आपकी हैमस्ट्रिंग और ग्लूट मांसपेशियों को सक्रिय करने में भी मदद करता है। उन्होंने सुझाव दिया, इसे अपने प्रशिक्षक के निर्देशों के अनुसार करें, क्योंकि आपको खुद को चोट नहीं पहुंचानी है।

अभिनेत्री को आखिरी बार 2023 में मिखिल मुसले द्वारा निर्देशित एक रहस्यपूर्ण फिल्म सजनी शिंदे का वायरल वीडियो में देखा गया था। इसमें निमरत कौर, राधिका मदान और सुबोध भावे भी थे।

आज का राशिफल

मेष – चू,चे,चो,ला,लि,लू,ले,लो,अ

आज आपका सामना कई नई आर्थिक योजनाओं से होगा– कोई भी फ़ैसला करने से पहले अच्छाईयों और कमियों पर सावधानी से ग़ौर फ़रमाएँ। किसी भी चीज़ को अंतिम रूप देने से पहले अपने परिवार की राय लीजिए। महज़ आपका अपना फ़ैसला कुछ दिक़्क़त खड़ी कर सकता है। बेहतर परिणाम पाने के लिए परिवार में तालमेल पैदा करें। दफ़्तर में स्नेह का माहौल बना रहेगा। किसी के प्रभाव में आकर आपका जीवनसाथी आपसे झगड़ सकता है, लेकिन प्यार और सद्भाव से मामला सुलझ जाएगा।

वृषभ – इ,उ,ए,ओ,वा,वि,वु,वे,वो

शारीरिक बीमारी के सही होनी की काफ़ी संभावनाएँ हैं और इसके चलते आप शीघ्र ही खेल–कूद में हिस्सा ले सकते हैं। पैसे कमाने के नए मौक़े मुनाफ़ा देंगे। आपका संगी आपका भला सोचता है इसलिए कई बार आप पर गुस्सा भी कर बैठता है, उनके गुस्से पर नाराज होने से बेहतर यह होगा कि आप उनकी बातों को समझें। चीज़ों के होने का इंतज़ार मत कीजिए– बाहर निकलें और नए मौक़ों की तलाश करें। इस राशि वालों को आज खुद के लिए काफी समय मिलेगा। आप कोई किताब पढ़ सकते हैं या अपना पसंदीदा म्यूजिक सुन सकते हैं

मिथुन – क,कि,कृ,घ,ड़,छ,के,को,ह

योग और ध्यान आपको बेडौल होने से बचाने और मानसिक तौर पर सेहतमंद रखने में मददगार साबित होंगे। अतिरिक्त धन को रिअल एस्टेट में निवेश किया जा सकता है। दोस्तों के साथ शाम को घूमने बाहर जाएँ, इससे आपको बहुत फ़ायदा होगा। प्यार–मोहब्बत के लिहाज़ से दिन थोड़ा मुश्किल रहेगा। आने वाले समय में दफ़्तर में आपका आज का काम कई तरीक़े से असर दिखाएगा। लोग आपके बारे में क्या सोचते हैं आज आपको इस बात से कोई फर्क नहीं पड़ेगा। बल्कि आज आप खाली समय में किसी से मिलना जुलना भी पसंद नहीं करेंगे और एकांत में आनंदित रहेंगे।

कर्क – ही,हु,हे,हो,डा,डी,डू,डे,डो

दिन चढ़ने पर वित्तीय तौर पर सुधार आएगा। परिवार के साथ रिश्ते–नातों में नयी जान डालने का सही समय है। थोड़े बहुत टकराव के बावजूद भी आज आपका प्रेम जीवन अच्छा रहेगा और आप अपने संगी को खुश रखने में कामयाब होंगे। सेमिनार और गोष्ठियों में हिस्सा लेकर आज आप कई नए विचार पा सकते हैं। जो लोग घर से बाहर रहते हैं आज वो अपने सारे काम पूरे करके शाम के समय किसी पार्क या एकांत जगह पर समय बिताना पसंद करेंगे

सिंह – म,मी,मू,मे,मो,टा,टी,टू,टे

सेहत अच्छी रहेगी। जिन लोगों ने किसी से उधार लिया है उन्हें आज किसी भी हालत में उधार चुकाना पड़ सकता है जिससे आर्थिक स्थिति थोड़ी कमजोर हो जाएगी। ऑफिस में आज आपको स्थिति को समझते हुए ही व्यवहार करना चाहिए। अगर आपका बोलना जरुरी नहीं है तो चुप रहें, कोई भी बात जबरदस्ती बोलकर आप खुद को परेशानी में डाल सकते हैं। अपने बच्चों को आज समय का सदुपयोग करने की सलाह दे सकते हैं। आप महसूस करेंगे कि आपके जीवनसाथी में शहद से भी ज़्यादा मिठास है

कन्या – टो,प,पी,पू,ष,ण,ठ,पे,पो

अचानक नए स्रोतों से धन मिलेगा, जो आपके दिन को ख़ुशनुमा बना देगा। पारिवारिक सदस्यों के साथ सुकून भरे और शांत दिन का लुत्फ़ लें। अगर लोग परेशानियां के साथ आपके पास आएँ तो उन्हें नज़रअंदाज़ करें और उन्हें अपनी मानसिक शांति भंग न करने दें। कुछ लोगों के लिए जल्द ही शादी की शहनाई बज सकती है, जबकि दूसरे ज़िन्दगी में नए रोमांस का अनुभव करेंगे। अगर आप अपने काम पर ध्यान एकाग्र करें, तो आप अपनी उत्पादकता दोगुनी कर सकते हैं।

तुला – र,री,रू,रे,रो,ता,ति,तू,ते

आज धन लाभ होने की संभावना तो बन रही है लेकिन ऐसा हो सकता है कि अपने गुस्सैल स्वभाव के कारण आप पैसा कमाने में सक्षम न हो पाएं। जिन्हें भावनात्मक संबल की ज़रूरत है, वे पाएंगे कि बड़े मदद के लिए आगे आ रहे हैं। किसी दिलचस्प इंसान से मिलने की प्रबल संभावना है। आज के दिन काम करते वक़्त आपको कोई ख़ास दिक़्क़त नहीं आएगी और आप एक विजेता की तरह उभरेंगे। आज के दिन में आप बहुत व्यस्त रहेंगे लेकिन शाम के वक्त अपने मनपसंद कामों को करने के लिए भी आपके पास पर्याप्त समय होगा।

वृश्चिक – तो,न,नी,नू,ने,नो,या,यी,यू

आज आपको अपने उन रिश्तेदारों को पैसा उधार नहीं देना चाहिए जिन्होंने आपका पिछला उधार अब तक वापस नहीं किया है। आपका अड़ियल स्वभाव आपके माता–पिता का चैन छीन सकता है। आपको उनकी सलाह पर ध्यान देने की ज़रूरत है। सकारात्मक बातों पर विचार करने में कोई बुराई नहीं है। कामकाज में आ रहे बदलावों के कारण आपको लाभ मिलेगा। आपके द्वारा आज खाली समय में ऐसे काम किये जाएंगे जिनके बारे में आप अक्सर सोचा करते हैं लेकिन उन कामों को कर पाने में समर्थ नहीं हो पाते।

धनु – ये,यो,भ,भी,भू,धा,फा,ढा,भे

अपने आहार पर नियंत्रण रखें और चुस्त–दुरुस्त रहने के लिए नियमित व्यायाम करें। आपको कमीशन, लाभांश या रोयल्टी के ज़रिए फ़ायदा होगा। किसी दूर के रिश्तेदार के यहाँ से अचानक आया कोई संदेश पूरे परिवार के लिए रोमांचक रहेगा। किसी से आँखें चार होनी की काफ़ी संभावना है। आपको बढ़िया परिणामों को पाने के लिए अपनी तरफ़ से बेहतरीन प्रयास करने की आवश्यकता है। वक़ील के पास जाकर क़ानूनी सलाह लेने के लिए अच्छा दिन है। कोई पुराना दोस्त अपने साथ आपके जीवनसाथी के पुराने यादगार क़िस्से लेकर आ सकता है।

मकर – भो,ज,जी,खि,खू,खे,खो,ग,गि

खीज और चिड़चिड़ेपन के अहसास को ख़ुद पर छाने न दें। आपके फ़ैसले में माता–पिता की मदद अहम साबित होगी। आपको प्यार में ग़म का सामना करना पड़ सकता है। जो आपकी सफलता के आड़े आ रहे थे, वे आपकी आँखों के सामने ही नीचे को खिसकेंगे। आज आप नए विचारों से परिपूर्ण रहेंगे और आप जिन कामों को करने के लिए चुनेंगे, वे आपको उम्मीद से ज़्यादा फ़ायदा देंगे। रिश्तेदारों के चलते जीवनसाथी से वाद–विवाद हो सकता है, लेकि आख़िर में सब ठिक हो जाएगा।

कुम्भ – गु,गे,गो,सा,सी,सू,से,सो,द

आपको परिवार के सदस्यों के साथ थोड़ी दिक़्क़त होगी, लेकिन इस वजह से अपनी मानसिक शान्ति भंग न होने दें। प्यार का भरपूर लुत्फ़ मिल सकता है। अगर आपको एक दिन की छुट्टी पर जाना है तो चिंता न करें, आपकी ग़ैरहाज़िरी में सभी काम ठीक से चलते रहेंगे। और अगर किसी ख़ास वजह से कोई परेशानी खड़ी भी हो जाए, तो आप लौटने पर उसे आसानी से हल कर लेंगे। जीवन का आनंद लेने के लिए आपको अपने दोस्तों को भी समय देना चाहिए। अगर आप समाज से कटकर रहेंगे तो आवश्यकता पड़ने पर आपके साथ भी कोई नहीं होगा।

मीन – दी,दू,थ,झ,ञ,दे,दो,चा,ची

आपका ऊर्जा–स्तर ऊँचा रहेगा। आपका धन आपके काम तभी आता है जब आप फिजूलखर्ची करने से खुद को रोकते हैं आज ये बात आपको अच्छी तरह से समझ में आ सकती है। आपके जीवन–साथी की सेहत चिंता का सबब बन सकती है और उसे चिकित्सकीय देखरेख की ज़रूरत है। आपके प्यार को न सुनना पड़ सकता है। व्यावसायिक फ़ैसलों को लेने के लिहाज़ से आज का दिन बेहतर है। दिक़्क़तों का तेज़ी से मुक़ाबला करने की आपकी क्षमता आपको ख़ास पहचान दिलाएगी। आप अपने जीवनसाथी के साथ रोमानी दिन गुज़ार सकते हैं, इससे आपका रिश्ता मज़बूत होगा।

बुधवार का पंचांग

दिनांक : 18 दिसंबर 2024 , बुधवार
विक्रम संवत : 2081
मास : पौष ,कृष्ण पक्ष
तिथि : तृतीया प्रातः 10:08 तक
नक्षत्र : पुष्य रात्रि 12:59 तक
योग : ऐन्द्र रात्रि 07:33 तक
करण : विष्टि प्रातः 10:08 तक
चन्द्र राशि : कर्क
सूर्योदय : 06:39, सूर्यास्त 05:45 (हैदराबाद)
सूर्योदय : 06:35 , सूर्यास्त 05:57 (बैंगलोर)
सूर्योदय : 06:29, सूर्यास्त 05:48 (तिरुपति)
सूर्योदय : 06:29, सूर्यास्त 05:38 (विजयवाडा)

शुभ चौघड़िया

लाभ : 06:00 से 07:30
अमृत : 07:30 से 09:00
शुभ : 10:30 से 12:00
चल : 03:00 से 04:30
लाभ : 04:30 से 06:00 राहुकाल : दोपहर 12:00 से 01:30
दिशाशूल : उत्तर दिशा उपाय : तिल्ली खाकर यात्रा का आरंभ करें
दिन विशेष : संकष्ट चतुर्थी व्रत चन्द्रोदय रात्रि 08:42 , भद्रा प्रातः 10:08 तक, गण्डमूल रात्रि 01:00 से

* पाण्डित्य विषय में सम्पर्क करें *

पं.चिदम्बर मिश्र (टिल्लू महाराज)
हमारे यहाँ पाण्डित्य पूर्ण यज्ञ अनुष्ठान, भागवत कथा एवं मूल पारायण, वास्तुशान्ति, गृहप्रवेश,शतचंडी, विवाह, कुंडली मिलान, नवग्रह शान्ति, ज्योतिष सम्बन्धी शंका समाधान किए जाते हैं
फक्कड़ का मन्दिर, रिकाबगंज, हैदराबाद, (तेलंगाना)
9246159232, 9866165126
chidamber011@gmail.com

केन्द्र सरकार राजस्थान के विकास में नहीं छोड़ेगी कोई कोर कसर : मोदी

जयपुर 17 दिसंबर (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की डबल इंजन की सरकारों को सुशासन का प्रतीक बताते हुए भरोसा दिया है कि जब राजस्थान विकसित होगा तब भारत भी विकसित होगा और आने वाले वर्षों में और तेज गति से विकास होगा तथा केन्द्र सरका राजस्थान के विकास के लिए कोई कोर कसर नहीं छोड़ेगी।

श्री मोदी मंगलवार को यहां दादिया गांव में भजनलाल सरकार के एक वर्ष पूरे होने के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने राजस्थान की जनता को भाजपा सरकार को एक साल पूरे करने के लिए बधाई देते हुए कहा कि आज इतनी बड़ी तादाद में लोग आर्शीवाद देने आये हैं यह मेरा सौभाग्य हैं। उन्होंने कहा कि बिते एक वर्ष में राजस्थान के विकास को नई गति एवं नई दिशा देने में भजनलाल सरकार एवं उनकी टीम ने बहुत परिश्रम किया हैं। यह पहला वर्ष एक प्रकार से आने वाले अनेक वर्षों की मजबूत नींव बना हैं इसलिए आज यह उत्सव सरकार के एक साल पूरा होने तक सीमित नहीं हैं, यह राजस्थान विकास का भी उत्सव है।

उन्होंने कहा मैं कुछ दिन पहले ही यहां निवेश सम्मेलन में आया था जहां देश और दुनिया भर के बड़े–बड़े निवेशक यहां जुटे थे और आज 45 हजार करोड़ से अधिक के प्रोजेक्ट का लोकार्पण और शिलान्यास हुआ है जो राजस्थान में पानी की चुनौती का स्थाई समाधान करेंगे। राजस्थान में निवेश को बल मिलेगा और रोजगार के अनगिनत अवसर मिलेंगे। राजस्थान के पर्यटन, किसानों एवं नौजवानों को इससे बहुत फायदा होगा।

श्री मोदी ने कहा कि भाजपा की डबल इंजन की सरकारें है और भाजपा जो भी संकल्प लेती हैं उस पर ईमादारी से प्रयास करती है तथा देश के लोग कह रहे है कि भाजपा सुशासन की गारंटी हैं। उन्होंने कहा कि एक के बाद एक राज्यों में आज भाजपा को इतना जनसमर्थन मिल रहा है कि भाजपा को लगातार तीसरी बार देश की सेवा करने का अवसर दिया है जो पिछले साठ सालों में हिन्दुस्तान में ऐसा नहीं हुआ। भारत की जनता ने तीसरी बार केन्द्र में भाजपा सरकार बनाई हैं और मधयप्रदेश में लगातार दूसरी बार और हरियाणा में लगातार तीसरी बार भाजपा की सरकार बनी हैं और पहले से ज्यादा बहुमत दिया गया हैं।

उन्होंने कहा कि राजस्थान के उपचुनाव में भी भाजपा को लोगों ने जबरदस्त समर्थन दिया है जो यह दिखाता हैं कि भाजपा के काम और कार्यकर्ताओं की मेहनत पर जनता–जनार्दन का कितना विश्वास हैं। उन्होंने कहा कि राजस्थान तो वह राज्य है जिसकी सेवा का भाजपा को लंबे समय से सौभाग्य मिलता रहा है। श्री भैरोंसिंह शेखावत ने जो विकास की नींव रखी और सुशासन दिया था उसे श्रीमती वसुंधरा राजे ने संभाला और इसे आगे बढाया, अब श्री भजनलाल सरकार सुशासन को और समृद्ध करने में जुटी हैं। प्रधानमंत्री ने कहा कि राजस्थान में गत एक साल में क्या क्या काम हुए हैं उसके बारे में अभी बताया गया हैं जिसमें विशेष गरीब परिवारों, माताओं, बहनों, बेटियों श्रमिकों, विश्वकर्मा साथियों एवं घुमंतु परिवारों आदि के लिए अनेक फैसले लिए गए हैं। उन्होंने पिछली कांग्रेस सरकार पर नौजवान के साथ बहुत अन्याय करने का आरोप लगाते हुए कहा कि उसके शासन में पेपर लीक एवं भर्तियों में घोटाला यह राजस्थान की पहचान बन गई थी लेकिन प्रदेश में भाजपा सरकार बनने के बाद इन सबकी जांच शुरु हुई और कई गिरफ्तारिया भी हुई। उन्होंने कहा कि सरकार ने एक साल में हजारों की भर्तियां निकाल कर पूरी पारदर्शिता से परीक्षा भी कराई और नियुक्तियां भी हुई हैं। उन्होंने कहा कि पहले राजस्थान को बाकी राज्यों की तुलना में पेट्रोल महंगा खरीदना पड़ता था लेकिन भाजपा सरकार बनते ही राजस्थान के लोगों को इसमें राहत मिली हैं। उन्होंने कहा कि केन्द्र सरकार पीएम किसान सम्मान निधि के तहत किसानों के खाते सीधे पैसे भेजती हैं। भाजपा ने जो वादे किए उन्हें तेजी से पूरा किया जा रहा हैं और आज का कार्यक्रम इसी की एक अहम कड़ी हैं। उन्होंने कहा कि लोगों के आर्शीवाद से बीते दस साल में भाजपा की सरकार ने देश के लोगों को सुविधा देने एवं उनके जीवन की मुश्किलें कम करने पर बहुत जोर दिया हैं और आजादी के बाद पांच–छह दशकों ने कांग्रेस ने जो काम किया है उससे ज्यादा काम किया गया हैं। उन्होंने कहा कि नदियों का पानी समुद्र में बहता जा रहा है। अटल बिहारी वाजपेयी सरकारी थी तब नदियों को जोड़ने का विजन रखा गया था और विशेष कमिटी भी बनाई गई। जिन नदियों में जरुरत से जयादा पानी हैं और समुद्र में बह रहा है उसे सूखा ग्रस्त जगहों तक पहुंचाया जाये। इससे बाढ़ एवं सूखे की समस्या दोनों का समाधान होगा लेकिन कांग्रेस ने कभी पानी की मुश्किलें कम नहीं करना चाहती थी और नदियों का पानी बहकर सीमा पार चला जाता था और इसका जनता को कोई लाभ नहीं मिलता था। कांग्रेस राज्यों के बीच जल विवाद को ही बढ़ावा दिया, जिसे सभी ने भुगता हैं।

श्री मोदी ने पानी को पारस बताते हुए कहा कि पानी जहां स्पर्श करेगा वहां नई ऊर्जा मिलेगी। उन्होंने गुजरात से नर्मदा नदी का पानी राजस्थान को देने को याद करते हुए कहा कि आज नर्मदा का पानी राजस्थन के कई जिलों को मिल रहा हैं। उन्होंने कहा कि कांग्रेस ने ईआरसीपी को कितना लटकाया। यह उसकी नियत का प्रत्यक्ष प्रमाण हैं। बड़ी बड़ी बाते करते हैं और किसानों के लिए कुछ नहीं करते है, नहीं दूसरों को करने देते है। उन्होंने कहा कि भाजपा की नीति विवाद की नहीं बल्कि संवाद की हैं। विरोध में नहीं सहयोग में विश्वास और समाधान पर यकीन करते हैं। हमारी सरकार ने ईआरसीपी को स्वीकृत किया और इसका विस्तार भी किया हैं। राजस्थान और मध्यप्रदेश सरकार मिलकर पानी के समझौते को आगे बढा रहे है।

उन्होंने कहा कि राजस्थान में विकास के लिए पर्याप्त पानी होगा। उन्होंने कहा कि 21 जिलों में सिंचाई का पानी भी मिलेगा और पेयजल भी पहुंचेगा और राजस्थान और मध्यप्रदेश दोनों के विकास में तेजी आयेगी। उन्होंने कहा कि अब राजस्थान में शत प्रतिशत घरों तक जल पहुंचेगा। उन्होंने कहा कि हमारे केन्द्रीय मंत्री सी आर पाटिल के नेतृत्व में बहुत बड़ा अभियान चल रहा है, जिसकी अभी चर्चा कम है लेकिन यह बहुत मजबूत अभियान हैं जो जनभागीदारी से चलाया गया है। रेन वाटर हार्वेस्टिंग के लिए रिचार्जिंग वेल बनाये जा रहे हैं।

बानसूर में पुलिस और बदमाशों के बीच फायरिंग, 6 गिरफ्तार

बानसूर,17 दिसंबर (एजेंसियां)। बानसूर में एक लूट की योजना को नाकाम करते हुए पुलिस ने 6 बदमाशों को गिरफ्तार किया। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची, जहां बदमाशों ने पुलिस पर फायरिंग शुरू कर दी। जवाबी कार्रवाई में पुलिस ने 6 आरोपियों को हिरासत में लिया और घायल बदमाशों को बानसूर उप जिला अस्पताल में भर्ती कराया। घटना बानसूर थाना क्षेत्र के काकरिया बस स्टैंड से कौथल रोड के बीच की है। गिरफ्तार आरोपियों में अनिल गुर्जर (पहाड़ी, बहरोड़), सीताराम उर्फ श्यामसुंदर (हरसौरा), रामफल गुर्जर (हरसौरा), सुंदर गुर्जर (बानसूर), राजेश गुर्जर (बानसूर) और हरदम उर्फ हरपाल शामिल हैं। घटना स्थल पर बड़ी संख्या में पुलिस जाब्ता तैनात किया गया। थाना प्रभारी सुरेंद्र मलिक ने बताया कि मामले की जांच जारी है।

उप निरीक्षक भर्ती परीक्षा में धोखाधड़ी का खुलासा, एक और आरोपी गिरफ्तार

जयपुर,17 दिसंबर (एजेंसियां)। राजस्थान पुलिस की एसओजी (स्पेशल ऑपरेशन ग्रुप) और एटीएस (एंटी टेररिज़्म स्क्वाड) की संयुक्त कार्यवाही में एक बड़े भर्ती घोटाले का खुलासा हुआ है, जिसमें उप निरीक्षक भर्ती परीक्षा 2021 के पेपर लीक होने का मामला सामने आया है। एसओजी द्वारा गिरफ्तार किए गए प्रमुख आरोपी सिद्धार्थ यादव, जो हाल ही में उप निरीक्षक के पद पर चयनित हुए थे, ने परीक्षा से पहले ही अपने पिता के साथ मिलकर पूरी योजना बनाई और गलत तरीके से परीक्षा में सफलता हासिल की।

वी.के. सिंह, अतिरिक्त महानिदेशक पुलिस एटीएस एवं एसओजी ने बताया कि सिद्धार्थ यादव का पिता राजेन्द्र कुमार यादव, जो कि मेजर दिग्विजय सिंह राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय, खातीपुरा, जयपुर में परीक्षा प्रभारी के रूप में कार्यरत था, ने अपने जानकारों के साथ मिलकर उप निरीक्षक भर्ती परीक्षा 2021 का पेपर लीक किया। लीक किए गए पेपर को सिद्धार्थ यादव को परीक्षा से पहले पढ़ाया गया, जिसके बाद वह परीक्षा में सफल हुआ और मेरिट सूची में 59वें स्थान पर चयनित हो गया।गिरफ्तारी के बाद यह खुलासा हुआ कि सिद्धार्थ यादव का चयन पूरी तरह से गलत था और उसने जानबूझकर परीक्षा में धांधली की थी। हालांकि, जब एसओजी ने इस मामले में जांच शुरू की।

गलत साइड गाड़ी चलाना बादशाह को पड़ा भारी, कटा मोटा चालान

गुरुग्राम,17 दिसंबर (एजेंसियां)। फिल्म इंडस्ट्री के मशहूर रैपर–गायक बादशाह के काफिले का गुरुग्राम पुलिस ने मंगलवार को चालान कर दिया। बादशाह का काफिला गुरुग्राम की सड़कों पर यातायात नियमों का उल्लंघन कर गलत साइड से चल रहा था। पुलिस ने 15,500 रुपये का चालान काटा है।

गुरुग्राम के सेक्टर 68 एरिया मॉल में रविवार को पंजाबी सिंगर करण औजला का लाइव म्यूजिक कॉन्सर्ट था। इस इवेंट में बादशाह भी शामिल हुए थे। बादशाह थार गाड़ी समेत तीन अन्य गाड़ियों के साथ पहुंचे थे। बादशाह का काफिला जैसे ही गुरुग्राम के बादशाहपुर में पहुंचा, तो उनके काफिले ने यातायात नियमों की धज्जियां उड़ाते हुए बादशाहपुर से एरिया मॉल तक गलत तरफ ड्राइविंग की, जिसकी तस्वीरें सीसीटीवी कैमरे में कैद हुईं।

मामले को लेकर गुरुग्राम पुलिस के प्रवक्ता संदीप ने कहा, पुलिस को यह जानकारी मिली थी कि एक काफिला निकला, जिसमें तीन में से केवल एक गाड़ी में नंबर प्लेट था। थार गाड़ी में नंबर प्लेट लगी हुई थी। काफिले में जो बाकी गाड़ियां थी, उसमें अस्थायी नंबर प्लेट लगा था। पुलिस ने बताया, हमें जानकारी मिली कि गाड़ी में रैपर–सिंगर बादशाह बैठे हुए थे। यह गाड़ी पानीपत के दीपेंद्र माली के नाम पंजीकृत है। बादशाह की गाड़ी का चालान कर यह साबित कर दिया है कि कानून सबके लिए बराबर है। फिर चाहे वह कोई वीआईपी ही क्यों ना हो। किसी को भी नियमों की धज्जियां उड़ाने का कोई अधिकार नहीं है। चालान केवल एक गाड़ी का कटा है, शेष अन्य दो के बारे में जानकारी जुटाई जा रही है। जैसे ही जानकारी मिलती है सख्त कार्रवाई की जाएगी। करण सिंह औजला के लाइव कॉन्सर्ट में पहुंचे बादशाह ने इवेंट का वीडियो अपने इंस्टाग्राम पर साझा किया था, जिसमें वह स्टेज पर प्रस्तुति दे रहे करण औजला से गले मिलते नजर आए थे।

केंद्र व राज्य सरकार विलुप्त प्रजातियों के संरक्षण के लिए कर रही है पहल : सैनी

चंडीगढ़,17 दिसंबर (एजेंसियां)। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि प्रकृति का संरक्षण व संवर्धन हर मनुष्य का कर्तव्य है। आज जंगलों की कटाई के कारण पशु व पक्षियों के आश्रय की कमी होती जा रही है। ऐसे में हर नागरिक को अधिक से अधिक पेड़–पौधे लगाने का संकल्प लेना चाहिए और प्राकृतिक संरक्षण में सहयोग करना चाहिए। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रकृति में गगन, जल व थल पर निवास करने वाले हर जीव का अपना महत्व है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अनेक विलुप्त होती प्रजातियों के संरक्षण के लिए पहल की है। इसी पहल को आगे बढ़ाते हुए प्रदेश सरकार ने भी विलुप्त हो रही गिद्धों की प्रजातियों के संरक्षण पर विशेष ध्यान दिया है। इसके लिए पिंजौर में जटायु संरक्षण प्रजनन केंद्र की स्थापना की गई थी। आज इस केंद्र में गिद्धों की संख्या 378 है।

मुख्यमंत्री आज जिला पंचकूला के पिंजौर स्थित बीड शिकारगाह वन्य जीव अभ्यारण्य के पास जटायु संरक्षण प्रजनन केंद्र में 25 गिद्धों को खुले आकाश में छोड़ने के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में बोल रहे थे। इस अवसर पर पर्यावरण, वन एवं वन्य जीव मंत्री राव नरबीर सिंह, कालका की विधायिका श्रीमती शक्ति रानी शर्मा भी मौजूद रहे।नायब सिंह सैनी ने कहा कि 1990 के दशक में गिद्धों की संख्या करोड़ों में थी, जो धीरे–धीरे घटकर लाखों में रह गई। गिद्धों की संख्या घटने का मुख्य कारण दुधारू पशुओं में डाईक्लोफनाक इंजेक्शन का उपयोग रहा है, क्योंकि जब मृत पशु को गिद्ध खाता है तो उस दवाई का प्रभाव धीरे–धीरे गिद्धों पर पड़ने लगा और यह प्रजाति विलुप्त होने के कगार पर आ गई। उन्होंने कहा कि गिद्धों के संरक्षण के लिए बॉम्बे नेचुरल हिस्ट्री सोसाइटी ने हरियाणा सरकार के साथ समझौता किया और यह मिशन लिया कि हरियाणा के पिंजौर में गिद्धों की संख्या नेचुरल व कृत्रिम प्रजनन विधि अपनाकर बढ़ाई जाएगी।

मुख्यमंत्री के साथ बैठक में प्रमुख मुद्दों पर चर्चा

मंत्रियों ने वन नेशन, वन इलेक्शन को बताया अच्छी पहल

चंडीगढ़,17 दिसंबर (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री के साथ एक महत्वपूर्ण बैठक के बाद कैबिनेट मंत्रियों ने राज्य के विभिन्न मुद्दों पर अपनी राय दी। मुख्यमंत्री नायब सैनी द्वारा आयोजित इस बैठक में सभी विधायक और मंत्री शामिल थे। बैठक में हर इलाके के प्रमुख मुद्दों पर चर्चा की गई।

कैबिनेट मंत्री विपुल गोयल ने बैठक के बाद कहा, वन नेशन वन इलेक्शन एक बहुत ही अच्छी पहल है, और मुझे पूरा विश्वास है कि आगामी दिनों में यह बिल भारी मतों से पारित होगा। उन्होंने यह भी बताया कि निकाय चुनावों की तैयारियां जोरों पर हैं और राज्य पूरी तरह से तैयार है। राज्यमंत्री राजेश नागर ने कहा, मुख्यमंत्री हर सप्ताह विधायकों और मंत्रियों के साथ बैठक करते हैं, जिसमें उनके हलके के मुद्दों पर विस्तार से चर्चा की जाती है। वन नेशन वन इलेक्शन देश के विकास में महत्वपूर्ण कदम होगा और इससे देश की प्रगति तेज़ी से होगी।

राज्यमंत्री ने यह भी बताया कि हरियाणा में किसानों के लिए एमएसपी पर फसल खरीदने की व्यवस्था पूरी तरह से लागू है और राज्य के किसान पूरी तरह संतुष्ट हैं।कैबिनेट मंत्री अरविंद शर्मा ने भी वन नेशन वन इलेक्शन के फायदे पर जोर दिया।

हरियाणा सरकार ने नहीं की कैंसर रोगियों के लिए पर्याप्त व्यवस्था : कुमारी शैलजा

चंडीगढ़,17 दिसंबर (एजेंसियां)। हरियाणा के कई जिलों से होकर बहने वाली घग्गर नदी के किनारे रहने वाले लोगों को कैंसर का खतरा बहुत ज्यादा है। नदी का पानी इतना प्रदूषित हो चुका है कि यह न तो पीने लायक है और न ही नहाने लायक। प्रदूषित पानी कैंसर को बढ़ावा दे रहा है, जिससे हर साल कैंसर रोगियों की संख्या में वृद्धि हो रही है। हालांकि, इन रोगियों के लिए पर्याप्त उपचार सुविधाएं नहीं हैं, जिससे उन्हें उपचार के लिए दिल्ली, चंडीगढ़ या अन्य राज्यों में जाना पड़ता है। सिरसा की सांसद कुमारी शैलजा ने लोकसभा में केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री से हरियाणा में कैंसर रोगियों की संख्या, इन रोगियों के उपचार के लिए विभिन्न जिलों में स्थापित विशेष कैंसर वार्डों का विवरण और घग्गर नदी का प्रदूषित पानी किस हद तक कैंसर फैलाने के लिए जिम्मेदार है, इस बारे में पूछा था। कुमारी शैलजा ने यह भी पूछा कि क्या सरकार के पास इस नदी को साफ करने की कोई योजना है और क्या केंद्र सरकार गरीबी रेखा से नीचे (बीपीएल) परिवारों के कैंसर रोगियों को कोई विशेष सहायता प्रदान करती है।

जवाब में स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री प्रतापराव जाधव ने बताया कि भारतीय आयुर्विज्ञान अनुसंधान परिषद के राष्ट्रीय कैंसर रजिस्ट्री कार्यक्रम के तहत हरियाणा में 2019 में 1,486, 2020 में 1,536, 2021 में 1,580, 2022 में 1,630 तथा 2023 में 1,678 कैंसर के मामले सामने आए। मंत्री ने आगे बताया कि भादसा स्थित राष्ट्रीय कैंसर संस्थान में व्यापक सुविधाओं के साथ–साथ हिसार, करनाल, नूंह, सोनीपत तथा रोहतक के सरकारी मेडिकल कॉलेजों में कैंसर रोगियों की देखभाल की सुविधाएं उपलब्ध हैं।

शीत लहर से पशुओं को बचाएं : कुमावत

जयपुर,17 दिसंबर (एजेंसियां)। सर्दी के मौसम में शीतलहर का प्रकोप शुरू हो जाता है। ऐसे में पशुओं को भी शीतलहर से बचाना जरूरी होता है, वरना पशुधन बीमार पड़ सकता है। पशुपालन, गोपालन एवं डेयरी मंत्री जोराराम कुमावत ने कहा है कि राज्य में ठंड बढ़ने के साथ कुछ जगहों पर शीतलहर की शुरुआत हो चुकी है। कई जिलों में तापमान 5 डिग्री सेल्सियस से नीचे दर्ज किया जा रहा है। इतने कम तापमान से न केवल इंसान बल्कि पशु पक्षी भी प्रभावित होते हैं। खासकर दुधारू पशुओं के दुग्ध उत्पादन पर ठंड का बहुत असर पड़ता है। अधिक ठंड के कारण दुधारू पशु अक्सर जल्दी बीमार पड़ते हैं और दूध देना कम कर देते हैं। इसके कारण पशुपालकों को भी आर्थिक नुकसान उठाना पड़ता है।

उन्होंने पशुपालकों से अपील की है कि वे सर्दी के मौसम में अपने पशुओं का विशेष ध्यान रखें। उन्हें ठंड से बचाएं, रात के समय पशुओं को खुले में न बांधें। उन्हें कंबल या जूट के बोरों से ढंककर रखें। दिन के समय संभव हो तो उन्हें धूप में रखें। उन्होंने कहा कि ठंड के समय में पशुओं के आहार का भी विशेष ख्याल रखना चाहिए। उनके खुराक मे सूखा चारा, मोटा अनाज, सरसों की खल आदि की अधिकता होनी चाहिए।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक गोपाल अग्रवाल द्वारा श्री शेषसाई इंटरप्राइजेज प्लॉट नंबर. 98/1, को-ऑपरेटिव इंडस्ट्रीयल एस्टेट, गांधी नगर, बालानगर के पास मेडचेल-मल्काजगिरि जिला. हैदराबाद 500037, तेलंगाना स्टेट से मुद्रित तथा प्लॉट नं. ए-23/5 तथा 6, दूसरा माला, ओपीआईई, बालानगर, हैदराबाद, मेडचल मलकाजगिरी जिला, तेलंगाना राज्य-500037 से प्रकाशित। आर. एन. आई रजिस्टर्ड नं. TELHIN/2019/78163, फोन नं. 040-29551811. E-mail : dailyshubhlabh@gmail.com.